महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

हालात और निर्णय का रिश्ता बहुत गहरा होता है कई बार हालात, निर्णय के कारण होते है और बहुत से निर्णय हालात के कारण होते है...

वर्ष : 16 अंक : 250 | उज्जैन, गुरुवार 19 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

राज्यसभा में हरिवंश के लिए वापसी के द्वार पर संशय, जदयू के टिकट पर तीसरी बार उच्च सदन में पहुंचने की चुनौती

नई दिल्ली/ जीएनएस। बिहार से राज्यसभा की पांच सीटों के लिए चुनाव की घोषणा ने दावेदारों की धड़कन बढ़ा दी है, किंतु असली चर्चा अंकगणित से ज्यादा जदयू की आंतरिक राजनीति को लेकर है। विशेष रूप से मौजूदा उपसभापति हरिवंश नारायण की संभावना को चुनाव की औपचारिक प्रक्रिया दलगत हैसियत से आगे बढ़ाकर सियासी संकेतों की परीक्षा बना दिया है। जदयू के टिकट पर दो कार्यकाल पूरे कर चुके हरिवंश के सामने तीसरी बार उच्च सदन में पहुंचने की चुनौती पार्टी की परंपरा, सामाजिक समीकरण और दलगत संतुलन से जुड़ी है। संख्या बल के लिहाज से स्थिति स्पष्ट दिखाई देती है। बिहार विधानसभा में प्रत्येक राज्यसभा सीट के लिए 41 विधायकों का समर्थन आवश्यक है। भाजपा और जदयू, दोनों के पास इतनी संख्या है कि वे दो-दो उम्मीदवार आराम से जिता सकते हैं। इस दृष्टि से पांचों सीटों पर परिणाम लगभग तय माने जा रहे हैं। विपक्षी खेमे की सीमित संख्या और उसके भीतर संभावित असहमति को देखते हुए किसी बड़े उलटफेर की संभावना कम है। किंतु राजनीतिक प्रक्रिया केवल गणित से संचालित नहीं होती है। संदेश-संकेत भी उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं। जदयू की दुविधा यहीं से शुरू होती है। पार्टी की परंपरा है कि किसी नेता को लगातार तीसरी बार राज्यसभा या विधान परिषद भेजना अपवाद की तरह कभी-कभी ही हो पाया है। ऐसे में हरिवंश की दावेदारी स्वत- ही विचार का विषय है। वे अप्रैल 2014 से राज्यसभा सदस्य हैं और अगस्त 2018 से उपसभापति पद संभाल रहे हैं। संसदीय कार्यवाही के संचालन में उनकी संयमित शैली और विभिन्न दलों के बीच उनकी स्वीकार्यता निर्विवाद मानी जाती है। परंतु किसी भी दल की राजनीति सिर्फ संसदीय दक्षता पर आधारित नहीं होती है। सामाजिक प्रतिनिधित्व और संतुलन भी महत्वपूर्ण माने जाते हैं। इसी संदर्भ में केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर का नाम प्रासंगिक हो जाता है। अति पिछड़ा वर्ग से आने और पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर का पुत्र होना ही जदयू के सामाजिक आधार के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए रामनाथ की दावेदारी पर संशय नहीं दिख रही है।

मजबूती से बातचीत करने से ट्रेड डील में हासिल हुईं सफलताएं- पीयूष गोयल

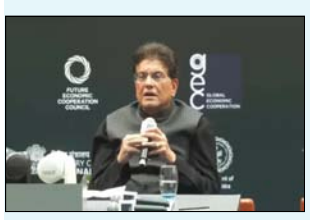

नई दिल्ली/ जीएनएस। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को भारत की आर्थिक कूटनीति का एक दृष्टिकोण पेश किया। उन्होंने कहा कि जुड़ाव, भरोसा और मजबूती से बातचीत करने से देश को हाल के व्यापार समझौते में सफलताएं हासिल हुई हैं। मुंबई में ग्लोबल इकोनमिक कोऑपरेशन समिट में गोयल ने कहा कि मुझे लगता है कि आर्थिक कूटनीति का एक पहला उसूल यह है कि अपने हितधारकों के करीब आएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत बाकी दुनिया के साथ गठबंधन बनाने, दोस्त बनाने, अपने व्यापार और निवेश की जरूरतों को जोड़ने में सबसे आगे है। भारत के लंबे समय के लक्ष्यों के बारे में बताते हुए, गोयल ने कहा कि देश 2047 तक 30-35 ट्रिलियन डॉलर की इकोनमी बनने की दिशा में काम कर रहा है, ताकि भारत विकसित देशों के समूह में शामिल हो सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसी वृद्धि अकेले नहीं हो सकती है। गोयल ने कहा, आज आर्थिक कूटनीति व्यापार को बढ़ाने, निवेश को सुरक्षित करने और अच्छी तकनीक तक पहुंच बनाने पर केंद्रित है। गोयल ने कम समय में आठ या नौ व्यापार समझौते करने के भारत के हालिया रिकॉर्ड पर भी बात की। इसमें से कुछ पर लगभग दो दशकों से बातचीत चल रही थी। उन्होंने कहा, जिस दिन आप अपने प्रतिपक्ष में इतना विश्वास पैदा कर सकते हैं कि आप पर भरोसा किया जा सके, उस दिन से रास्ता आसान हो जाता है। उन्होंने बताया कि भारत ने 2022 से नौ व्यापार समझौते किए हैं और उन पर पूरी मजबूती से बात की है।

किसान कल्याण वर्ष में पशुपालन और दूध उत्पादन से बढ़ाएंगे किसानों की आय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

किसान कल्याण वर्ष में एक लाख करोड़ से अधिक राशि किसानों के कल्याण पर होगी व्यय

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए दृढ़संकल्पित होकर कार्य कर रहे है। मध्यप्रदेश विधानसभा में 4 लाख 38 हजार करोड़ रुपए से अधिक का ऐतिहासिक बजट प्रस्तुत किया गया है। कृषि कल्याण वर्ष में प्रदेश के किसानों के लिए एक लाख करोड़ से अधिक राशि का प्रावधान किसान हितैषी योजनाओं के लिये किया गया है। प्रदेश सरकार का किसानों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का यह प्रमाण है। उन्होंने कहा गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी कल्याण के साथ हम प्रदेश को प्रगति पथ पर आगे बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश कृषि उत्पादन में लंबे समय से अग्रणी है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने पशुपालन और दूध उत्पादन बढ़ाने का संकल्प लिया है। डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना से प्रदेश में दूध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को किसान कल्याण वर्ष के उपलक्ष में ग्वालियर जिले में भगवान जगन्नाथ की पुण्य भूमि ग्राम कुलैथ में आयोजित हुए विशाल किसान सम्मेलन में किसान भाईयों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 87 करोड़ 21 लाख रुपए से अधिक लागत के 41 विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। साथ ही कुलैथ क्षेत्र के विकास के लिये बड़ी-बड़ी सौगातों की घोषणा भी की। उन्होंने किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी देने के लिये लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की जमीन के पट्टों की रजिस्ट्री का पूरा खर्च सरकार उठाएगी, इसके लिए बजट में पर्याप्ट धनराशि का प्रावधान किया गया है। इससे किसानों को बैंकों से योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा किसानों की जिंदगी बेहतर बनाने के लिए सरकार द्वारा हर संभव कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश के किसानों को सोलर पंप वितरित कर उन्हें बिजली उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। बुंदेलखंड की केन-बेतवा लिंक परियोजना का लाभ चंबल क्षेत्र के किसानों को भी मिलने वाला है। सिंचाई की सुविधा मिलने से यहां खेतों में फसलें लहलहाएंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में पहली से 8वीं कक्षा तक के बच्चों के सुपोषण के लिये सरकार निःशुल्क दूध उपलब्ध कराएगी। इस साल के बजट में यह योजना प्रस्तावित की गई है। साथ ही बजट में लाड़ली बहनों के लिए 23 हजार करोड़ से अधिक राशि आवंटित की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण करने से जीवन की अनेक कठिनाइयां खत्म हो जाती हैं। बाबा महाकाल ने सभी के जीवन का समय निश्चित किया है, इसलिए समाज कल्याण के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। इस अवसर पर स्थानीय ग्रामीण पारंपरिक लोक गायकों द्वारा प्रस्तुत कन्हैया लोकगीतों का आनंद भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लिया। उन्होंने मनमोहक कन्हैया लोक गीत प्रस्तुत करने वाले लोक गायकों का पुष्प वर्षा कर अभिनंदन और उत्साहवर्धन किया। लोक गायन में भाग लेने वाली सभी 18 टीमों को 5 ङ्क 5 हजार रुपए का पुरस्कार देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसान सम्मेलन स्थल के समीप स्थानीय किसानों द्वारा आयोजित पारंपरिक बैलगाड़ी दौड़ भी देखी। उन्होंने बैलगाड़ी दौड़ में शामिल हुई 28 बैलगाड़ियों को प्रोत्साहन स्वरूप 5-5 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की घोषणा की। साथ ही बैलगाड़ी दौड़ में प्रथम और द्वितीय पुरस्कार के लिए क्रमशः 21 व 11 हजार रुपए प्रदान करने की घोषणा भी की। ग्वालियर के कुलैथ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव जब हैलीपेड से रथ पर सवार होकर रोड-शो करते हुए आगे बढ़े तो मार्ग के दोनों ओर बड़ी संख्या में मौजूद जनसमुदाय द्वारा उनका पुष्प वर्षा कर भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भी जनता का अभिवादन किया। भगवान जगन्नाथ की पुण्य भूमि कुलैथ में आयोजित विशाल किसान सम्मेलन में शामिल होने आए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुलैथ क्षेत्र को विकास कार्यों की बड़ी-बड़ी सौगातें देने की घोषणा की।

दिल्ली दंगेः सुप्रीम कोर्ट करेगा आरोपी अब्दुल खालिद सैफी की जमानत याचिका पर सुनवाई

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली दंगे मामले में एक आरोपित को जमानत देने से इनकार करने के दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई है। जस्टिस अरविंद कुमार और प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ने आरोपित अब्दुल खालिद सैफी द्वारा दायर याचिका पर दिल्ली पुलिस को जवाब देने के लिए नोटिस जारी किया।

सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि आरोपित शीर्ष अदालत के पिछले महीने के उस फैसले के साथ समानता का दावा नहीं कर सकता, जिसमें मामले में पांच सह-आरोपितों को जमानत दी गई थी।

पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा, यदि आप हमारे निर्णय पर समानता का दावा कर रहे हैं, तो हम सीधे तौर पर नहीं कहेंगे। पीठ ने सैफी की याचिका को एक अन्य आरोपित द्वारा दायर एक अलग लंबित याचिका के साथ जोड़ा, जिसे उच्च न्यायालय ने भी जमानत देने से इनकार किया था। सैफी ने पिछले वर्ष 2 सितंबर को हाई कोर्ट के उस निर्णय को चुनौती दी है, जिसमें उसे मामले में जमानत नहीं दी गई थी।

5 जनवरी को शीर्ष अदालत ने यह देखते हुए कि उमर खालिद और शरजील इमाम के खिलाफ आरोपों के लिए उचित आधार मौजूद हैं, उन्हें 2020 के दिल्ली दंगा साजिश मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया, लेकिन अन्य पांच को राहत दी, यह कहते हुए कि सभी आरोपित समान स्थिति में नहीं हैं।

सक्रियकर्ताओं गल्फिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद को शीर्ष अदालत द्वारा जमानत दी गई, जिसमें 11 शर्तें लगाई गई और कहा गया कि स्वतंत्रता के किसी भी दुरुपयोग के मामले में जमानत रद की जाएगी।

चेन्नई में एक महीना, तो मुंबई में 10 महीने का वेटिंग पीरियड... अमेरिकी वीजा के लिए देशभर में करना होगा लंबा इंतजार

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत से अमेरिका का वीजा लेने वाले आवेदकों के लिए बड़ी खबर है। यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट द्वारा 13 फरवरी 2006 को जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत के अलग-अलग शहरों में अमेरिकी वीजा इंटरव्यू के लिए इंतजार का समय काफी अलग-अलग है।

आंकड़ों के अनुसार, चेन्नई में B1/B2 (टूरिस्ट और बिजनेस) वीजा इंटरव्यू के लिए सिर्फ एक महीने का इंतजार है। वहीं मुंबई में यही इंतजार लगभग 10 महीने तक पहुंच गया है। नई दिल्ली और हैदराबाद भी मुंबई से बहुत पीछे नहीं हैं। इन दोनों शहरों में B1/B2 वीजा के लिए करीब आठ महीने का इंतजार करना पड़ रहा है।

US Department of State के ग्लोबल वीजा वेट टाइम्स पोर्टल के अनुसार, मुंबई में औसतन 9.5 महीने का इंतजार है, जबकि अगली उपलब्ध क्क1/क्क2 इंटरव्यू तारीख लगभग 10 महीने बाद की है। इस तरह मुंबई सबसे ज्यादा बैकलॉग वाला शहर बन गया है।

नई दिल्ली में औसतन 6.5 महीने का इंतजार है, लेकिन अगली उपलब्ध अपॉइंटमेंट करीब आठ महीने बाद मिल रही है।

विजय माल्या का भारत लौटना पक्का नहीं, वकील ने कोर्ट को बताया

नई दिल्ली/ जीएनएस। भगोड़े बिजनेसमैन विजय माल्या ने बुधवार को बॉम्बे हाई कोर्ट को बताया कि वह अभी यह बताने की हालत में नहीं है कि वह कब भारत लौट सकते हैं। उन्होंने यूनाइटेड किंगडम में चल रही कार्रवाई से पैदा हुई कानूनी दिक्कतों का हवाला दिया।

अपने वकील के जरिए, उन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट को बताया कि यूनाइटेड किंगडम की अदालतों के पास किए गए कानूनी ऑर्डर उसे इंग्लैंड और वेल्स छोड़ने, विदेश जाने की कोशिश करने, या इंटरनेशनल ट्रैवल डॉक्यूमेंट के लिए अप्लाई करने या रखने से भी रोकते हैं। इन पाबंदियों को देखते हुए, उसने कहा है कि वह भारत लौटने की कोई पक्की टाइमलाइन नहीं बता सकता।

भाजपा ने राहुल गांधी से पूछा, कपिल सिब्बल ने क्यों स्वीकारा एपीस्टीन का पुरस्कार?

नई दिल्ली/ जीएनएस। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से सवाल किया कि कांग्रेस पार्टी के सत्ता में रहते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने यौन अपराध के दोषी जेफ्री एपीस्टीन की ओर से प्रायोजित पुरस्कार क्यों स्वीकार किया था।

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने बुधवार को कहा, राहुल गांधी को यह बताना चाहिए कि जब कांग्रेस पार्टी सरकार में थी, तो उनके मंत्री कपिल सिब्बल ने एक यौन शिकारी जेफ्री एपीस्टीन के दिए पुरस्कार को क्यों स्वीकार किया?

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के विदेश विभाग के प्रमुख और गांधी परिवार के करीबी सहयोगी सैम पित्रोदा उसी सर्किल से जुड़े हुए हैं और गांधी परिवार के एपीस्टीन के साथ संबंधों की प्रकृति पर सवाल उठाया। गांधी वाड्रा परिवार और राहुल गांधी के परिवार का जेफ्री एपीस्टीन के साथ क्या संबंध हैं कि सरकार में रहते हुए कपिल सिब्बल ने वह पुरस्कार स्वीकार किया?

भंडारी ने कहा, हमें यूपीए सरकार में कांग्रेस पार्टी में नीतिगत बदलाव देखने को मिला। तो क्या कपिल सिब्बल जेफ्री एपीस्टीन के लिए लॉबिंग कर रहे थे? क्या सैम पित्रोदा गांधी-वाड्रा परिवार से जेफ्री एपीस्टीन को मिलवाने का काम कर रहे थे? इस मुद्दे पर गांधी, वाड्रा परिवार और राहुल गांधी की चुप्पी यह स्पष्ट करती है कि कुछ तो गड़बड़ है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में कांग्रेस छोड़ चुके सिब्बल वर्तमान में राज्यसभा सांसद एक स्वतंत्र सदस्य के रूप में कार्यरत हैं। भंडारी के अनुसार, एक दस्तावेज में सिब्बल को 2010 में न्यूयार्क में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार गाला में पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं में सूचीबद्ध किया गया।

डार्क वेब से धमकी भरा ईमेल भेजकर सुरक्षा एजेंसियों को छका रहे अपराधी, न्यायपालिका और एयरलाइंस निशाने पर

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय न्यायपालिका को मिल रही झूठी धमकियों का नया दौर बताता है कि भारत के खिलाफ मनोवैज्ञानिक अभियान जारी है। पिछले वर्ष स्कूल और एयरलाइंस को इस तरह की धमकियों वाली काल मिल रहीं थी।

इन मामलों की जांच कर रहे अधिकारियों का कहना है कि यह अपने तरह का एक मामला नहीं है बल्कि भारतीयों को डराने और हमेशा किसी अनहोनी की आशंका में रखने के लिए किए जा रहे एक सुनियोजित प्रयास का हिस्सा है। अभियान के पीछे इंटरनेशनल प्लेयर खुफिया एजेंसियों का मानना है कि यह एक ऐसा अभियान है, जिससे इंटरनेशनल प्लेयर नियंत्रित कर रहे हैं। यह अभियान कम खर्च वाला है लेकिन इससे नुकसान काफी बड़ा हो सकता है।

उदाहरण के लिए, जब किसी स्कूल को धमकी मिलती है तो ज्यादातर मामलों में एजेंसियों को पता होता है कि यह फर्जी कॉल है। हालांकि ऐसे मामलों में प्रोटोकल के हिसाब से जरूरी जांच करनी पड़ती है और ग्रीन सिग्नल मिलने के बाद ही स्कूल दोबारा खुलता है।

न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कोशिश हाल में अदालतों को मिली धमकियों के बारे में एजेंसियों को पता चला है कि कुछ आपराधिक तत्व इसके जरिये न्यायपालिका को एक संदेश भेज रहे हैं और उनका मकसद दबाव बनाना है।

एफटीए के बाद पीएम मोदी ने 5 यूरोपीय देशों के प्रमुखों से की मुलाकात, कूटनीतिक संवाद तेज

नई दिल्ली/ जीएनएस। पिछले महीने यूरोपीय संघ के साथ एतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की घोषणा के बाद भारत ने यूरोप के अलग अलगे देशों के साथ कूटनीतिक संवाद तेज कर दिया है ताकि इस समझौते को जल्दी से जमीन पर उतारा जा सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार, 18 फरवरी को एक ही दिन में यूरोप के पांच देशों-स्पेन, सर्बिया, एस्टोनिया, फिनलैंड और क्रोएशिया के शीर्ष नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के अवसर पर आये इन देशों के प्रमुखों के साथ बैठक में एफटीए के तहत सहयोग पर खास तौर पर बातचीत हुई। एफटीए के बाद यह उच्चस्तरीय संवादों की पहली श्रृंखला है। पीएम मोदी ने बुधवार को भूटान के पीएम शेरिंग तोगबे और कजाखस्तान के पीएम ओल्जास बेक्तेनोव से भी अलग अलग मुलाकात की है।

एआइ समिट में हिस्सा लेने के लिए दो दर्जन देशों के प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति भारत आए हैं। पीएम मोदी इन सभी नेताओं के साथ मुलाकात करने वाले हैं। प्रधानमंत्री मोदी की स्पेन के राष्ट्रपति पेद्रो सांचेज के साथ हुई मुलाकात में रक्षा, सुरक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। दोनों देशों ने वर्ष 2026 को इंडिया-स्पेन ईयर ऑफ कल्चर, टूरिज्म एंड एआई के रूप में मनाने का निर्णय लिया है, जिससे जन-जन के बीच संपर्क और मजबूत होगा।

फिनलैंड के प्रधानमंत्री से पीएम मोदी की मुलाकात- प्रधानमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि भारत-ईयू एफटीए का स्पेन के साथ आर्थिक साझेदारी पर अत्यंत सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और नए अवसर सृजित होंगे। फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ऑरपो के साथ विस्तृत चर्चा में 6जी, स्वच्छ ऊर्जा, जैव-ईंधन और सर्कुलर इकोनॉमी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है।

भारत-यूरोप संबंधों में स्वर्णिम युग की शुरुआत- पीएम मोदी- प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-ईयू एफटीए के लिए ऑरपो के व्यक्तिगत समर्थन की सराहना करते हुए इसे भारत-यूरोप संबंधों में स्वर्णिम युग की शुरुआत बताया। एस्टोनिया के राष्ट्रपति अलार कारिस के साथ वार्ता में डिजिटल प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर विशेष जोर रहा।

जनहित, ग्रामीण उत्थान और उद्योग आधारित विकास का बजट : दीपक जैन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को जनकल्याण, सामाजिक न्याय और सर्वहारा वर्ग के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक बताते हुए भारतीय जनता पार्टी के सह मीडिया प्रदेश प्रभारी दीपक जैन टीनू ने कहा कि यह बजट गांव, गरीब, किसान, युवा, महिला और श्रमिक वर्ग के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का ठोस रोडमैप है। उन्होंने कहा कि यह बजट विकास को अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाने की स्पष्ट मंशा दर्शाता है।

दीपक जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनहितैषी संकल्पों को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 3000 करोड़ रुपये की लागत से एक लाख सोलर पंप उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है, जो किसानों की लागत कम करने और उत्पादन बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम है। साथ ही मत्स्य उत्पादन, सिंचाई और ग्रामीण सड़क निर्माण में किए गए प्रावधान ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त आधार देंगे। मुख्यमंत्री मजरा-टोला सड़क योजना और सड़क मरम्मत के लिए किए गए बड़े बजटीय प्रावधान से दूरस्थ क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में 23,747 करोड़ रुपये और आयुष्मान योजना के लिए 2,149 करोड़ रुपये का प्रावधान सरकार की गरीब और मध्यम वर्ग के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाता है। शिक्षा के क्षेत्र में 7 लाख 95 हजार विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता देने का निर्णय सामाजिक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

दीपक जैन टीनू ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए नारी कल्याण योजनाओं में 1 लाख 27 हजार 555 करोड़ रुपये और लाड़ली बहना योजना के लिए 23 हजार 882 करोड़ रुपये का प्रावधान मातृशक्ति के सम्मान और आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगा। जनजातीय क्षेत्रों के विकास, जल जीवन मिशन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा प्रधानमंत्री आवास योजना में किए गए निवेश से अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का लक्ष्य स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

उन्होंने कहा कि उद्योग क्रांति योजना के माध्यम से युवाओं को ऋण सुविधा और इंडस्ट्रियल आईटी पार्क का विकास रोजगार सृजन और निवेश को नई गति देगा। वन एवं पर्यावरण, धर्म एवं संस्कृति तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में संतुलित निवेश यह सिद्ध करता है कि यह बजट समग्र और संतुलित विकास का दस्तावेज है।

दीपक जैन टीनू ने विश्वास जताया कि भाजपा सरकार का यह बजट सर्वहारा वर्ग, किसान, मजदूर, युवा और महिलाओं के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाएगा और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के संकल्प को जमीनी स्तर पर साकार करेगा।

बोर्ड परीक्षाओं के दौरान तेज डीजे बजाने पर आजाद नगर पुलिस की कार्रवाई, वाहन जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आजाद नगर थाना पुलिस ने तेज आवाज में डीजे बजाकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले एक वाहन को जब्त किया है।

इंदौर जिला दंडाधिकारी शिवम वर्मा, पुलिस आयुक्त संतोष सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह तथा पुलिस उपायुक्त (जोन-1) कृष्ण लालचंदानी के निर्देशानुसार सहायक पुलिस आयुक्त रविन्द्र बिलवाल के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी लोकेश सिंह भदौरिया के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

दिनांक 17 फरवरी 2026 की रात्रि लगभग 12 बजे पुलिस टीम क्षेत्र भ्रमण पर थी। इस दौरान सांवरिया धाम मंदिर के पास एक आईसर वाहन क्रमांक MP13ZK 1386 को अत्यधिक तेज ध्वनि में डीजे बजाते हुए पाया गया। वाहन चालक नितिन तिवारी द्वारा निर्धारित सीमा से अधिक साउंड सिस्टम संचालित किया जा रहा था, जिससे आसपास के नागरिकों को असुविधा हो रही थी और ध्वनि प्रदूषण फैल रहा था।

पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वाहन को भारतीय न्याय संहिता की धारा 223(ए) तथा मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम की धारा 15 के अंतर्गत विधिवत जब्त कर लिया।

कार्रवाई में थाना प्रभारी लोकेश सिंह भदौरिया, उप निरीक्षक संदीप पाटीदार, प्रधान आरक्षक गजेंद्र सिंह, आरक्षक ललित परमार, सुरेश चौहान सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

इंदौर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि बोर्ड परीक्षाओं के दौरान शांति बनाए रखें और तेज आवाज में डीजे या साउंड सिस्टम का उपयोग न करें। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

झोन 12, 13 और 21 में आयुक्त का सख्त निरीक्षण, लापरवाही पर तीन कर्मचारियों का वेतन काटा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने बुधवार सुबह शहर के झोन क्रमांक 12, 13 एवं 21 क्षेत्रों में नाला टैपिंग, आउटफॉल और सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त आशीष पाठक, स्वास्थ्य अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। आयुक्त ने राजीव गांधी चौराहा, चोइथराम मंडी, गुरु नानक कॉलोनी, माणिक बाग रोड और लालबाग क्षेत्र का भ्रमण कर नाला सफाई, नाला टैपिंग और आउटफॉल की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान कई स्थानों पर सफाई व्यवस्था में लापरवाही पाई गई। झोन क्रमांक 13 के अंतर्गत रिदम गार्डन और चोइथराम मंडी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिलने पर क्षेत्रीय सीएसआई अभिषेक तिवारी का तीन दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए। साथ ही वार्ड 78 के दरोगा दयाराम तेजी और वार्ड 74 के दरोगा केश गौहर को कड़ी फटकार लगाते हुए तीन-तीन दिन का वेतन काटने के आदेश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। झोन क्रमांक 12 में भी निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था ठीक नहीं पाई गई, जिस पर सीएसआई राजकुमार यादव पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उनके विरुद्ध विभागीय जांच के निर्देश जारी किए गए। आयुक्त श्री सिंघल ने स्पष्ट कहा कि शहर की स्वच्छता और जल निकासी व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि नाला टैपिंग और आउटफॉल के कार्य समय-सीमा में और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरे किए जाएं तथा नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। चोइथराम मंडी और लालबाग क्षेत्र में नाला टैपिंग एवं आउटफॉल कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। आयुक्त ने सभी नाला आउटफॉल की टैपिंग सुनिश्चित करने तथा बरसात से पहले नालों की गहन सफाई, सिल्ट हटाने और आउटफॉल पॉइंट्स की नियमित निगरानी के निर्देश दिए।

रोलिंग बजट से तीन वर्षों का विकास खाका तैयार, प्रदेश बनेगा रोल मॉडल : सुमित मिश्रा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश के वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट पर भाजपा नेताओं ने इसे सर्वस्पर्शी, सर्वव्यापी और विकसित प्रदेश की दिशा में मजबूत कदम बताया है। भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बजट में प्रदेश के सर्वांगीण विकास का स्पष्ट रोडमैप दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि गरीब, युवा, अन्नदाता और महिला सशक्तिकरण के साथ इंडस्ट्रियलाइजेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर को प्राथमिकता देकर विकसित भारत की संकल्पना में मध्य प्रदेश की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

सुमित मिश्रा ने कहा कि रोलिंग बजट के माध्यम से आगामी तीन वर्षों की कार्ययोजना प्रस्तुत की गई है, जो अन्य राज्यों के लिए भी रोल मॉडल बनेगी। किसानों के लिए तीन हजार करोड़ रुपये की लागत से एक लाख सोलर सिंचाई पंप, नेचुरल फार्मिंग, अल्पकालीन कृषि ऋण तथा कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए 88 हजार 910 करोड़ रुपये का प्रावधान अन्नदाता को आत्मनिर्भर बनाएगा। जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए 793 करोड़, पिछड़ा, अल्पसंख्यक, विमुक्त एवं घुमंतू समाज के लिए 1 हजार 691 करोड़, खेलों के लिए 815 करोड़ तथा नारी सशक्तिकरण के लिए 1 लाख 27 हजार 555 करोड़ रुपये का प्रावधान सरकार की प्रतिबद्धता दर्शाता है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास के मंत्र के साथ मध्य प्रदेश नई उड़ान भर रहा है। उन्होंने बजट को आत्मनिर्भर और विकसित मध्य प्रदेश के संकल्प का मजबूत आधार बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच के अनुरूप यह बजट गरीब, युवा, किसान और मातृशक्ति को सशक्त करने वाला है।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बजट को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि नगरीय विकास के लिए 1 हजार 57 करोड़ रुपये का प्रावधान शहरों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार को गति देगा। अमृत योजना 2.0 के लिए 3467 करोड़, प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए 2316 करोड़ तथा ई-वाहनों पर पूर्ण और सीएनजी वाहनों पर एक प्रतिशत कर छूट से आमजन को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, हरित ऊर्जा और लोक परिवहन के विस्तार से शहर विकास के नए आयाम स्थापित होंगे।

विधायक रमेश मेंदोला ने बजट को सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय की भावना से तैयार बताया। विधायक गोलू शुक्ला ने कहा कि यह बजट युवाओं को कौशल और रोजगार से जोड़ने वाला साबित होगा। विधायक मालिनी गौड़ ने नारी सशक्तिकरण के लिए 23 हजार 882 करोड़ रुपये के लाड़ली बहना योजना प्रावधान को महिला हितैषी सरकार की प्रतिबद्धता बताया। विधायक महेंद्र हार्डिया ने स्वास्थ्य क्षेत्र में 23 हजार 747 करोड़ रुपये और आयुष्मान योजना के लिए 2139 करोड़ रुपये के प्रावधान को महत्वपूर्ण बताते हुए आठ नवीन आयुर्वेद महाविद्यालय सह चिकित्सालय स्थापना की घोषणा का स्वागत किया। विधायक मधु वर्मा ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास के लिए 40 हजार 62 करोड़ रुपये तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत चार लाख आवास निर्माण को ग्रामीण विकास की दिशा में बड़ा कदम बताया।

भाजपा नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि यह बजट मध्य प्रदेश को 2047 तक विकसित प्रदेश बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा और सबका साथ, सबका विकास के मूलमंत्र को धरातल पर साकार करेगा।

संभागायुक्त ने किया जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत इंदौर का निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने आज जिला पंचायत इंदौर तथा जनपद पंचायत इंदौर का रोस्टर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था, ग्रामीण विकास कार्यों तथा विभिन्न विकास योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन भी मौजूद थे। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने निर्देश दिए कि इंदौर शहर से लगी ग्राम पंचायत क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए संबंधित ग्राम पंचायतों की स्वच्छता की जिम्मेदारी नगर निगम को सौंपे जाने के संबंध में प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा जाए। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने अधिकारियों को निर्देश दिये।

वार्ड 84 में संकल्प से समाधान जनता चौपाल, महापौर ने स्कूटर से किया निरीक्षण, राजस्व खातों के सर्वे के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की समस्याओं का त्वरित और स्थल पर समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने वार्ड 84 स्थित द्वारकापुरी उद्यान में 'संकल्प से समाधान' जनता चौपाल का आयोजन किया। बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने उपस्थित होकर अपनी समस्याएं सीधे महापौर के समक्ष रखीं। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती गुरजीत कौर, महापौर प्रतिनिधि श्री भारत पारख, जोनल अधिकारी श्री लोकेश शर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी सहित क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव और पार्षद श्रीमती गुरजीत कौर ने स्कूटर के माध्यम से पूरे वार्ड का भ्रमण कर जमीनी स्थिति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सड़क निर्माण और ड्रेनेज लाइन के कार्यों का अवलोकन कर ठेकेदारों को गुणवत्ता सुधारने और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। अतिक्रमण के मामलों में भी अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने को कहा गया।

जनता चौपाल में नागरिकों ने क्षेत्र में स्पीड ब्रेकर की कमी और द्वारकापुरी व आसपास की कॉलोनियों के वेध संबंधी मुद्दे उठाए। महापौर ने जानकारी दी कि अधिकांश क्षेत्र वेध हो चुका है और शेष हिस्सा ग्रीन बेल्ट में आता है। 60 फीट रोड पर अतिक्रमण की शिकायत पर दुकानदारों और ठेला संचालकों को एक सप्ताह में स्वयं अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी गई तथा समयसीमा में कार्रवाई नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की बात कही गई।

रहवासियों ने क्षेत्र में बढ़ते नशे पर चिंता जताई, जिस पर महापौर ने बताया कि पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। पानी के कम प्रेशर और मोटर लगाकर पानी खींचने की शिकायत पर संबंधित अधिकारियों को मोटर जब्ती की कार्रवाई के निर्देश दिए गए। ट्रैफिक समस्या के समाधान हेतु सब्जी मंडी को ब्रिज के नीचे शिफ्ट करने के सुझाव पर जल्द निर्णय लेने की बात कही गई।

प्रॉपर्टी टैक्स खातों में गड़बड़ी की शिकायतों पर महापौर ने मौके पर ही अधिकारियों को फोन कर क्षेत्र में सर्वे कर विसंगतियों को दूर करने के निर्देश दिए। साथ ही ड्रेनेज और जलभराव की समस्या के समाधान के लिए बारिश से पहले कार्य पूर्ण करने और स्पॉट एक्शन लेने को कहा गया।

महापौर ने आश्वस्त किया कि जनता की सहभागिता से ही शहर की समस्याओं का समाधान संभव है और हर शिकायत का गंभीरता से निराकरण किया जाएगा।

निगम आयुक्त की फोटो का दुरुपयोग कर साइबर ठगी का प्रयास, आधिकारिक नंबर XXXXXX8040 ही मान्य

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल की सार्वजनिक रूप से उपलब्ध तस्वीर का दुरुपयोग कर साइबर ठगों द्वारा फर्जी अकाउंट बनाकर ठगी का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार अज्ञात व्यक्तियों ने आयुक्त की फोटो को प्रोफाइल पिक्चर के रूप में उपयोग करते हुए अधिकारियों, परिचितों एवं अन्य लोगों को मैसेज भेजकर अनुचित लाभ लेने की कोशिश की। मामला संज्ञान में आते ही आयुक्त श्री सिंघल ने निगम के सभी आधिकारिक ग्रुपों में संदेश जारी कर अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्क किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि उनकी तस्वीर का उपयोग कर किसी फर्जी खाते या अन्य मोबाइल नंबर से कोई संदेश प्राप्त होता है तो उसका किसी भी प्रकार से जवाब न दें और ऐसे धोखेबाजों से सावधान रहें। आयुक्त ने बताया कि उनका आधिकारिक नंबर केवल सीयूजी नंबर XXXXXX8040 ही है। इसके अतिरिक्त किसी अन्य नंबर से प्राप्त संदेशों को अधिकृत न माना जाए। उन्होंने इस संबंध में पुलिस प्रशासन को भी विधिवत पत्र लिखकर कार्रवाई हेतु सूचित कर दिया है। आयुक्त श्री सिंघल ने सभी से अपील की है कि उनके अधिकृत नंबर के अलावा किसी अन्य नंबर से आए संदेशों पर प्रतिक्रिया न दें और साइबर ठगी से बचने के लिए सतर्कता बरतें।

प्रशासनिक न्यायाधिपति द्वारा केंद्रीय जेल इंदौर में 18 वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्षों एवं जेल लीगल एड क्लीनिक का उद्घाटन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर के प्रशासनिक न्यायाधिपति न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला द्वारा केंद्रीय जेल परिसर इंदौर में नव निर्मित 18 वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्षों एवं जेल लीगल एड क्लीनिक का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति श्री शुक्ला ने कहा कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा के शुभारंभ से बंदियों की न्यायालयीन पेशी, विधिक परामर्श तथा अन्य न्यायिक कार्यवाहियां अब अधिक सुगम, सुरक्षित एवं प्रभावी रूप से संपन्न हो सकेंगी, जिससे समय एवं संसाधनों की भी बचत सुनिश्चित होगी। निरीक्षण के क्रम में न्यायमूर्ति द्वारा जेल परिसर में स्थित फांसी घर का भी अवलोकन किया गया। अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि वर्ष 1996 में यहां एक कैदी को फांसी दी गई थी, जिसके उपरांत अब तक किसी भी कैदी को फांसी नहीं दी गई है। न्यायमूर्ति शुक्ला द्वारा जेल में संचालित बर्तन निर्माण कारखाना एवं हैंडलूम (दरी बुनाई) इकाई का भी निरीक्षण किया गया, जहां कैदियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान कर विभिन्न उत्पादों का निर्माण कराया जा रहा है। इसके उपरांत केंद्रीय जेल परिसर में पुरस्कार वितरण समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सम्भागायुक्त डॉ. खाड़े ने इंदौर प्रशासनिक संकुल पहुँचकर राजस्व न्यायालयों का किया निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर सम्भागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े आज इंदौर के प्रशासनिक संकुल स्थित राजस्व न्यायालयों का निरीक्षण करने पहुँचे। उन्होंने यहां दो-तहसील, दो-अनुविभाग और दो-अपर कलेक्टर कोर्ट का रोस्टर निरीक्षण कर प्रकरणों के वस्तुस्थिति देखी। सम्भागायुक्त डॉ. खाड़े ने दो-राजस्व तहसील न्यायालयों में बिचौली हप्सी व जूनी इंदौर तथा इन्हीं क्षेत्र के अनुविभागीय राजस्व न्यायालयों का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा भी मौजूद थे।

इस दौरान डॉ. खाड़े ने नामांकन, सीमांकन, बंटवारा सहित अन्य राजस्व प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। उन्होंने दो अपर कलेक्टर न्यायालयों एडीएम श्री रोशन राय व एडीएम श्री रिंकेश वैश्य के न्यायालयों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिए है कि अधिकारी समय पर कार्यालय पहुँचे। सभी पक्षकारों के प्रकरणों का निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण पर विशेष ध्यान दे।

बच्चा चोरी गैंग की अफवाह फैलाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई, सोशल मीडिया अकाउंट भी होंगे ब्लॉक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोशल मीडिया पर बच्चा चोरी गैंग को लेकर फैलाई जा रही झूठी अफवाहों पर इंदौर पुलिस ने कड़ा रुख अपनाया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में इस प्रकार की कोई घटना सामने नहीं आई है और न ही कोई ऐसी गैंग सक्रिय है। इसके बावजूद कुछ लोग सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर भ्रामक पोस्ट, संदेश और वीडियो वायरल कर रहे हैं, जिससे अनावश्यक भय और भ्रम की स्थिति बन रही है।

इंदौर पुलिस कमिश्नर द्वारा पूर्व में ही सोशल मीडिया पर भ्रामक सामग्री प्रसारित करने वालों के विरुद्ध धारा 163 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई करने के आदेश जारी किए जा चुके हैं। इन आदेशों का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ धारा 223 बीएनएस के अंतर्गत एफआईआर दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही ऐसे गैरजिम्मेदार लोगों के सोशल मीडिया अकाउंट भी ब्लॉक कराने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे इस प्रकार की झूठी और भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें और न ही उन्हें आगे प्रसारित करें। अफवाह फैलाने या शेयर करने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी को इस प्रकार की भ्रामक सूचना मिलती है तो वह संबंधित पुलिस थाने या इंदौर पुलिस के क्राइम वॉच नंबर 7049108283 पर तुरंत सूचना दें।

इंदौर पुलिस ने नागरिकों से शांति और संयम बनाए रखने तथा सत्यापित जानकारी पर ही भरोसा करने की अपील की है।

विकसित मध्यप्रदेश की दिशा में मील का पत्थर बनेगा जनकल्याणकारी बजटः मंत्री तुलसी सिलावट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंत्री तुलसी सिलावट ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रदेश बजट को समृद्ध मध्यप्रदेश 2047 की दिशा में दूरदर्शी, समावेशी और परिणामोन्मुखी बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि विकसित और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण का ठोस रोडमैप है। बजट में ज्ञान – गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी – की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए ज्ञानी मॉडल के तहत इंडस्ट्रियलाइजेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर को भी सशक्त रूप से जोड़ा गया है, जो प्रदेश के समग्र विकास को नई गति देगा।

मंत्री सिलावट ने कहा कि बजट में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के संतुलित विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, अधोसंरचना, कृषि और औद्योगिक निवेश जैसे सभी प्रमुख क्षेत्रों के लिए व्यापक प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट सर्वस्पर्शी और समावेशी विकास की सोच को साकार करता है।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश का विकास योजनाबद्ध, संतुलित और समावेशी रणनीति पर आधारित है। कृषि से लेकर उद्योग और सेवा क्षेत्र तक, सामाजिक क्षेत्र से लेकर वित्तीय अनुशासन और सुशासन तक, हर क्षेत्र में निरंतर प्रगति सुनिश्चित की गई है। गरीब कल्याण, युवा शक्ति के कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण, अन्नदाता की आय में वृद्धि, नारी सशक्तिकरण और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार का संकल्प इस बजट में स्पष्ट दिखाई देता है।

मंत्री सिलावट ने कहा कि यह बजट समृद्ध, संपन्न, सुखद और सांस्कृतिक मध्यप्रदेश के सपने को साकार करने वाला है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पिछले वर्ष की तरह इस बार भी प्रदेश की जनता पर किसी प्रकार का नया कर बोझ नहीं डाला गया है।

मारुति सुज़ुकी (NEXA) ने आधिकारिक रूप से लॉन्च की नई इलेक्ट्रिक SUV e VITARA

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश की अग्रणी ऑटोमोबाइल कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने अपनी बहुप्रतीक्षित इलेक्ट्रिक एसयूवी 'e VITARA' को आधिकारिक रूप से लॉन्च कर दिया है। कंपनी की यह पहली मास-मार्केट इलेक्ट्रिक एसयूवी है, जिसे आधुनिक तकनीक, दमदार बैटरी पैक और आकर्षक डिजाइन के साथ पेश किया गया है।

मारुति सुजुकी की e VITARA को नए इलेक्ट्रिक प्लेटफॉर्म पर विकसित किया गया है। इसमें हाई-परफॉर्मेंस बैटरी पैक दिया गया है, जो सिंगल चार्ज में लंबी ड्राइविंग रेंज प्रदान करने का दावा करता है। कंपनी के अनुसार, यह एसयूवी तेज चार्जिंग सपोर्ट के साथ आएगी, जिससे कम समय में बैटरी को चार्ज किया जा सकेगा।

डिजाइन की बात करें तो e VITARA में फ्यूचरिस्टिक लुक, शार्प एलईडी हेडलैम्प्स, नया ग्रिल डिजाइन और एयरोडायनामिक बॉडी स्टाइल दिया गया है। इंटीरियर में बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, कनेक्टेड कार फीचर्स और एडवांस्ड सेफ्टी टेक्नोलॉजी शामिल की गई है।

सुरक्षा के लिहाज से इस इलेक्ट्रिक एसयूवी में मल्टीपल एयरबैग्स, एबीएस, ईएसपी और एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम जैसे फीचर्स दिए गए हैं। कंपनी का कहना है कि e VITARA भारतीय ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकसित की गई है और यह पर्यावरण के अनुकूल मोबिलिटी की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मारुति सुजुकी को उम्मीद है कि e VITARA इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में कंपनी की मजबूत उपस्थिति स्थापित करेगी और भारतीय बाजार में ईवी अपनाने की रफ्तार को और बढ़ाएगी।

जावद की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरा बजटः विधायक ओमप्रकाश

सकलेचा की मैराथन मेहनत लाई रंग, क्षेत्र को मिली रिकॉर्ड 12 सड़कों और शिक्षा की सौगात

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजनीति में जब जनहित सर्वोपरि हो और जनप्रतिनिधि की इच्छाशक्ति मजबूत हो, तो विकास के नए आयाम स्थापित होते हैं। मध्य प्रदेश सरकार के नवीन बजट में जावद विधानसभा को मिली ऐतिहासिक सौगातें इसी बात का प्रमाण हैं। क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री ओमप्रकाश सकलेचा द्वारा बजट सत्र से महीनों पूर्व शुरू की गई तैयारियों और शासन स्तर पर की गई सतत पैरवी (मेहनत) का ही परिणाम है कि जावद विधानसभा को जिले में सर्वाधिक 12 नई सड़कों की स्वीकृति मिली है।

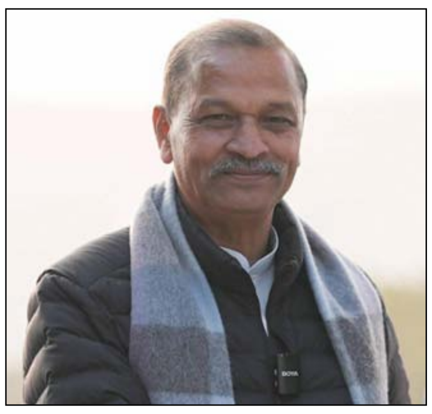

जनता की मांग बनी विधायक का संकल्प- विधायक श्री सकलेचा ने पिछले कई महीनों से क्षेत्र के ग्रामीण और शहरी इलाकों का दौरा कर जनता की नब्ज टटोली थी। जहाँ-जहाँ ग्रामीणों ने सड़क और शिक्षा की समस्याएं बताईं, विधायक ने उन्हें अपनी प्राथमिकता सूची में शामिल किया। भोपाल में मुख्यमंत्री और विभागीय मंत्रियों के समक्ष जावद की जनता का पक्ष मजबूती से रखने का नतीजा यह हुआ कि आज क्षेत्र को 125 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात मिली है।

कनेक्टिविटीः जनता के सफर को सुहाना बनाने की तैयारी- क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए विधायक ने काटुंदा मोड़ से माखनगंज (55 करोड़) और मोरवन से मनासा (50 करोड़) जैसे बड़े प्रोजेक्ट स्वीकृत कराए हैं। ये सड़कें केवल डामर की लकीरें नहीं, बल्कि क्षेत्र के किसानों, व्यापारियों और आम जनता के लिए आर्थिक तरक्की की लाइफलाइन साबित होंगी। इसके अलावा सुदूर अंचलों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए खोर-हनुमंतिया, कनेरा घाट और कदवासा जैसे मार्गों की स्वीकृति से ग्रामीणों का जीवन आसान होगा।

बच्चों के भविष्य की चिंताः स्कूलों में अब होगी स्मार्ट पढ़ाई- विधायक श्री सकलेचा ने सिर्फ सड़कों की ही नहीं, बल्कि क्षेत्र के नौनिहालों के भविष्य की भी चिंता की। उनकी पहल पर बजट में शिक्षा के लिए 1 करोड़ रुपये मंजूर हुए हैं। अब शासकीय स्कूल लालपुरा और आलोरी के बच्चे भी स्मार्ट क्लास (इंटरैक्टिव पैनल) के जरिए आधुनिक तकनीक से पढ़ाई कर सकेंगे। यह ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को शहरी स्तर की सुविधाएं देने की दिशा में विधायक का एक बड़ा कदम है।

विधायक का संदेश- यह बजट मेरे परिवार रूपी जावद की जनता की जीत है। बजट से पहले मैंने क्षेत्र की हर छोटी-बड़ी मांग को सरकार के सामने रखने के लिए जो मैराथन प्रयास किए थे, आज उन्हें सफल होते देख मन को संतोष है। 12 सड़कों की स्वीकृति और शिक्षा के लिए बजट मिलना बताता है कि हमारी सरकार जनता के सुख-दुख में उनके साथ खड़ी है। मेरा प्रयास यही है कि जावद का हर नागरिक विकास की मुख्यधारा से जुड़े और उनका जीवन स्तर बेहतर हो।÷ – ओमप्रकाश सकलेचा, विधायक, जावद

जनता को मिली ये प्रमुख सौगातें (एक नजर में)

सबसे बड़ी राहतः काटुंदा मोड़ - माखनगंज मार्ग (21.5 किमी) - ?55 करोड़

दूसरी बड़ी उपलब्धिः मोरवन - मनासा मार्ग (23 किमी) - ?50 करोड़

ग्रामीण संपर्क खोर - हनुमंतिया ङ्क अठाना मार्ग -6 करोड़

अन्य महत्वपूर्ण सड़केंः हनुमान चौराहा-कनेरा घाट, कदवासा पहुंच मार्ग, झांतलाङ्कगोविंदपुर, डिकेनङ्कगुढ़ाहोला, थड़ोद, जावदङ्कसेगवा आदि।

शिक्षाः 1 करोड़ रुपये (भवन निर्माण एवं हाईटेक स्मार्ट क्लास हेतु)।

सुवासरा में रिश्वतखोर पटवारी को लोकायुक्त ने दबोचा

नामांतरण के लिए 30 हजार की ले रहा था घुस, सुवासरा में नामांतरण प्रकरणों की जांच जरूरी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुवासरा शहर में रिश्वतखोर पटवारी को लोकायुक्त ने दबोचा है। हरीश पाटीदार पटवारी है, जो नामांतरण के लिए 30 हजार रुपए भ्रष्टाचार के रूप में ले रहा था। इस तरह, अब सुवासरा में नामांतरण प्रकरणों की जांच जरूरी दिखती है। सुवासरा नगर में लोकायुक्त की संभवत राजस्व विभाग में तीसरी कार्रवाई है, पिछले कई वर्षों से क्षेत्रवासी ने राजस्व विभाग के द्वारा की जा रही लूटमार की शिकायत स्थानीय नेता को कई बार की। लेकिन, हर बार जवाब सबूत लाओ, सबूत लाओ होता था। बुधवार को लोकायुक्त ने जनता और नेताओं के सामने कार्रवाई कर दी है। इस कार्यवाही से समझा जा सकता है कि विधानसभा में भ्रष्टाचार चरम पर है।

पुलिस महानिदेशक महोदय लोकायुक्त भोपाल मध्य प्रदेश के भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्यवाही के निर्देश एवं पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त उज्जैन के मार्गदर्शन में उज्जैन लोकायुक्त दल द्वारा रिश्वतखोर पटवारी को ट्रैप कर रंगे हाथों पकड़ा गया। जानकारी के अनुसार दिनाँक 16/02/26 को आवेदक दिनेश चंद्र जोशी निवासी ग्राम धलपत तहसील सुवासरा जिला मंदसौर द्वारा पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त उज्जैन को शिकायत की थी कि उसके बड़े भाई स्व भगवती प्रसाद को कोई संतान नहीं थी, उन्होंने उसके लड़के आनंद जोशी को गोद लेकर दत्तक पुत्र बनाया था। भाई भगवती प्रसाद के नाम पर दर्ज कृषि भूमि का नामांतरण उनके दत्तक पुत्र आनन्द के नाम से करवाने के कार्य के लिए वह हल्का पटवारी हरीश पाटीदार से मिला तो पटवारी ने नामांतरण कार्य हेतु 40 हजार रुपये रिश्वत की मांग की है। आवेदक की शिकायत की तस्दीक कर उज्जैन लोकायुक्त दल द्वारा ट्रैप आयोजित किया गया व दिनांक 18/2/26 को आवेदक से 30 हजार की रिश्वत लेते हुए पटवारी हरीश पाटीदार को तहसील कार्यालय सुवासरा में रंगे पकड़ा गया। पटवारी द्वारा 10 हजार रुपये आवेदक से शिकायत दिनांक को ले लिए थे। लोकायुक्त दल में निरीक्षक राजेंद्र वर्मा, आरक्षक उमेश जाटव, आरक्षक विशाल रेशमिया, आरक्षक नेहा मिश्रा, आरक्षक हितश ललावत,आरक्षक इसरार शामिल रहे।

किसान, मजदूर, व्यापारी, सर्वहारा वर्ग विरोधी होकर जनता से विश्वासघात वाला बजट है- परशुराम सिसोदिया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश सरकार के बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश कांग्रेस सचिव परशुराम सिसोदिया ने कहा कि वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने आज जो बजट पेश किया है उसमें सिर्फ बातों के बताशे बनाए गए हैं और जनहित का मुद्दा पूरी तरह सफाचट है। विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश की जनता से वादा किया था कि किसानों को गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2700 रुपया प्रति क्विंटल देंगे,लाड़ली बहन योजना में महिलाओं को प्रति महीने 3 हज़ार रुपया देंगे। घरेलू गैस सिलेंडर 450 रुपये में देंगे। इन घोषणाओं को बजट में कोई स्थान नहीं दिया और स्पष्ट कर दिया है कि यह सरकार जनविरोधी है, जनता से विश्वासघात करने वाली है और वादा-खिलाफी इसका स्वभाव है। इस बजट से मध्य प्रदेश की जनता को भारी निराशा हुई है। इसके अलावा वित्त मंत्री ने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि पिछले बजट में जो घोषणाएं की गई थीं, उनको पूरा क्यों नहीं किया गया। सिसोदिया ने आरोप लगाते हुए कहा कि वित्त मंत्री जी मंदसौर जिले के मल्हारगढ़ विधानसभा से प्रतिनिधत्व करते है जिले सहित मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र में किसानों, गरीबों, व्यापारियों के लिए किसी भी प्रकार की कोई बड़ी योजना का उल्लेख बजट में नहीं किया गया है।

चंबल के तट पर संपादक संघ ने मनाया नववर्ष मिलन समारोह, जांबाज गोताखोरों और समाजसेवियों का हुआ सम्मान

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साहस, सेवा और समर्पण के संगम के साथ आज संपादक संघ मंदसौर का नववर्ष मिलन समारोह सुवासरा तहसील के ग्राम बसई (मिडवे स्ट्रीट) में चंबल नदी के मनोरम तट पर संपन्न हुआ। इस गरिमामयी आयोजन में जिले भर के पत्रकारों ने एकजुटता का परिचय दिया, वहीं समाज के असली नायकों को सम्मानित कर कार्यक्रम को यादगार बनाया गया।

इस मिलन समारोह में संजीत, पिपलियामंडी, मल्हारगढ़, दलोदा, सीतामऊ, लदुना, बाजखेड़ी, सुवासरा, शामगढ़ और चंदवासा सहित जिले के विभिन्न अंचलों से आए पत्रकारों ने शिरकत की। संपादक संघ के जिलाध्यक्ष अनिल जोशी के नेतृत्व में उपस्थित सभी कलमकारों का आत्मीय अभिनंदन और सम्मान किया गया। वक्ताओं ने पत्रकारिता के मूल्यों और आपसी समन्वय पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का सबसे भावुक और गौरवशाली क्षण वह था जब चंबल नदी में अपनी जान जोखिम में डालकर दूसरों की रक्षा करने वाले मच्छीरक्षक भोई समाज के गोताखोरों का सम्मान किया गया। उनकी बहादुरी की प्रशंसा करते हुए अतिथि जगदीश कोठारी द्वारा गोताखोर समिति को 5100 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। सीतामऊ एसडीओपी दिनेश प्रजापति ने गोताखोरों के जज्बे को सलाम करते हुए उनकी निस्वार्थ सेवा की सराहना की।

समारोह में केवल पत्रकारिता ही नहीं, बल्कि सेवा के क्षेत्र में सक्रिय संस्थाओं को भी मंच प्रदान किया गया। रक्त की कमी को दूर करने के लिए निरंतर कार्य कर रही साँवरा ग्रुप शामगढ़ का अतिथियों द्वारा विशेष सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में जिले की प्रमुख राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें श्रीमती दुर्गा पाटीदार (जिला पंचायत अध्यक्षा मंदसौर), श्रीमती कविता यादव (नगर पालिका अध्यक्ष, शामगढ़), दिलीप सिंह मंडलोई (मण्डल भाजपा अध्यक्ष, सुवासरा), बलवंत सिंह पंवार (पूर्व मण्डल अध्यक्ष), दिनेश सूर्यवंशी (बीजेपी अजा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष), दरबार सिंह (सरपंच संघ जिलाध्यक्ष) रहे। अतिथियों ने अपने संबोधन में संपादक संघ के इस रचनात्मक प्रयास की सराहना की और कहा कि समाज और प्रशासन के बीच सेतु का कार्य करने वाले पत्रकारों का यह मिलन समारोह मील का पत्थर साबित होगा। इस पूरे आयोजन के मुख्य सूत्रधार बसई के युवा पत्रकार किशोर मलेया एवं श्याम अटेला रहे, जिनके कुशल प्रबंधन की सभी ने प्रशंसा की। कार्यक्रम का शानदार संचालन विक्रम सिसोदिया द्वारा किया गया। अंत में अतिथियों और आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन सुरुचिपूर्ण भोज के साथ हुआ। उल्लेखनीय यह भी की संपादक संघ का यह आयोजन केवल एक मिलन समारोह नहीं, बल्कि ग्रामीण पत्रकारों के हाथों को मजबूती देने का प्रयास है जो समाज की रक्षा और सेवा में जुटे हैं।

संरक्षित वन्यजीवों के अंगों की तस्करी करते दो आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक अभिरक्षा में भेजा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वन संरक्षक, उज्जैन वन वृत्त तथा वनमण्डलाधिकारी, मंदसौर के मार्गदर्शन एवं उप वनमंडलाधिकारी, गरोठ तथा वन परिक्षेत्राधिकारी, मंदसौर के निर्देशन में वनमंडल मंदसौर अंतर्गत वन अपराध प्रकरण क्रमांक 3832/14 में वन विभाग द्वारा वन्यजीव तस्करी के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। दिनांक 15 फरवरी 2026 को बीट बरदल क्षेत्र में रेवास देवड़ा धुंधलेश्वर महादेव शिवरात्रि मेले के दौरान वन विभाग की टीम ने दबिश देकर संरक्षित प्रजाति के वन्यजीवों के अवशेष बरामद किए। जब्ती में मॉनिटर लिजार्ड (गोह) के अंग (हत्थाजोड़ी), हेजहॉग (साही प्रजाति) तथा अन्य वन्यजीवों के अवशेष एवं अंग शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान उक्त अवैध कृत्य में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल भी जप्त की गई हैं। संबंधित प्रजातियां वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के अंतर्गत संरक्षित श्रेणी में आती हैं। इनके अवैध शिकार एवं तस्करी पर 3 से 7 वर्ष तक का कारावास तथा न्यूनतम 25,000 के दंड का प्रावधान है। गिरफ्तार आरोपी में सरमन पिता अमरसिंह पारदी, उम्र 57 वर्ष, निवासी अरनिया निजामुद्दीन, जिला मंदसौर एवं जुगतारसिंह पिता केमसिंह पारदी, उम्र 39 वर्ष, निवासी डिगांव खुर्द (हाल मुकाम अरनिया निजामुद्दीन), जिला मंदसौर है। दोनों आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां माननीय न्यायिक दंडाधिकारी महोदय, प्रथम श्रेणी न्यायालय मंदसौर द्वारा उन्हें दिनांक 28 फरवरी तक न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। प्रकरण में अनुसंधान जारी है। उक्त कार्रवाई में सोनू नागदा (स्टेनो), पुष्कर मालवीय (कार्यवाहक उप वनक्षेत्रपाल), नरेंद्र मालवीय (वनरक्षक), जितेंद्र पंवार (वनरक्षक) एवं मयूरराज सिंह चौहान (वनरक्षक), किरणसिंह राठौड़ (वनरक्षक) का सराहनीय योगदान रहा।

होली गेर के दौरान नहीं होगा डीजे का प्रयोग, सदस्यों ने लिया सामूहिक निर्णय

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर अदिती गर्ग एवं पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक पुलिस कंट्रोल रूम सभागार में आयोजित की गई। बैठक में आगामी पर्वों–नाहर सैय्यद राष्ट्रीय एकता मेला, होलिका दहन, धुलेंडी, गुड फ्रायडे, रंग पंचमी, शीतला सप्तमी, गुड़ी पड़वा/चैत्र नवरात्रि, चैती चाँद, ईद-उल-फीतर, रामनवमी, महावीर जयंति एवं हनुमान जयंति–के दौरान कानून-व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने पर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि सभी नागरिक आगामी पर्व शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं हर्षोल्लास के साथ मनाए। कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने ध्वनि प्रदूषण पर पूर्ण नियंत्रण रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंध रहेगा तथा डीजे के उपयोग पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। प्रतिबंध के बावजूद डीजे बजाने पर कठोर कार्रवाई होगी। किसी भी स्थान पर डीजे बजने की सूचना तत्काल पुलिस कंट्रोल पर दे। डीजे पर तुरंत कार्यवाही की जाएगी। शांति समिति के सदस्यों ने सामूहिक निर्णय लिया कि होली के दौरान आयोजित होने वाली गैर में किसी प्रकार के डीजे का प्रयोग नहीं किया जाएगा तथा समाज के अन्य सदस्यों को भी इसके लिए प्रेरित किया जाएगा। सभी पर्व सामूहिक रूप से एवं संयम के साथ मनाने की अपील की गई। सभी समाजजनों से होलिका दहन में हरे पौधों को न काटने तथा सूखी लकड़ी एवं गोबर के कंडों का उपयोग करने की अपील की गई। साथ ही आयोजनों में वालंटियर तैनात करने, शराब पीकर वाहन न चलाने एवं सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरें न फैलाने की चेतावनी दी गई। भ्रामक खबर फैलाने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

लंबी छुट्टी पर भेजे गए पीके सुमन ने आखिकार सीएमओ पद संभाला

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लंबी छुट्टी पर भेजे गए पीके सुमन ने आखिकार नगर पालिका मंदसौर के सीएमओ का पद संभाल लिया है। सीएमओ प्रेम कुमार सुमन ने बुधवार को कार्यभार ग्रहण किया है। सुमन के कार्यभार ग्रहण करते समय नगर पालिका के अधिकारीगणों, कर्मचारीगणों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेटकर स्वागत किया। बता दें कि सुमन पूर्व में भी मंदसौर नगर पालिका के सीएमओ पद पर कार्य कर चुके हैं। कार्यभार संभालने के पूर्व सीएमओ पीके सुमन ने नपाध्यगक्ष रमादेवी गुर्जर से भी उनके कक्ष में पहुंचकर चर्चा की।

जिला पंचायत सीईओ श्री वैष्णव ने ली किसान उत्पादक संगठनों की बैठक

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत नीमच की अध्यक्षता में जिले में कार्यरत विभिन्न किसान उत्पादक संगठनों (स्नक्क्ह%ह्य) की बैठक का आयोजन जिला पंचायत सभाकक्ष में किया गया, जिसमें कृषि विभाग अंतर्गत 16 किसान उत्पादक संगठनों (स्नक्क्ह%ह्य) तथा वाटरशेड द्वारा संचालित 03 किसान उत्पादक संगठनों ने भाग लिया।

समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत नीमच द्वारा किसान उत्पादक संगठनों (स्नक्क्ह%ह्य)के उन्नयन हेतु एक क्षेत्र में केंद्रीत न रहकर विविध क्षेत्रों जैसे प्रोसेसिंग, पेकेजिंग, यंत्रीकरण, साइलेज मेकिंग जैसे क्षेत्रों में कार्य करने की आवश्यकता के बारे में विस्तार से समझाया गया। साथ ही कृषि तथा संबद्ध सभी विभागों को अपनी विभागीय योजनाओं में किसान उत्पादक संगठनों के सदस्यों को लाभांवित करने हेतु विशेष रूचि लेने हेतु निर्देशित किया। समीक्षा बैठक में उप संचालक कृषि, उप संचालक, पशु चिकित्सा सेवायें, सहायक संचालक, मतस्य, सचिव, कृषि उपज मंडी, वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

युवा संगम रोजगार मेला 25 फरवरी को नीमच में

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग द्वारा युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने के लिए युवा संगम - रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला, नीमच 25 फरवरी 2026 बुधवार को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई.टी.आई.), नीमच, जिला नीमच में प्रातः 10ः00 बजे से दोपहर 1ः30 बजे तक आयोजित किया जा रहा हैं। उक्त युवा संगम में निजी क्षेत्र की विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा अलग-अलग पदों पर भर्ती की जाएगी। इस हेतु शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा, किसी भी विषय में स्नातक निर्धारित की गई है। अभ्यर्थियों के लिए आयु सीमा लगभग 18 से 35 वर्ष रखी गई हैं। इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने साथ शैक्षणिक योग्यता से संबंधित समस्त दस्तावेज, रोजगार पंजीयन कार्ड, नवीनतम पासपोर्ट साइज फोटो एवं अन्य आवश्यक प्रमाण-पत्रों की मूल प्रति एवं छायाप्रति साथ लाना अनिवार्य होगा। मेले में भर्ती प्रक्रिया पूर्णतः निःशुल्क हैं।

व्यापारियों और उद्योगों के लिए कोई योजना नहीं-निर्विकार रातडिया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कांग्रेस उद्योग एवं व्यापार प्रकोष्ठ मंदसौर के अध्यक्ष निर्विकार रातडिया ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि इस बजट में व्यापारियों और उद्योगों के लिए कोई योजना नहीं है। मंदसौर में उद्योगों का संकट है श्रमिक लगातार बेरोजगार होते जा रहे है। इस बजट में प्रदेश के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने अपने गृह क्षेत्र का भी ध्यान नहीं रखा है। मंदसौर में उद्योग लगातार बंद हो रहे है नये उद्योग लगे इसके लिए कोई बडी ठोस योजना सरकार द्वारा नहीं बनाई जा रही है। इस बजट से आमजन को उम्मीदें थी लेकिन हर बार की तरह इस बार भी प्रदेश की भाजपा सरकार ने निराश ही किया है। कर्जा लेकर सरकार अपना काम चला रही है। कर्ज लेकर किया गया कार्य कभी विकास नहीं माना जा सकता लेकिन प्रदेश सरकार लगातार बड़ा कर्ज लेने से हिचक नहीं रही है। कुल मिलाकर प्रदेश सरकार के बजट में कुछ नया नहीं है। सरकारी नौकरियों की घोषणा सरकार करती जरूर है लेकिन उन पर भर्तीयां समय सीमा में नहीं कि जाती है जितनी सीटे निकाली जाती है उतनी भी भरी नहीं जाती हर बार सरकारी नौकरियों के नाम पर प्रदेश सरकार प्रदेश के युवाओं के साथ धोखा करती है। यह सरकार जनविरोधी है। जनता से विश्वासघात करने वाली है। वादा-खिलाफी इसका स्वभाव है। इस बजट से मध्य प्रदेश की जनता को भारी निराशा हुई है।

हमारी आंगनवाडी पोषण भी पढाई भी के तहत जिले की 66 आंगनवाडी केंद्रों के बच्चों के लिए विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संकल्प से समाधान अभियान के तहत जिले में नवाचार, हमारी आंगनवाडी पोषण भी पढाई भी के तहत चिंहित 66 हॉट स्पॉट आंगनवाडी केंद्रों में महिला एवं बाल विकास स्वास्थ्य विभाग उद्यानिकी विभाग तथा (एन.आर.एल.एम.) के समन्वय से स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे है। शिविर में आंगनवाडी केंद्रों के बच्चों का किया जावेगा। सेक्टर में आने वाली आंगनवाडी केंद्रों पर जन्मजात विकृति वाले बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण चिंहाकन व उपचार कर, स्वास्थ्य विभाग को रेफर करने, सैम एवं मैम बच्चों का चिंहाकन, पोषण प्रबंधन, पूर्व चिंहित बच्चों व नवीन चिंहित बच्चों पोषण पुर्नवास केंद्र में भर्ती करवाने, परिवार की आर्थिक स्थिति का आंकलन एवं आगामी कार्ययोजना तैयार करने तथा साप्ताहिक फॉलोअप संबंधी कार्य किए जाएगे।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में जिले के सिंगोली में आंगनवाडी केंद्र वार्ड नं.15, वार्ड क्रं. 3, धोगवां, बहोडा के लिए 23 फरवरी 2026 को विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे है। इसी तरह 24 फरवरी को रतनगढ़ में आंगनवाडी केंद्र बोरदिया, मानपुरा, धानकाजार, डूंगरपुर के लिए एवं 23 फरवरी को रामपुरा में केंद्र क्रमांक 3 रामपुरा, पिपलिया पठार आंगनवाडी केंद्र के बच्चों के लिए शिविर आयोजित किए जा रहे है। 24 फरवरी को चंद्रपुरा में आंगनवाडी केंद्र बारवडिया, भीमपुरा, सालरामाला के बच्चों के लिए शिविर आयोजित किए जा रहे है। 25 फरवरी को कुकडेश्वर में कुकडेश्वर के केंद्र क्रमांक 1 एवं 7 के बच्चों के लिए, सरवानिया महाराज में 23 फरवरी को सरवानिया महाराज केंद्र क्रमांक 4 एवं खेडा बांगरेचा, आंगनवाडी केंद्र के बच्चों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

जिले के सेक्टर बावल में 24 फरवरी, मनासा में 23, 24, 25, 26 एवं 27 फरवरी, पड़दा में 25 फरवरी, कंजार्डा में 26 फरवरी, पालसोडा में 23 फरवरी, सावन में 24 एवं 25 फरवरी, लसुडी तंवर में 26 फरवरी, जीरन में 27 फरवरी, चडोली में 25 फरवरी एवं नीमच में 23 से 27 फरवरी तक हॉट स्पॉट पंचायतों एवं वार्डो में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

जिले में शांति एवं सदभाव के साथ त्यौहार मनाने की परम्परा हमेशा कायम रहे- श्री चंद्रा

परीक्षाओं के मददेनजर निर्धारित सीमा से अधिक ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा– एस.पी.

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी होली, रंग पंचमी एवं रंग तेरस पर सूखे अच्छे किस्म के रंगो से होली खेले, जबरन किसी पर रंग ना डाले। होलिका दहन के लिए हरे पेड़ नहीं काटे। बिजली के तारों के नीचे होलिका दहन ना करें। पानी के अपव्यय को रोके। ऑखों एवं शारीरिक क्षति पहुंचाने वाले रंगों का उपयोग ना करें। यह अपील सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल ने जिलेवासियों से की है। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने शांति समिति के सदस्यों को आगामी त्यौहारों पर चाक-चौबंद व्यवस्था का भरोसा दिलाया।

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल, अपर कलेक्टर श्री बी.एस.कलेश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री एन.एस.सिसोदिया, एसडीएम संजीव साहू, सभी एसडीओपी, सहित अन्य जिला अधिकारी एवं शांति समिति सदस्यगण उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने कहा, कि त्यौहारों पर जिले में शांति व सौहार्द्र की परम्परा कायम रही है और इसे हमेशा कायम रखना हम सभी का दायित्व भी है। शांति समिति सदस्य, शांति व्यवस्था बनाये रखने में बडा योगदान देते हैं। कलेक्टर ने त्यौहारों पर आयोजकों से स्वयं सेवक तैनात कर, उनकी सूची एसडीएम एवं पुलिस थानों को देने की बात कही, जिससे कि व्यवस्था बनाये रखने में मदद मिल सके। नगरपालिका अधिकारी को निर्देश दिए, कि होलिका दहन एवं धुलेंडी के दिन गैर निकलने के उपरांत शहर में विभिन्न स्थानों पर तत्काल सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा, कि परीक्षाओं को दृष्टिगत रख ध्वनि विस्तारक यंत्रों का सीमित उपयोग किया जाए। उन्होने कहा, कि अस्पतालों की 200 मीटर की परिधि में किसी भी प्रकार का आयोजन करने की अनुमति नहीं रहेगी।

बैठक में कलेक्टर ने नगरपालिका एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों को होलीका दहन वाले स्थानो का संयुक्त भ्रमण कर, आवश्यकतानुसार कार्यवाही के निर्देश दिए। नगरपालिका को सडकों के गढ्ढों की भराई करवाने, पर्याप्त पेयजल, प्रकाश एवं साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने, विद्युत विभाग को विद्युत तार को दुरूस्त करने के निर्देश दिए गए है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को त्यौहार के दौरान जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर इमरजेन्सी चिकित्सा व्यवस्था के निर्देश दिये गये।

पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल ने कहा, कि उक्त त्यौहारों पर पुलिस की माकुल व्यवस्था रहेगी। आयोजक जुलूस, गैर रैली, जलसों आदि की पूर्व सूचना प्रशासन को देकर, अनुमति अवश्य प्राप्त करें। बडे जुलूस, जलसों के लिए आयोजक अपने स्तर से वालेंटियर की व्यवस्था कर, उनकी सूची भी पुलिस को उपलब्ध करवाएं और सुनिश्चित करें, कि वालिंटियर आयोजन स्थल पर उपस्थित रहकर व्यवस्था में सहयोग करें। बैठक में समिति सदस्य सर्वश्री हेमंत हरित, राजकुमार अहीर, संजय पंवार, बाबूलाल नागदा, इकबाल कुरैशी, दर्शनसिह गांधी, हारून रशीद, जम्बु कुमार जैन, हरगोविंद दीवान, रंजन स्वामी, मुकेश पोरवाल, श्रीमती आशा सांभर, साबीर मसूदी, बृजेश सक्सेना आदि उपस्थित समिति सदस्यों ने भी अपने महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए, सामाजिक समरसता के साथ सभी त्यौहार मनाने में अपना योगदान देने व प्रशासन को हर-संभव सहयोग करने का विश्वास दिलाया।

जिला पंचायत सीईओ श्री वैष्णव ने ली किसान उत्पादक संगठनों की बैठक

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत नीमच की अध्यक्षता में जिले में कार्यरत विभिन्न किसान उत्पादक संगठनों की बैठक का आयोजन जिला पंचायत सभाकक्ष में किया गया, जिसमें कृषि विभाग अंतर्गत 16 किसान उत्पादक संगठनों तथा वाटरशेड द्वारा संचालित 03 किसान उत्पादक संगठनों ने भाग लिया। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत नीमच द्वारा किसान उत्पादक संगठनों के उन्नयन हेतु एक क्षेत्र में केंद्रीत न रहकर विविध क्षेत्रों जैसे प्रोसेसिंग, पेकेजिंग, यंत्रीकरण, साइलेज मेकिंग जैसे क्षेत्रों में कार्य करने की आवश्यकता के बारे में विस्तार से समझाया गया। साथ ही कृषि तथा संबद्ध सभी विभागों को अपनी विभागीय योजनाओं में किसान उत्पादक संगठनों के सदस्यों को लाभांवित करने हेतु विशेष रूचि लेने हेतु निर्देशित किया। समीक्षा बैठक में उप संचालक कृषि, उप संचालक, पशु चिकित्सा सेवायें, सहायक संचालक, मतस्य, सचिव, कृषि उपज मंडी, वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। अंत में आभार उप संचालक कृषि, नीमच श्री पी.सी. पटेल ने माना।

सम्पादकीय

एग्जाम स्ट्रेस से सफलता तकः परीक्षा फोबिया को हराने के आसान उपाय

इन दिनों हमारे देश में परीक्षाओं का दौर चल रहा है और ऐसे समय में बच्चे अक्सर तनाव, अवसाद और डर(एक्जाम फोबिया) का अनुभव करते हैं। परीक्षा को लेकर उनके मन में अनेक प्रश्न उठते हैं-क्या होगा, कैसे होगा, कितने अंक आएंगे, माता-पिता क्या कहेंगे, शिक्षक या पड़ोसी क्या सोचेंगे आदि। लेकिन यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि परीक्षा जीवन की अंतिम कसौटी नहीं है। प्रतिस्पर्धा अपने स्थान पर उचित है, परंतु प्रत्येक बच्चे में व्यक्तिगत भिन्नता होती है। सभी की क्षमताएँ और प्रतिभाएँ अलग-अलग होती हैं, इसलिए तुलना करना कभी भी उचित नहीं होता,यह हमें(माता-पिता , अभिभावकों व शिक्षकों को) समझना चाहिए। किसी में एक गुण होता है तो किसी में दूसरा, इसलिए तुलना के बजाय प्रोत्साहन अधिक आवश्यक है।

बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि परीक्षा का मौसम आते ही घरों का वातावरण भी बदल जाता है। बोर्ड परीक्षाएँ हों या प्रवेश परीक्षाएँ, लाखों छात्र उम्मीदों और दबाव के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करते हैं। ऐसे में केवल अधिक पढ़ाई ही नहीं, बल्कि सही तरीके से पढ़ाई करना भी जरूरी है, जिसमें शरीर, मन और भावनाओं का संतुलन बना रहे। याद रखिए कि परीक्षा के तनाव से निपटने की शुरुआत शरीर से होती है। कई छात्र देर रात तक जागना या भोजन छोड़ना मेहनत समझ लेते हैं, जबकि पर्याप्त नींद, संतुलित आहार और नियमित व्यायाम ही एकाग्रता तथा स्मरण शक्ति की वास्तविक नींव हैं। पौष्टिक भोजन मस्तिष्क को ऊर्जा देता है और अच्छी नींद पढ़ी हुई जानकारी तथा मुख्य बिंदुओं को याद रखने में सहायक होती है। बड़े पाठ्यक्रम को छोटे-छोटे लक्ष्यों में बाँटना और पढ़ाई के बीच थोड़े विश्राम लेना भी तनाव को कम करता है।

भारतीय परंपरा भी मानसिक संतुलन का महत्व बताती है। योग, प्राणायाम और ध्यान(मेडिटेशन) जैसे सरल अभ्यास तनाव के समय राहत प्रदान कर सकते हैं। जब शरीर शांत होता है, तो मन भी शांत हो जाता है। प्रोग्रेसिव मसल रिलैक्सेशन शरीर में जमा तनाव(स्ट्रेस) को कम करने में सहायक है, जबकि प्रतिदिन लगभग 10 मिनट का ध्यान मन को स्थिर और स्पष्ट बनाता है, जिससे छात्र घबराहट की बजाय आत्मविश्वास के साथ पढ़ाई कर पाते हैं।

यदि कक्षा का वातावरण ऐसा हो, जहाँ गलती को सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा माना जाए और रटने के बजाय समझ पर जोर दिया जाए, तो परीक्षा का भय काफी कम हो सकता है। इसके विपरीत, बार-बार तुलना और रैंकिंग तनाव बढ़ा देती है। जब शिक्षक यह संदेश देते हैं कि परीक्षा महत्वपूर्ण है, परंतु जीवन की अंतिम कसौटी नहीं, तो छात्रों में स्वस्थ व सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है।

घर का माहौल भी उतना ही प्रभाव डालता है। यदि माता-पिता केवल अंकों पर ध्यान देने के बजाय बच्चों के प्रयास, प्रगति और व्यक्तित्व विकास को महत्व दें, तो बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है। परीक्षा पहचान नहीं, बल्कि आगे बढ़ने की एक सीढ़ी है। जब छात्र स्वयं को केवल अंकों से नहीं, बल्कि अपनी बहुआयामी प्रतिभा से पहचानते हैं, तब वे इस चुनौतीपूर्ण दौर को संतुलन, साहस और गरिमा के साथ पार कर सकते हैं।

परीक्षा को कभी भी फोबिया नहीं बनाना चाहिए और जितना पढ़ा है, उसी पर सकारात्मक रहकर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। याद रखें कि मेहनत का कोई विकल्प नहीं है, जबकि शांत मन, संयम और धैर्य सबसे बड़े गुण हैं। सही खान-पान रखें, पर्याप्त नींद लें और सकारात्मक सोच बनाए रखें। माता-पिता, अभिभावकों व शिक्षकों को बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए तथा यह समझाना चाहिए कि परीक्षा कोई डरावनी चीज नहीं है। याद रखिए, असफलता हार नहीं होती, बल्कि एक सीख होती है, जो हमें और बेहतर करने के लिए प्रेरित करती है। मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है, इसलिए सबसे जरूरी है-स्वयं पर दृढ़ विश्वास रखना। निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि परीक्षा जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अवश्य है, लेकिन पूरी जिंदगी नहीं। सही तैयारी, संतुलित दिनचर्या, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास के साथ छात्र किसी भी परीक्षा का सामना सहजता से कर सकते हैं। माता-पिता और शिक्षकों का सहयोग, प्रोत्साहन और समझ बच्चों के परीक्षाई तनाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वास्तव में परीक्षा-भय किसी विषय की अज्ञानता से अधिक हमारी मानसिक स्थिति और असफलता के डर से उत्पन्न होता है। यह कोई स्थायी समस्या नहीं है; सही समय प्रबंधन, निरंतर अभ्यास और सकारात्मक सोच के माध्यम से इसे पूरी तरह दूर किया जा सकता है।

अक्सर छात्र परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न मान लेते हैं, जबकि यह केवल शैक्षणिक मूल्यांकन की एक सामान्य प्रक्रिया है। यदि विद्यार्थी अपनी तैयारी व्यवस्थित रखें और अभिभावक बच्चों की दूसरों से तुलना करना बंद कर दें, तो परीक्षा का बोझ एक रोमांचक चुनौती में बदल सकता है। अंततः, सफलता के लिए मानसिक शांति और स्वयं पर विश्वास उतना ही आवश्यक है, जितना कि पाठ्यक्रम का ज्ञान। इसलिए परीक्षा को डर नहीं, अवसर समझकर शांत मन से आगे बढ़ना ही सफलता का सही मार्ग है।

सहजयोग में निर्विचारिताः तनावमुक्त जीवन की ओर एक सहज मार्ग

आज के तेज़ रफ्तार और तनावपूर्ण जीवन में मानसिक शांति एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। ऐसे समय में सहजयोग ध्यान पद्धति लोगों को निर्विचार अवस्था का अनुभव कराकर आंतरिक संतुलन और शांति की दिशा में मार्गदर्शन दे रही है। सहजयोग एक अनोखी, सहज और स्वाभाविक ध्यान विधि है, जिसकी स्थापना 1970 में परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने की। इस पद्धति का मूल सिद्धांत कुंडलिनी जागरण है एक मातृ स्वरूप आध्यात्मिक शक्ति जो प्रत्येक मनुष्य के भीतर सुप्त रूप में विद्यमान रहती है। आत्मसाक्षात्कार की सरल प्रक्रिया द्वारा जब यह शक्ति जागृत होती है, तो यह मध्य नाड़ी से होकर ऊपर उठती है और सातों चक्रों को संतुलित करती है। इसका प्रभाव शरीर, मन और भावनाओं पर स्वाभाविक रूप से दिखाई देता है।

सहजयोग की विशेष पहचान निर्विचार चेतना (थॉटलेस अवेयरनेस) का अनुभव है। यह ऐसी अवस्था है जिसमें मन शांत हो जाता है, फिर भी व्यक्ति पूर्ण रूप से सजग और वर्तमान में स्थित रहता है। अन्य ध्यान विधियों के विपरीत, इसमें मन को नियंत्रित करने या विचारों को रोकने का प्रयास नहीं करना पड़ता। जागृत कुंडलिनी स्वयं विचारों के स्रोत को शुद्ध कर देती है, जिससे विचार स्वतः शांत हो जाते हैं।

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने कहा था, अब समय आ गया है कि आप सभी आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करें, जिससे आपका ध्यान प्रकाशित हो जाए, आपका स्वास्थ्य पूर्णतः ठीक हो जाए और आप वर्तमान में स्थित हो जाएँ। नियमित सहजयोग ध्यान से तनाव, चिंता और मानसिक अशांति में कमी आती है। इसके साथ ही एकाग्रता, भावनात्मक संतुलन और शारीरिक स्वास्थ्य में भी सुधार देखा गया है। ध्यान करने वाले लोग भीतर की शीतलता, शांति और सहज आनंद का अनुभव करते हैं।आज सहजयोग विश्व के 100 से अधिक देशों में निःशुल्क रूप से उपलब्ध है। यह किसी धर्म, संप्रदाय या विश्वास से जुड़ा नहीं है। किसी विशेष आसन, कठिन अभ्यास या अनुष्ठान की आवश्यकता नहीं होने के कारण यह सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए सरल और सुलभ है। सहजयोग यह संदेश देता है कि शांति और आनंद बाहर नहीं, बल्कि हमारे भीतर ही निहित हैं ज़रूरत है तो केवल उसे सहज रूप से जागृत करने की।

मीठे पानी का संकटः कमी नहीं, कुप्रबंधन

आज विश्व जिस सबसे गंभीर संसाधन संकट का सामना कर रहा है, उनमें मीठे जल का संकट अत्यंत गहन और बहुआयामी है। पृथ्वी पर उपलब्ध कुल जल का लगभग 97 प्रतिशत खारा है और केवल लगभग 3 प्रतिशत मीठा जल है, जिसमें से भी बहुत छोटा भाग ही मानव उपयोग के लिए सुलभ है। इसके बावजूद, आज विश्व की 2ङ्क3 अरब आबादी वर्ष के किसी न किसी समय जल संकट से जूझती है। यह संकट केवल जल की भौतिक कमी का नहीं, बल्कि जल की घटती उपलब्धता और समान व सुरक्षित पहुँच–दोनों का संयुक्त संकट है, जो पर्यावरणीय, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक आयामों को एक साथ प्रभावित करता है।

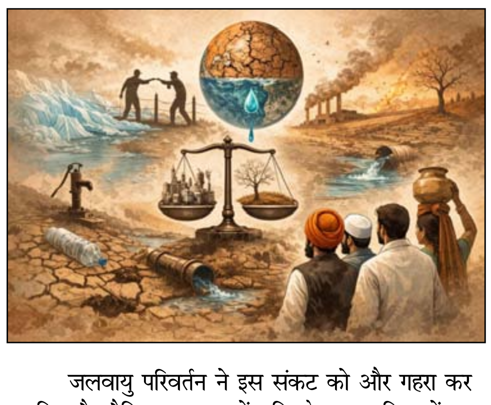

पिछले कुछ दशकों में मीठे जल की उपलब्धता में निरंतर गिरावट देखी गई है। इसका एक प्रमुख कारण भूजल का अत्यधिक दोहन है। कृषि, उद्योग और घरेलू उपयोग की बढ़ती माँग ने जलभृतों पर असहनीय दबाव डाला है। हरित क्रांति के बाद सिंचाई के लिए ट्यूबवेल और बोरवेल पर बढ़ती निर्भरता ने प्राकृतिक पुनर्भरण की क्षमता को पीछे छोड़ दिया है। भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में भूजल स्तर का तीव्र पतन भविष्य की जल सुरक्षा के लिए गंभीर चेतावनी है। कई क्षेत्रों में जलभृत स्थायी रूप से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए जल उपलब्धता और भी अनिश्चित हो गई है। जल स्रोतों का प्रदूषण मीठे जल संकट का दूसरा बड़ा कारण है। नदियों, झीलों और भूजल में बिना शोधन के छोड़ा गया घरेलू सीवेज, औद्योगिक अपशिष्ट, भारी धातुएँ और कृषि रसायन जल को अनुपयोगी बना रहे हैं। विकासशील देशों में यह समस्या और भी गंभीर है, जहाँ शोधन अवसंरचना का अभाव है। परिणामस्वरूप, कई स्थानों पर जल उपलब्ध होते हुए भी पीने योग्य नहीं रह जाता, जिससे स्वास्थ्य संकट उत्पन्न होता है और जल की प्रभावी उपलब्धता घट जाती है।

जलवायु परिवर्तन ने इस संकट को और गहरा कर दिया है। वैश्विक तापमान में वृद्धि के कारण हिमनदों का तीव्र पिघलना, वर्षा के पैटर्न में अनिश्चितता और सूखे-बाढ़ की बढ़ती आवृत्ति देखी जा रही है। हिमालय, आल्प्स और एंडीज़ जैसे क्षेत्रों में हिमनदों का सिकुड़ना दीर्घकाल में नदियों के प्रवाह को अस्थिर कर रहा है। अल्पकाल में यह बाढ़ का कारण बनता है, जबकि दीर्घकाल में स्थायी जल संकट को जन्म देता है। मानसूनी क्षेत्रों में अनियमित वर्षा ने जल भंडारण और कृषि योजना को भी चुनौतीपूर्ण बना दिया है।

इसके साथ ही, आर्द्रभूमियों और प्राकृतिक पुनर्भरण क्षेत्रों का तेजी से क्षरण हुआ है। शहरीकरण, अवैज्ञानिक भूमि उपयोग और रियल एस्टेट विकास ने झीलों, तालाबों, बाढ़ मैदानों और दलदलों को नष्ट कर दिया है। ये पारिस्थितिक तंत्र न केवल जल संग्रह और भूजल पुनर्भरण में सहायक होते हैं, बल्कि बाढ़ और सूखे के प्रभावों को भी संतुलित करते हैं। इनके विनाश से जल चक्र का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया है।

जनसंख्या वृद्धि और उपभोग के बदलते पैटर्न ने भी मीठे जल पर दबाव बढ़ाया है। शहरी जीवनशैली, जल-गहन उद्योग और भोजन की बदलती आदतें–विशेषकर मांसाहारी आहार–ने प्रति व्यक्ति जल पदचिह्न को बढ़ाया है। परिणामस्वरूप, जल की माँग प्राकृतिक पुनर्भरण क्षमता से कहीं अधिक हो गई है।

जहाँ एक ओर जल की उपलब्धता घट रही है, वहीं दूसरी ओर कई क्षेत्रों में जल उपलब्ध होते हुए भी लोगों की पहुँच उससे वंचित है। इसका प्रमुख कारण अपर्याप्त अवसंरचना है। कई देशों में जल संग्रहण, शोधन और वितरण की व्यवस्थाएँ कमजोर हैं। पुराने पाइपलाइन नेटवर्क, उच्च लीकेज और अपर्याप्त भंडारण के कारण बड़ी मात्रा में जल उपभोक्ताओं तक पहुँचने से पहले ही नष्ट हो जाता है। वर्ल्ड बैंक के अनुसार विकासशील देशों में शहरी जल का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा वितरण के दौरान ही नष्ट हो जाता है।

इसके अतिरिक्त, जल गुणवत्ता की समस्या भी पहुँच को सीमित करती है। जहाँ जल भौतिक रूप से उपलब्ध है, वहाँ भी प्रदूषण के कारण वह पीने योग्य नहीं रहता। दूषित जल से होने वाली बीमारियाँ आज भी कई देशों में सार्वजनिक स्वास्थ्य की बड़ी चुनौती हैं, जिससे गरीब और हाशियाकृत समुदाय सबसे अधिक प्रभावित होते हैं।

राजनीतिक और कानूनी बाधाएँ भी जल तक पहुँच को सीमित करती हैं। जल एक साझा संसाधन है, जिसके कारण अंतर-राज्यीय और अंतरराष्ट्रीय विवाद उत्पन्न होते हैं। नदियों के बँटवारे, संघीय ढाँचे में अधिकारों के टकराव और अंतरराष्ट्रीय नदी समझौतों की जटिलताओं के कारण कई बार जल-समृद्ध क्षेत्रों में भी समान पहुँच संभव नहीं हो पाती।

सामाजिक असमानता इस संकट का एक और महत्वपूर्ण पहलू है। जल संकट का सबसे बड़ा बोझ समाज के कमजोर वर्गों–ग्रामीण गरीबों, शहरी झुग्गी बस्तियों, महिलाओं और बच्चों–पर पड़ता है। कई स्थानों पर सामाजिक भेदभाव, गरीबी और वहन क्षमता की कमी के कारण सुरक्षित जल तक समान पहुँच नहीं मिल पाती, जिससे असमानता और गहरी हो जाती है।

कमजोर जल शासन भी समस्या को जटिल बनाता है। जल प्रबंधन से जुड़ी संस्थाओं में समन्वय की कमी, विश्वसनीय डेटा का अभाव और अल्पकालिक नीतियाँ दीर्घकालिक समाधान के मार्ग में बाधा बनती हैं। कई देशों में जल से जुड़े अधिकार और जिम्मेदारियाँ अनेक मंत्रालयों और एजेंसियों में बँटी होती हैं, जिससे एकीकृत और समग्र दृष्टिकोण विकसित नहीं हो पाता।

मौसमी असंतुलन भी जल पहुँच की समस्या को बढ़ाता है। मानसूनी क्षेत्रों में वर्षा कुछ महीनों तक अत्यधिक होती है, जबकि शेष वर्ष जल अभाव बना रहता है। अपर्याप्त भंडारण और प्रबंधन के कारण यह मौसमी जल स्थायी उपलब्धता में परिवर्तित नहीं हो पाता। चेन्नई और केप टाउन जैसे शहर इस विरोधाभास के प्रमुख उदाहरण हैं, जहाँ बाढ़ और सूखा एक ही वर्ष में देखने को मिलते हैं।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें लगातार चेतावनी देती रही हैं कि मीठे जल का संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक विकास, सामाजिक स्थिरता और वैश्विक शांति से भी गहराई से जुड़ा है। जल की कमी आज संघर्ष, प्रवासन और आजीविका संकट का एक उभरता कारण बन रही है।

अंततः, मीठे जल का संकट मानवता के सामने खड़ी सबसे बड़ी साझा चुनौतियों में से एक है। यह स्पष्ट है कि यह समस्या केवल प्राकृतिक सीमाओं की नहीं, बल्कि मानव निर्मित नीतिगत और प्रबंधन विफलताओं की भी है। यदि समय रहते सतत जल प्रबंधन, वर्षा जल संचयन, आर्द्रभूमि संरक्षण, समावेशी जल शासन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्राथमिकता दी जाए, तो इस संकट को अवसर में बदला जा सकता है। जल सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल पर्यावरण संरक्षण का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, आर्थिक विकास और आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों की रक्षा से जुड़ा अनिवार्य दायित्व है।

-डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय गणराज्य के महानायक छत्रपति वीर शिवाजी

भारत के वीर सपूतों में से एक श्रीमंत छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में सभी लोग जानते हैं। कुछ लोग इन्हें मराठा गौरव कहते हैं, जबकि वे भारतीय गणराज्य के महानायक थे। छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म सन् 19 फरवरी 1630 में मराठा परिवार में हुआ। कुछ लोग 1627 में उनका जन्म बताते हैं। उनका पूरा नाम शिवाजी भोंसले था। शिवाजी के पिता शाहजी थे और माता जीजाबाई के पुत्र थे। उनका जन्म पुणे के पास स्थित शिवनेरी का दुर्ग में हुआ था । राष्ट्र को विदेशी और आतताई राज्य-सत्ता से स्वाधीन करा सारे भारत में एक सार्वभौम स्वतंत्र शासन स्थापित करने का एक प्रयत्न स्वतंत्रता के अनन्य पुजारी वीर प्रवर शिवाजी महाराज ने भी किया था। इसी प्रकार उन्हें एक अग्रगण्य वीर एवं अमर स्वतंत्रता सेनानी स्वीकार किया जाता है। छत्रपति शिवाजी महाराज का विवाह सन् 14 मई 1640 में सइबाई निम्बालकर के साथ लाल महल, पुना में हुआ था। उनके पुत्र का नाम सम्भाजी था। सम्भाजी शिवाजी के ज्येष्ठ पुत्र और उत्तराधिकारी थे, जिसने 1680 से 1689 ई. तक राज्य किया। शम्भा जी में अपने पिता की कर्मठता और दृढ़ संकल्प का अभाव था। सम्भाजी की पत्नी का नाम येसुबाई था। उनके पुत्र और उत्तराधिकारी राजाराम थे। शिवाजी के बढ़ते प्रताप से आतंकित बीजापुर के शासक आदिलशाह जब शिवाजी को बंदी नहीं बना सके तो उन्होंने शिवाजी के पिता शाहजी को गिरफ्तार किया। पता चलने पर शिवाजी आगबबूला हो गए। उन्होंने नीति और साहस का सहारा लेकर छापामारी कर जल्द ही अपने पिता को इस कैद से आजाद कराया। तब बीजापुर के शासक ने शिवाजी को जीवित अथवा मुर्दा पकड़ लाने का आदेश देकर अपने मक्कार सेनापति अफजल खां को भेजा। उसने भाईचारे व सुलह का झूठा नाटक रचकर शिवाजी को अपनी बांहों के घेरे में लेकर मारना चाहा, पर समझदार शिवाजी के हाथ में छिपे बघनखे का शिकार होकर वह स्वयं मारा गया। इससे उसकी सेनाएं अपने सेनापति को मरा पाकर वहां से दुम दबाकर भाग गई।शिवाजी की बढ़ती हुई शक्ति से चिंतित हो कर मुगल बादशाह औरंगजेब ने दक्षिण में नियुक्त अपने सूबेदार को उन पर चढ़ाई करने का आदेश दिया। लेकिन सुबेदार को मुंह की खानी पड़ी। शिवाजी से लड़ाई के दौरान उसने अपना पुत्र खो दिया और खुद उसकी अंगुलियां कट गई। उसे मैदान छोड़कर भागना पड़ा। इस घटना के बाद औरंगजेब ने अपने सबसे प्रभावशाली सेनापति मिर्जा राजा जयसिंह के नेतृत्व में लगभग 1,00,000 सैनिकों की फौज भेजी। शिवाजी को कुचलने के लिए राजा जयसिंह ने बीजापुर के सुल्तान से संधि कर पुरन्दर के क़िले को अधिकार में करने की अपने योजना के प्रथम चरण में 24 अप्रैल, 1665 ई. को व्रजगढ़ के किले पर अधिकार कर लिया।

– सुरेश सिंह बैस

पश्चिम की चकाचौन्ध से विखंडित होते संयुक्त परिवार

समय के परिवर्तन के साथ ही भौतिकता ने अपना परचम फैलाना शुरू कर दिया हैद्य पाश्चात्य शैली की आधुनिकता ने वैदिक और संस्कारी परिवारों में विखंडन की बड़ी विभीषिका ने आमद शुरू कर दी है। बड़े और संस्कारी परिवार गिनती के शेष रह गए हैं। परिवारों में स्नेह,प्यार और आपसी सम्मान की भावनाओं में बेहद कमी होने लगी है। भारत मूलतः परंपरावादी वैदिक तथा सनातनी देश है पर आधुनिकता ने देश के संयुक्त परिवारों को खंडित कर दिया है। अधिकांश परिवार अब एकल परिवार में परिवर्तित हो गए हैं ऐसे में बुजुर्ग तथा बच्चे सबसे ज्यादा इस त्रासदी के शिकार हुए हैं। आधुनिक जीवन शैली ने माता पिता को नन्हे बच्चों से दूर कर दिया है इसी तरह बुजुर्गों के साथ उनकी संतानों की संवेदनहीनता ने असहाय सा बना दिया है। बच्चों तथा बुजुर्गों को इसी समय सबसे ज्यादा अपने माता पिता तथा संतानों के सहयोग एवं संरक्षण की आवश्यकता महसूस होती है। यदि आधुनिक जीवन शैली के कारण बुजुर्गों तथा बच्चों का उनके अभिभावक एवं पुत्रों पुत्रियों के साथ संवाद हीनता एक बड़ी पीड़ा का कारण बन जाति है। भारत में सर्वे के अनुसार बुजुर्गों और नौजवान पीढ़ी के बीच संवाद हीनता एक चिंताजनक स्वरूप ले चुका हैद्य बुजुर्ग एकाकीपन से अब मानसिक रोगों के शिकार होने लगे हैं। जिन बुजुर्गों को चलने फिरने और बाहर जाने में परेशानी होती है उनके लिए नौजवान पीढ़ी के साथ संवाद हीनता परेशानी का एक बड़ा सबक बन चुका हैद्य महिला तथा पुरुष बुजुर्गों के साथ यह समस्या बृहद रूप लेकर सामाजिक समस्या बन गई हैद्य बुजुर्ग हमारी धरोहर हैं इनका जीवन के हर दृष्टिकोण में संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। इसी तरह बच्चों को नैतिक तथा बुनियादी शिक्षा देकर उन्हें देश का अच्छा नागरिक बनाने की जिम्मेदारी भी दम पत्तियों पर होती है पर वर्तमान में बच्चे मां बाप से दूर होते जा रहे हैं और बुजुर्ग अपनी संतानों से मोबाइल ,व्हाट्सएप फेसबुक और इंटरनेट ने नौजवान पीढ़ी और बुजुर्गों के बीच एक बड़ा संवाद हीनता का संकट पैदा कर दिया है। बुजुर्ग यदि अपने मन की बात किसी से कह नहीं सकेंगे तो उन्हें मानसिक रूप से बीमारी का संकट हो सकता है। नौजवान पीढ़ी को खाली समय में मोबाइल कंप्यूटर में फेसबुक व्हाट्सएप इंस्टाग्राम से ही फुर्सत नहीं है। ऐसे में बुजुर्गों के लिए यह संकट और गहराने का खतरा बढ़ता जा रहा हैद्य उल्लेखनीय है कि बुजुर्गों का अनुभव उनका ज्ञान परिवार,समाज तथा देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैद्य देश की संस्कृति में बुजुर्गों का सम्मान और इज्जत उनकी रक्षा निहित हैद्य करोना की तीसरी लहर से भारतीय समाज में निवास कर रहे बुजुर्गों की बड़ी संख्या को हमें सुरक्षित और महफूज रखना है। वह वटवृक्ष की तरफ हम सबका मार्गदर्शन करते हैं ,अतः हमारा प्रथम कर्तव्य होगा कि हम वृद्धजनों की हर संभव रक्षा कर उनकी इज्जत, तवज्जो करेंद्य इसके साथ ही हमें बच्चों तथा नौजवानों की भी रक्षा करनी होगी।

-संजीव ठाकुर

संस्कारों की धरोहरः बच्चों का नहीं, हमारी परवरिश का आईना

आज अक्सर सुनने को मिलता है आजकल के बच्चों में संस्कार नहीं रहे। यह वाक्य हम बड़े सहज भाव से कह देते हैं, मानो सारी जिम्मेदारी बच्चों की ही हो। किंतु यदि गंभीरता से विचार करें तो पाएँगे कि बच्चे तो कच्ची मिट्टी की तरह होते हैं; उन्हें जिस सांचे में ढाल दिया जाए, वे वैसा ही रूप धारण कर लेते हैं। ऐसे में प्रश्न यह नहीं कि बच्चों में संस्कार क्यों नहीं हैं, बल्कि यह है कि हमने उन्हें क्या सिखाया और कैसे सिखाया?

संस्कार किसी पाठ्यपुस्तक का अध्याय नहीं होते, जिन्हें रटकर सीखा जा सके। वे परिवार के वातावरण से, माता-पिता के व्यवहार से और घर की परंपराओं से आत्मसात होते हैं। यदि घर में बड़ों का सम्मान होता है,

-डॉ. पंकज भारद्वाज

यूजीसी बिल 2026 का विवाद

यूजीसी (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देना) विनियम, 2026, जिसे सामान्यतः यूजीसी बिल 2026 या इक्विटी रेगुलेशन कहा जा रहा है, वर्तमान में भारतीय शिक्षा जगत और सामाजिक विमर्श के केंद्र में है। इस कानून का उद्देश्य जाति-आधारित भेदभाव को समाप्त करना है, लेकिन इसके कुछ प्रावधानों ने हिंदू समाज के भीतर आंतरिक दरार और बिखराव की आशंकाओं को जन्म दे दिया।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा तात्कालिक रूप से इस पर रोक लगाकर पुनः संशोधन हेतु विचार के लिए भेजना अति आवश्यक था। जो भारत और भारत के लोगों में बिखराव को रोकने के लिए महती कदम साबित हुआ है। यूजीसी बिल 2026~ सामाजिक सामंजस्य बनाम आंतरिक बिखराव के द्योतक के रूप में सामने आया। जनवरी 2026 में अधिसूचित यह नया नियम उच्च शिक्षण संस्थानों (में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति (स्ङ्ग) के साथ-साथ अब अन्य पिछड़ा वर्ग को भी भेदभाव-रोधी दायरे में लाता है। जहाँ एक पक्ष इसे सामाजिक न्याय की दिशा में बड़ा कदम मान रहा है, वहीं दूसरा पक्ष इसे हिंदू समाज के विभिन्न वर्गों के बीच अविश्वास पैदा करने वाला उपकरण मान रहा है।

बिल के विरोध में तर्क दिया जा रहा है कि यह नियम हिंदू समाज के भीतर अगड़ी जातियों और पिछड़ी जातियों के बीच खाई को और चौड़ा कर सकता है। दुरुपयोग का भय, आलोचकों का मानना है कि भेदभाव की परिभाषा इतनी व्यापक है कि इसे किसी भी शैक्षणिक विमर्श या व्यक्तिगत मतभेद के खिलाफ हथियार बनाया जा सकता है। सांस्कृतिक प्रभाव, हिंदू समाज की एकता के पैरोकारों का तर्क है कि ऐसे सख्त कानूनी प्रावधानों से संस्थानों में एक ऐसा माहौल बनेगा जहाँ छात्र और शिक्षक एक-दूसरे को जातिगत चश्मे से देखेंगे, जिससे स्वाभाविक भाईचारा प्रभावित होगा। झूठी शिकायतों पर दंड के प्रावधान का हटना,विवाद का एक बड़ा कारण यह है कि 2025 के मसौदे में झूठी या द्वेषपूर्ण शिकायतों पर दंड का प्रावधान था, जिसे अंतिम 2026 नियमों से हटा दिया गया है।

चिंता का विषय है कि सामान्य वर्ग के छात्रों और संगठनों का कहना है कि बिना किसी सुरक्षा कवच के, यह कानून लक्षित उत्पीड़न का जरिया बन सकता है, जिससे समाज में प्रतिशोध की भावना पनपेगी।

इक्विटी कमेटी की संरचना और प्रतिनिधित्व में भी संशय उत्पन्न करने वाला साबित हुआ। नए नियमों के तहत प्रत्येक संस्थान को 10 सदस्यीय इक्विटी कमेटी बनानी होगी, जिसमें कम से कम 50% सदस्य आरक्षित वर्गों से होंगे। प्रशासनिक असंतुलन भी नजर आया है। कुछ शिक्षाविदों का मानना है कि यह संरचना योग्यता के बजाय पहचान को प्राथमिकता देती है, जिससे हिंदू समाज के भीतर ही प्रशासनिक पदों को लेकर खींचतान शुरू हो सकती है।

सामाजिक तनाव और विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए, फरवरी 2026 में माननीय उच्चतम न्यायालय ने इन विनियमों पर फिलहाल रोक लगा दी है। कोर्ट ने टिप्पणी की है कि भारत की एकता हमारे शैक्षणिक संस्थानों में झलकनी चाहिए और वह इसकी संवैधानिक वैधता की जांच कर रहा है।

हिंदू समाज पारंपरिक रूप से सामाजिक सुधारों और विखंडन की चुनौतियों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करता रहा है। यूजीसी बिल 2026 का उद्देश्य भले ही समावेशिता हो, लेकिन इसके कार्यान्वयन के तरीके ने समाज के एक बड़े हिस्से में असुरक्षा का भाव भर दिया है। यदि इन नियमों को बिना संतुलन और सुरक्षा के लागू किया जाता है, तो यह शैक्षणिक परिसरों को वैचारिक और जातिगत युद्ध के मैदान में बदल सकता है, जो अंततः व्यापक हिंदू समाज की एकता के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकता है।

इस यूजीसी बिल 2026 के विवादास्पद कानूनी प्रावधान और उनके प्रभाव को अगर एक नजर में देखे तो भेदभाव की व्यापक और अस्पष्ट परिभाषा। विनियम के खंड 3 के तहत भेदभाव की परिभाषा को केवल भौतिक उत्पीड़न तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसमें मानसिक प्रताड़ना और अपमानजनक व्यवहार को भी शामिल किया गया है। यही मूल कारण है जो विवाद का कारण बना। आलोचकों का तर्क है कि अपमान एक व्यक्तिपरक शब्द है। कक्षा में किसी ऐतिहासिक तथ्य पर चर्चा या किसी छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन की आलोचना को भी इस कानून के तहत जातिगत अपमान के रूप में पेश किया जा सकता है। इससे हिंदू समाज के भीतर छात्रों और शिक्षकों के बीच एक अघोषित दूरी पैदा होने का डर है।

धारा 7~ झूठी शिकायत पर दंड के प्रावधान का स्पष्ट अभाव भी भारतीय समाज में गलत संदेश संदेह के रूप में सामने आया। 2023 के शुरुआती मसौदे में एक उप-धारा थी जिसमें स्पष्ट था कि यदि कोई शिकायत दुर्भावनापूर्ण या झूठी पाई जाती है, तो शिकायतकर्ता पर अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। जबकि 2026 के यूजीसी बिल में इसे पूरी तरह से बदलाव करते हुए अंतिम कानून में इस सुरक्षात्मक प्रावधान को हटा दिया गया है।

इसका प्रभाव गलत रूप में सामने आया। इसके कारण सामान्य वर्ग के छात्रों और शिक्षकों में यह धारणा बन गई है कि उन्हें बिना किसी साक्ष्य के फँसाया जा सकता है और उनके पास बचाव का कोई कानूनी रास्ता नहीं होगा। यह कानूनी असमानता समाज के विभिन्न वर्गों के बीच अविश्वास को गहरा कर रही है।

वहीं इक्विटी कमेटी की असीमित शक्तियाँ (धारा 5.2)के तहत प्रत्येक कॉलेज और विश्वविद्यालय में एक इक्विटी कमेटी का गठन अनिवार्य है। इस कमेटी को न केवल जाँच करने बल्कि दोषी पाए जाने पर छात्र का निलंबन या शिक्षक की पदोन्नति रोकने की सिफारिश करने का भी अधिकार है।इससे आमजन में पक्षपात का डर पैदा हुआ,क्योंकि इस कमेटी में 50त्न से अधिक प्रतिनिधित्व आरक्षित वर्गों के लिए अनिवार्य है, इसलिए दूसरे पक्ष को डर है कि निर्णय योग्यता के बजाय पहचान के आधार पर लिए जा सकते हैं।

पदोन्नति और नियुक्तियों पर भी विघटनकारी असर देखने को मिला (धारा 8)इस बिल में एक प्रावधान यह भी है कि यदि किसी संस्थान के विरुद्ध भेदभाव की शिकायतें बार-बार आती हैं, तो यूजीसी उस संस्थान के अनुदान को रोक सकता है। संस्थान के प्रशासन पर यह दबाव रहेगा कि वे विवादों से बचने के लिए नियुक्तियों में मेरिट के बजाय सामाजिक तुष्टीकरण को प्राथमिकता दें। इससे हिंदू समाज के प्रतिभावान युवाओं में अलगाव की भावना पैदा हो सकती है। किसी एक व्यक्ति की गलती के लिए पूरे विभाग या संस्थान को दंडित करना। डर के कारण जाति, धर्म या समाज पर खुले संवाद का बंद होना। यह सब प्रावधान लोगों में डर का कारण बना। विशेषज्ञों का मानना है कि हिंदू समाज में बिखराव को रोकने के लिए सरकार को इस बिल में न्यायिक संतुलन लाना होगा। इसमें झूठी शिकायतों के खिलाफ कड़ी सजा और भेदभाव की अधिक स्पष्ट, वस्तुनिष्ठ परिभाषा शामिल होनी चाहिए।

-धनंजय राजौरा

सरकारों के काम करता सुप्रीम कोर्ट, केंद्र व राज्य का रवैया चिंताजनक

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने साइबर धोखाधड़ी और विशेष रूप से डिजिटल अरेस्ट के मामलों को डकैती और लूट करार देते हुए केंद्र सरकार को कई निर्देश दिए। उसने गृह मंत्रालय को हाल में तैयार मानक संचालन प्रक्रिया अर्थात स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) लागू करने, सीबीआई को मामलों की पहचान करने और रिजर्व बैंक को संदिग्ध बैंकिंग लेनदेन रोकने के निर्देश दिए। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने विभिन्न एजेंसियों के बीच तालमेल के लिए एक मसौदा तैयार करने को भी कहा। उसने जब डिजिटल अरेस्ट के एक मामले का स्वतः संज्ञान लेकर ऐसे मामलों की सुनवाई शुरू की थी, तब गृह मंत्रालय ने एक एसओपी का प्रस्ताव रखा था। इसका उद्देश्य विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना और जहां संभव हो, ठगी से निकाली गई राशि की समयबद्ध वापसी सुनिश्चित करना था। यह उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर ही गृह मंत्रालय ने डिजिटल अरेस्ट से जुड़े सभी पहलुओं की व्यापक जांच के लिए एक उच्चस्तरीय अंतर-विभागीय समिति का गठन किया था। इसी समिति ने एसओपी का प्रस्ताव तैयार किया। प्रश्न यह है कि गृह मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर साइबर धोखाधड़ी रोकने के लिए जो जतन करने शुरू किए, वे उसकी ओर से समय रहते स्वतः क्यों नहीं किए हुए और वह भी तब जब डिजिटल अरेस्ट के मामले बढ़ते ही चले जा रहे हों? चूंकि कानून एवं व्यवस्था राज्यों का विषय है, इसलिए साइबर ठगी रोकने का काम मुख्यतः राज्य सरकारों का ही है, लेकिन केंद्र सरकार बैंकों, टेलीकॉम कंपनियों और डिजिटल प्लेटफॉर्मों की भूमिका पर तो ध्यान दे ही सकती थी।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

गंगानगर में हुई नकबजनी का खुलासा

ऑपरेशन त्रिनेत्रम की मदद से पकड़ा गया महिला नकबजन गिरोह

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संक्षिप्त विवरण दिनांक 17.02.2026 को थाना औद्योगिक क्षैत्र देवास पर फरियादी अरुण पांडे निवासी कालानीबाग देवास ने थाना औद्योगिक क्षेत्र पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि गंगा नगर स्थित उनके स्क्रैप गोदाम की दीवार तोड़कर अज्ञात बदमाशों ने चोरी की है। चोरों ने गोदाम से भारी मात्रा में कमानी के पत्ते, क्लच प्लेट, पिस्टन, लोहे की रॉड, एसी ब्लोवर, 03 बैटरी और पानी की मोटर चोरी कर ली थी। फरियादी की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 142/2026 धारा 305(A) एवं 331(4) के अंतर्गत मामला पंजीबद्ध किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद द्वारा नकबजनी के आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया ।जिस पर अतिरिक्त पुलिसअधीक्षक(शहर) जयवीर सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल के निर्देशन में थाना प्रभारी बैंक नोट प्रेस के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने %ऑपरेशन त्रिनेत्रम के अंतर्गत घटनास्थल के आसपास लगे 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की सघन जांच की। फुटेज के विश्लेषण के दौरान कुछ संदिग्ध महिलाएं क्षेत्र में घूमती हुई दिखाई दीं। टीम द्वारा तत्काल महिला आरोपियों की घेराबंदी कर पकड़ा गया । पूछताछ में महिला आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे कचरा बीनने के बहाने कॉलोनियों और औद्योगिक क्षेत्रों की रेकी करती हैं और मौका मिलते ही संगठित गिरोह के रूप में चोरी की वारदात को अंजाम देती हैं। पुलिस ने उक्त महिला आरोपियों से चोरी गया संपूर्ण मशरुका कीमत करीबन 60 हजार रुपये का जप्त किया ।

सराहनीय कार्य- उक्त सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी थाना औद्योगिक क्षेत्र निरीक्षक शशिकान्त चौरसिया, उनि नरेन्द्र अम्करे, आर अजय जाट,लक्ष्मीकांत शर्मा,मआर मोनिका शर्मा की सराहनीय भूमिका रही।

सिक्योरिटी गार्ड की भर्ती के लिए विकासखण्डस्तर पर होगा रोजगार मेलों का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत देवास ने बताया कि मध्य प्रदेश डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन देवास द्वारा युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए विकासखण्ड स्तरीय रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत एसएससीआई संस्था संस्था जयपुर द्वारा भाग लिया जायेगा। जिसके तहत जनपद पंचायत बागली में 21 फरवरी, जनपद पंचायत खातेगांव में 22 फरवरी, जनपद पंचायत कन्नौद में 23 फरवरी, जनपद पंचायत सोनकच्छ में 24 फरवरी, जनपद पंचायत टोंकखुर्द में 25 फरवरी और जिला पंचायत देवास में 26 फरवरी को आयोजन होगा। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला पंचायत देवास में सम्पर्क कर सकते है।

सीईओ जिला पंचायत ज्योति शर्मा ने विभिन्न विभागों में लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा की

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा ने विभिन्न विभागों में लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा की। इस दौरान कृषि विभाग, कृषि उपज मंडी, पशु पालन विभाग, जनजातिय कार्य विभाग, शिक्षा विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग, लोक स्वास्थ एवं परिवार कल्याण विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, श्रम विभाग, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के साथ पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत उपस्थित थे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने विभागों में लम्बित सीएम हेल्पलाइन की गहन समीक्षा करते हुए दो सौ दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों को एक सप्ताह में निराकृत करने के निर्देश दिये। उन्होंने शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर कार्यवाही के निर्देश भी दिये।

चांद नज़र आया, आज से रोजे शुरू

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुस्लिमों के पवित्र इबादत के महीने रमज़ान का इंतज़ार पूरा हुआ। बुधवार को नगर की विभिन्न मस्जिदों में समाजजनों ने चांद देखने का इंतज़ाम किया था। अब इसके साथ ही गुरुवार से मुस्लिम समाज के रोज़े शुरू हो जायेंगे।

मग़रिब की नमाज़ के बाद उर्दू मैदान स्थित मस्जिद पीपलपत्ता, मस्जिद बैतूल हम्द ईदगाह रोड़ वारसी कालोनी, मस्जिद शाही फ़तेह महूपुरा सहित अन्य मस्जिदों में चांद देखने के सिलसिले में ईमाम, मोज्जिन स्थानिय कमेटी के सदर, सदस्य और समजजन एकत्रित हुए। जमीअत उलेमा ए हिन्द के ज़िला सदर आलिम जनाब हाजी मो. अफ़ज़ल साहब, ईमाम मुफ़्ती जनाब फारुक़ साहब, हाफ़िज़ जनाब उमर साहब, हाफ़िज़ जनाब शाहिद साहब, अंजुमन कमेटी के सदर हाजी नईम कुरैशी, हाजी इब्राहिम पठान, मिर्ज़ा सलीम बेग, सैयद साजिद अली, मूसा आज़म खांन, असलम अली शाह चांद दिखने की तस्दीक में सम्मलित हुए। इसके बाद रमज़ान का ऐलान जनाब आलिम मो. अफ़ज़ल ने किया। उन्होंने बताया कि गुरुवार से रोज़ों की शुरुआत होगी और बुधवार से शहर की मस्जिदों में तरावीह की विशेष नमाज़ अदा की जाएगी, जिसमें पवित्र क़ुरान पढ़ा और सुना जाएगा। उन्होंने समाजजनों से अपील करते हुए कहा कि रमज़ान के पवित्र महीने का सम्मान करते हुए इस्लाम के बुनियादी सिद्धांत अल्लाह के हुक्म का पालन, इबादत, प्रेम, सद्भाव और भाईचारे पर अमल करते हुए रहमत, बरकत और नेकियों के हिस्सेदार बनें। उन्होंने रमज़ान की शुभकामनायें देते हुए विशेषतौर पर मुल्क़ में इत्तेहाद और तरक्की के लिए दुआ की अपील सभी उलेमाओं और समाजजनों से की।

अमलतास इंस्टिट्यूट ऑफ़ साइकोलॉजी द्वारा महिदपुर में 100 से अधिक विद्यार्थियों को मिला करियर मार्गदर्शन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ओएसिस एजुकेशन एकेडमी, महिदपुर में 100 से अधिक विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अमलतास यूनिवर्सिटी, देवास के डिपार्टमेंट ऑफ एलाइड एंड रिहैबिलिटेशन साइंसेज़ द्वारा आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में साइकोलॉजिस्ट एवं साइकेट्रिस्ट उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य, तथा करियर चयन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि परीक्षा के समय तनाव को कैसे नियंत्रित किया जाए।

संस्था के प्राचार्या डॉ. भारती लाहोरिया ने अपने संदेश में कहा कि आज के समय में विद्यार्थियों पर परीक्षा और भविष्य को लेकर अत्यधिक दबाव रहता है। ऐसे मार्गदर्शन कार्यक्रम बच्चों को सही दिशा देने और आत्मविश्वास बढ़ाने में बहुत सहायक होते हैं। हमें पढ़ाई के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान परीक्षा भय से बचने के लिए विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण सुझाव जेसे नियमित पढ़ाई करें, अंतिम समय तक न टालें, पर्याप्त नींद लें और संतुलित आहार लें,परीक्षा को डर नहीं, एक अवसर की तरह देखें,गहरी साँस और ध्यान अपनाएँ, अपनी समस्या माता-पिता या शिक्षकों से खुलकर साझा करें आदि दिए गए विद्यार्थियों ने कार्यक्रम को उपयोगी बताया और भविष्य में ऐसे सत्रों की आवश्यकता पर जोर दिया। संस्था प्रबंधन ने आगे भी इस प्रकार के शैक्षणिक एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

जिला पंचायत देवास की साधारण सभा की बैठक सम्पन्न

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत देवास की साधारण सभा की बैठक जिला पंचायत देवास के सभाकक्ष में अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती लीला अटारिया की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। जिसमें गत बैठक के पालन प्रतिवेदन एवं प्रधानमंत्री सड़क योजना अंतर्गत मुख्यमंत्री मजरा-टोला सड़क योजना में चिन्हित मार्गों की सूची का अनुमोदन किया गया। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत देवास श्रीमती ज्योति शर्मा,सांसद प्रतिनिधि/विधायक प्रतिनिधि एवं जिला पंचायत सदस्य सदस्य उपस्थित थे।

पिलर से टकराई तेज रफ्तार कार, किला रोड पर सुबह-सुबह हुआ हादसा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। किलारोड से गुजर रही एक तेज रफ्तार कार पिलर से टकरा गई। हादसे में कार चालक को मामूली चोंट आई है। घटना बुधवार सुबह करीब 8 बजे की है। एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर प्राचीन किले की दीवार से टकरा गई। टक्कर के बाद वाहन सड़क के बीच में रुक गया। हादसे में कार चला रहे युवक टीनू पांचाल को मामूली चोटें आई हैं। किसी अन्य व्यक्ति को गंभीर चोट नहीं पहुंची। लेकिन कार टकराने के बाद बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने वाहन को सड़क के किनारे हटाया ताकि यातायात बाधित न हो। सूचना मिलने पर स्थानीय लोग भी मौके पर एकत्र हो गए। किला रोड निवासी प्रवीण ने बताया कि यह सड़क संकरी है, जिससे बड़े वाहनों का आवागमन मुश्किल होता है। सुबह का समय होने और दुकानें बंद होने के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। यदि यह दुर्घटना दिन के व्यस्त समय में होती, तो अधिक नुकसान की संभावना थी।

बच्चा चोरी की झूठी अफवाह फैलाकर शांति भंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार,थाना औद्योगिक क्षेत्र पुलिस की प्रभावी कार्यवाही

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संक्षिप्त विवरण पुलिस अधीक्षक देवास पुनीत गेहलोद द्वारा जिले में सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से अफवाह फैलाकर लोक शांति भंग करने वाले तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है । इसी क्रम में दिनांक 17.02.2026 को थाना औद्योगिक क्षेत्र पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि सिल्वर पार्क कालोनी क्षिप्रा जिला देवास में दो व्यक्ति बच्चा चोरी होने और बच्चा चोरी गैंग के सक्रिय होने की लगातार झूठी अफवाह फैला रहे है । आरोपी न केवल भ्रामक जानकारी दे रहे थे, बल्कि राहगीरों को बच्चा चोर होने की शंका में रोककर उन्हें परेशान भी कर रहे थे । आरोपियो के इस कृत्य से क्षेत्र में भय का माहौल निर्मित हो रहा था और कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने की संभावना बनी हुई थी। सूचना की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) जयवीर सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक देवास सुमित अग्रवाल के निर्देशन थाना प्रभारी औद्योगिक क्षेत्र निरीक्षक शशिकांत चौरसिया के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम के द्वारा आरोपी 01. शशिकांत पिता दिलीप मंडलोई उम्र 35 साल निवासी सिल्वर पार्क कालोनी क्षिप्रा जिला देवास 02. यशवंत पिता किशोर जोशी उम्र 32 साल निवासी सुनवानी रोड़, क्षिप्रा जिला देवास के विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (ब्हस्स्) की धारा 170 के तहत इस्तगासा क्रमांक 57/2026 दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया । आरोपीगण को माननीय एस.डी.एम. न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजने की वैधानिक कार्यवाही की गई।

सराहनीय कार्य - उक्त सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी औद्योगिक क्षेत्र निरीक्षक शशिकान्त चौरसिया,उनि राधेश्याम वर्मा,प्रआर शम्भु सिंह,आर लक्ष्मीकांत शर्मा,आर अजय जाट देवास की सराहनीय भूमिका रही ।

आधे घंटे दहशत में रहे रहवासी, डीपी में हुआ शार्ट सर्किट

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बादशाहपुर क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 8 स्थित मटका मोहल्ला मस्जिद के पास बुधवार सुबह 8 से 9 बजे के बीच एक विद्युत डीपी में शार्ट सर्किट हो गया। करीब आधे घंटे तक डीपी में बार-बार फाल्ट होता रहा, जिससे आसपास के क्षेत्र में भय का माहौल बन गया। इस दौरान 10 से 15 मिनट तक लगातार चिंगारी और फाल्ट की स्थिति देखी गई।

घटना की सूचना मिलते ही विद्युत वितरण कंपनी के कर्मचारियों ने एहतियातन बिजली आपूर्ति बंद कर दी। इसके बाद कंपनी का स्टाफ मौके पर पहुंचा और सुधार कार्य शुरू किया। डीपी में फाल्ट के कारण एक-दो केबल भी टूट गईं, जिससे आग लगने की आशंका बन गई थी।

नकली चांदी के सिक्के गिरवी रख 55 हजार रुपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपियों को किया गिरफ्तार

4 आरोपी गिरफ्तार,153 नकली चांदी के सिक्के जप्त

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संक्षिप्त विवरण दिनांक 17.02.2026 को फरियादी अमरिश चौधरी पिता दिलीप सिंह चौधरी उम्र 48 वर्ष निवासी म.नं.137 महात्मा गांधी मार्ग देवास द्वारा थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उनकी कंचन ज्वेलर्स नाम से सोने-चांदी के आभूषणों की दुकान है। फरियादी ने बताया कि मिर्जा बाखल देवास निवासी तोसिफ पिता अबरार खान जो रतलाम ज्वेलर्स देवास में कार्यरत था,पूर्व परिचित होने के कारण दिनांक 17.12.2025 को दोपहर लगभग 02ः00 बजे उनकी दुकान पर आया और 50 चांदी के सिक्के गिरवी रखकर 55,000/- रुपये उधार लिए। परिचय होने के कारण फरियादी ने तत्काल सिक्कों की शुद्धता जांच नहीं की । बाद में जांच करने पर सभी 50 सिक्के नकली पाए गए। आरोपी द्वारा असली चांदी के सिक्के बताकर नकली सिक्के देकर 55,000/- रुपये की धोखाधड़ी करना पाया गया । उक्त रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक

79/17.02.2026 धारा 318(4) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक देवास पुनीत गेहलोद द्वारा आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देश दिए गए। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयवीर सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल के निर्देशन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक श्यामचंद्र शर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया । पुलिस टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्य,भौतिक साक्ष्यों एवं मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। विश्वसनीय मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी की पहचान कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से कुल 153 नकली चांदी के सिक्के जप्त कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही का जा रही है ।

गिरफ्तारी आरोपी के नाम

1. तौसीफ उर्फ तनवीर पिता अबरार उम्र 22 साल निवासी मिर्जा बाखल देवास
2. आमेर पिता समीर खान निवासी तराना जिला उज्जैन
3. जमशेद ऊर्फ अयान पिता साकिर खान 22 साल निवासी मिर्जा बाखाल देवास
4. शादाब पिता सादिक खान उम्र 24 साल मदर बढ़ तराना जिला उज्जैन

जप्त मशरुका

कुल 153 नकली चांदी के सिक्के जप्त ।

सराहनीय कार्य- उक्त सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक श्यामचंद्र शर्मा, उनि सचिन सोनगरा,प्रआर मनोज पटेल,आर सूरज सिकरवार,अभिषेक पंवार,मनीष राजपूत, मनीष देथलिया,किशन पंवार की सराहनीय भूमिका रही।

दूध और अन्य खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की जांच के लिए अधिकारियों ने लिए नमूने

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋजु बाफना के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर राजकुमार हलदर के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं राजस्व के संयुक्त दल की औचक निरीक्षण कार्यवाही में आज जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी के दल द्वारा शुजालपुर एवं कालापीपल क्षेत्र की 3 डेयरियों की जांच कर 3 दूध तथा 1 चाट सेंटर से 2 फास्ट फूड के सैंपल लिये गए।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी एमके वर्मा ने बताया कि नीरू डेरी फार्म हड़लायकलां से गाय का दूध, श्री सिद्ध विनायक डेरी हड़लायकलां से भैंस का दूध एवं श्री बालाजी दुग्ध डेयरी अरंडिया से मिश्रित दूध के नमूने तथा शुजालपुर मंडी के कुशवाह चाट भंडार से बेक समोसा (पेटीज) तथा फ्रीज में संग्रहित चाट एवं टिकिया बनाने के आलू का मसाला के सैंपल संग्रहित कर जांच के लिए खाद्य विश्लेषक राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे जा रहे है। जांच रिपोर्ट एवं विवेचना के आधार पर अग्रिम कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी। इस दौरान कार्यवाही में नायब तहसीलदार नरेश सोनी एवं केएल कुम्भकार शामिल थे।

फिर बदला नगर का मौसम, दिनभर छाए रहे बादल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मौसम ने फिर करवट बदल ली है और नगर में बुधवार को दिनभर बादल छाए रहे। इस दिन हवा भी थमी रही जिससे सर्दी का तो एहसास नहीं हुआ, लेकिन गर्मी से लोगों का बुरा हाल हो गया। मौसम विभाग की माने तो बुधवार देर रात रिमझीम बारिश की भी संभावना है। वहीं मंगलवार देर रात को भी हल्की बारिश दर्ज की गई थी।

मौसम परिवर्तन मंगलवार देर रात को ही हो गया था। इसके पहले आसमान साफ था। लेकिन रात करीब 12.30 बजे के बाद आसमान पर बादल छाए और हल्की वर्षा हुई जिससे मौसम फिर ठंडा हो गया था। कुछ बुधवार सुबह जरूर मौसम साफ रहा, लेकिन इसके बाद शाम करीब 4 बजे से आसमान फिर बादलों से ढंक गया। तो हवा भी थम गई जिससे लोगों को गर्मी का एहसास हुआ। मौसम विभाग ने बुधवार शाम को भी हल्की बारिश की संभावना जताई है। यदि बारिश होती है तो फिर लोगों को सर्दी का एहसास हो सकता है।

कुछ दिन पहले हुई थी ओलावृष्टि, हुआ था फसलों को नुकसान- जनवरी माह में भी मौसम सर्द बना हुआ था और बारिश की कोई संभावना नहीं थी। लेकिन 27 जनवरी को अचानक मौसम बदला और हल्की बारिश के बाद ओलावृष्टि से मौसम पूरी तरह सर्द हो गया था। जिसके चलते फसलों को भी काफी नुकसान हुआ था।

सच्चा वादा, पक्का काम हमारी सरकार की यही पहचानः विधायक भीमावद

प्रेसवार्ता में विधायक ने बताया विकास का बजट, शाजापुर के लिए भी खोला खजाना

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सच्चा वादा पक्का काम, प्रदेश सरकार की यही पहचान है। जिनके द्वारा मप्र विधानसभा का बजट घोषित किया है। जिसमें इस बार प्रदेश सरकार ने शाजापुर जिले के लिए भी विकास के लिए अपना खजाना खोल दिया है। जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार को प्राथमिकता देते हुए यहां के युवाओं के भविष्य को संवारने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है।

यह बात शाजापुर विधायक अरूण भीमावद ने बुधवार को अपने कार्यालय पर प्रदेश सरकार द्वारा जारी बजट को लेकर आयोजित प्रेसवार्त में कही। उन्होंने बजट में शाजापुर नगर के लिए बजट में की गई घोषणाओं को लेकर पत्रकारों से खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि शाजापुर जिले को मेट्रोपोलिटिन योजना के तहत जोड़ने के बाद शाजापुर क्षेत्र के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक बार फिर बजट के माध्यम से शाजापुर क्षेत्र मे विशेष धनराशि की उपलब्धता करके विकास के कार्य के समस्त अवरोधो को हटाने का कार्य किया है। उन्होंने बताया कि इस बजट में अकेली शाजापुर विधानसभा में ही 53 किलोमिटर जो कि लगभग 155 करोड़ लागत की सड़को की स्वीकृति मिली है। इसके माध्यम से दुपाड़ा, बेरछा, झोकर, बिजाना के बायपास का निर्माण होगा एवं मोहन बड़ोदिया का रिंगरोड का भी निर्माण के लिये 25 करोड़ रू. प्रस्तावित है। इसके अलावा कड़ोदिया, कालवा, धोबी पचोर व बिजाना मार्ग के लिये 30 करोड़ रू., सिरोलिया, कपालिया, सिहोदा, साजोद से भुमरी मार्ग लखुंदर नदी पर पुल सहित 30 करोड़ रू., बेरछा, झोकर, मक्सी मार्ग के लिये 70 करोड रू स्वीकृत किये गये है। विधायक भीमावद ने बताया कि इस बजट में यही नहीं है। इसके अलावा लखुन्दर परियोजना के अन्तर्गत लखुन्दर उच्चदाब युक्त सुक्ष्म सिचाई परियोजना के लिये भी 155 करोड़ 81 लाख रू. स्वीकृत किये गये है। इसके अलावा शाजापुर शासकीय पोलिटेक्निक महाविधालय में रिनियुबल एनर्जी लेब के लिये 1.25 करोड़, ग्राम सतगाव में 3.15 एमबीए का 2 करोड की लागत से मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी का ग्रीड स्वीकृत किया गया है। नगर पालिका शाजापुर एवं नगर परिषद मक्सी को विकास कार्यो के लिये 10-10 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई। इसके साथ ही शाजापुर शहर के लिये पीपीपी माडल के माध्यम से मेडिकल कालेज की स्वीकृति भी इस बजट के माध्यम मिली है।

सुविधाओं के साथ युवा अपने सपनों को करेंगे साकार- विधायक भीमावद ने कहा कि उज्जैन-इंदौर मेट्रोपोलिटन योजना में शाजापुर जिले को शामिल कर प्रदेश की मोहन सरकार ने युवाओं के भविष्य को संवारने का काम किया है। पहले हमारे शहर के युवा महानगरों पर आश्रित रहते थे, लेकिन अब वे यहीं रहकर अपने सपनों को साकार कर सकेंगे। वहीं आज जारी हुए बजट में भी शाजापुर नगर के विकास के लिए प्रदेश सरकार ने दिल खोलकर राशि स्वीकृत की है ताकि शाजापुर शहर की भी अपनी अलग पहचान हो।

अंतर्राज्यीय बस स्टैंड की भी मिलेगी सौगात - विधायक श्री भीमावद ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा इंदौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन योजना के अंतर्गत शाजापुर जिले को भी सम्मिलित किया गया है। जिसके अंतर्गत प्रदेश सरकार द्वारा कई प्रमुख सौगातें लगातार प्रदान की जा रही है। इसमें जिला मुख्यालय पर हाईवे के समीप अंतर्राज्यीय बस स्टैंड की सौगात भी शाजापुर को शीघ्र मिलने वाली है। जिसके लिए गत दिवस स्थल निरीक्षण भी किया जा चुका है।

जिला आबकारी अधिकारी शाजापुर विनय रंगशाही निलंबित

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन संभागायुक्त आशीष सिंह ने शाजापुर जिला आबकारी अधिकारी विनय रंगशाही को अपने कर्तव्य में गंभीर लापरवाही बरतने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित किया हैं। निलंबन अवधि में जिला आबकारी अधिकारी शाजापुर विनय रंगशाही का मुख्यालय कार्यालय कलेक्टर जिला शाजापुर नियत किया गया है। निलंबन अवधि में इन्हे नियमानुसार निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

बड़नगर के छात्रों ने जेईई-मेन्स में फहराया परचम, विद्यालय व क्षेत्र का नाम किया रोशन

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। देश की प्रतिष्ठित एवं चुनौतीपूर्ण इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन्स के परिणाम घोषित होते ही बड़नगर तहसील के ग्राम बंग्रेड में खुशी की लहर दौड़ गई। संतोष विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बंग्रेड के होनहार छात्र लोकेश यादव पिता जीतलाल यादव ने 82 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की, वहीं विशाल चौहान पिता जितेन्द्र सिंह चौहान ने 75 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया।

लोकेश यादव | विशाल चौहान

मेहनत और लगन से मिली सफलता- दोनों छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों के मार्गदर्शन, माता-पिता के सहयोग और नियमित अध्ययन को दिया। उल्लेखनीय है कि दोनों विद्यार्थियों ने बिना किसी कोचिंग या ट्यूशन के, स्वयं की मेहनत और दृढ़ संकल्प से यह उपलब्धि प्राप्त की। ग्रामीण परिवेश और सीमित संसाधनों के बावजूद राष्टीय स्तर की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि मजबूत इच्छाशक्ति और निरंतर परिश्रम से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

विद्यालय परिवार में उत्साह- छात्रों की इस उपलब्धि पर संतोष विद्या मंदिर के प्राचार्य एवं प्रबंधन समिति ने हर्ष व्यक्त किया। शिक्षकों ने बताया कि लोकेश यादव एवं विशाल चौहान प्रारंभ से ही मेधावी, अनुशासित और परिश्रमी छात्र रहे हैं। उनकी सफलता से न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे बंग्रेड ग्राम और बड़नगर क्षेत्र का गौरव बढ़ा है।

ग्रामीण प्रतिभाओं के लिए प्रेरणा- अक्सर यह धारणा बनाई जाती है कि बड़े शहरों के कोचिंग संस्थानों के बिना जेईई जैसी परीक्षाओं में सफलता कठिन है, किंतु बंग्रेड जैसे छोटे ग्राम से मिली यह सफलता इस सोच को बदलती है। संतोष विद्या मंदिर हाई सेकेंडरी स्कूल शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन और संस्कारों पर विशेष ध्यान देता आया है। विद्यालय का बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम प्रतिवर्ष 100 प्रतिशत रहता है।उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 में भी संस्था के दो विद्यार्थियों का चयन जेईई-मेन्स में हुआ था और वर्ष 2026 में पुनः दो छात्रों ने सफलता प्राप्त कर संस्था की उपलब्धियों में एक और अध्याय जोड़ा है। दोनों सफल विद्यार्थियों ने नर्सरी से कक्षा 12वीं तक की शिक्षा इसी संस्था से प्राप्त की है।

इस गौरवपूर्ण अवसर पर संस्था अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, संचालक संतोष शर्मा, प्राचार्य भेरूसिंह केवट सहित अंजली जोशी, अभिषेक पंचोली, शेरसिंह राठौर, नारायण वैष्णव, महिपालसिंह, राहुल कछावा, मनीष सरसोदिया, रितेश बबेरवाल, रवि यादव, वैशाली शर्मा, रीना डोडिया, लक्ष्मी यादव, जमील अहमद, रोशन शर्मा एवं समस्त स्टाफ ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही आगामी जेईई-एडवांस परीक्षा के लिए भी उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

पूर्व विधायक स्व. पुरुषोत्तम राव विपट की पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पूर्व विधायक एवं मलेश्वर महादेव के परम भक्त स्व. पुरुषोत्तम राव विपट की पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष राजकुमार जैन, नगर परिषद अध्यक्ष शांतिलाल हल्कारा, पूर्व मंडल अध्यक्ष मंगेश वर्मा, नंदराम धाकड़ तथा पूर्व जिला उपाध्यक्ष दिलीप मोदी ने अपने उद्बोधन में स्व. विपट के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा को समर्पित किया। वे भारतीय जनसंघ, जनता पार्टी तथा भारतीय जनता पार्टी में शीर्ष नेतृत्व के रूप में सक्रिय रहे और संगठन को मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वक्ताओं ने कहा कि स्व. विपट ने सदैव ईमानदारी, सिद्धांत और जनसेवा की राजनीति को प्राथमिकता दी। उन्होंने क्षेत्र के विकास, समाज के उत्थान और राष्ट्रहित के लिए अनेक उल्लेखनीय कार्य किए, जो आज भी जनमानस के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनका जीवन सादगी, समर्पण और सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण रहा। इस अवसर पर कैलाश राठौर, धर्मेंद्र (जीतू) पांचाल, निगम ठेकेदार हार्ट सिंह चौधरी, अरविंद सिंह, लालू गुर्जर, तेजू जाट सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भाजपा नेता विकास जायसवाल ने किया, जबकि आभार अविनाश विपट ने व्यक्त किया।

पुलिस के 50 अधिकारीयों व कर्मचारीयों ने की बल्वा ड्रील परेड की रिहर्सल

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। आगामी त्यौहारो को शांति पूर्ण तरिके से मनाये जाने एवं क्षैत्र में कानुन व्यवस्था बनाये रखने हेतु निर्देशित किया गया है इसी क्रम में बडनगर पुलिस को बल्बा ड्रील की रिहर्सल परेड कराई गई । वरिष्ठ अधिकारीयो के निर्देशन में आगामी त्यौहारो को मद्धे नजर रखते हुये क्षैत्र में कानुन व्यवस्था बनाये रखने के लिए बड़नगर के शासकीय कॉलेज ग्राउण्ड अमला रोड़ पर वरिष्ठ अधिकारीयो के निर्देशन में बल्वा ड्रील परेड रिहर्सल की गई । जिसमें थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार, थाना प्रभारी इंगोरिया दिपेश व्यास, डीआरपी लाईन सुबेदार सुभाष सतपाडीया, उनि सोभाग सिंह, सउनि राजेन्द्र सिंह हाडा, सउनि सरदार सिंह भगोरा, सउनि गोवर्धन दास बैरागी, सउनि सुनिल देवके ,सउनि दिनेश निनामा, प्र.आर. प्रदीप डामोर, प्र.आर. रामनारायण चौहान, प्र.आर.मुकेश मीणा थाना बड़नगर , इंगोरिया और पुलिस लाइन का स्टॉफ उपस्थित रहा जिनके द्वारा बल्वा ड्रील परेड की गई । इस बल्वा ड्रील परेड रिहर्सल में 50 अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

CMO ने मानी शिवसेना की मांगे, आंदोलन हुआ समाप्त

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। शिवसेना द्वारा नगर की विभिन्न समस्याओ को लेकर स्थानीय नगर पालिका द्वार के बाहर किये जा रहे जन आंदोलन व विरोध प्रदर्शन को मुख्य नगर पालिका अधिकारी मंशाराम निगवाल द्वारा स्थल पर कर्मचारियों के साथ आकर सभी मांगो पर कार्यवाही प्रारम्भ किये जाने बात आमजन के बीच माइक में कहकर व अनाउंमेंट किये जाने के बाद समाप्त किया।

ज्ञात रहे की कल सोमवार को किये गए विरोध प्रदर्शन के दौरान शिवसेना द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष व ष्द्धश को चूड़ियाँ भेंट करने व पहनाने की चेतावनी से भय व्याप्त था, जिसको लेकर नगर पालिका अधिकारी द्वारा स्थानीय थाना प्रभारी को पत्र जारी कर पुलिस बल की मांग की थी। बाद आज प्रशासन हरकत में आकर आनन फानन में त्वरित कार्यवाही करने की बात कही। बाद शिवसैनिको ने आंदोलन समाप्त किया। युवाशिवसेना के प्रदेश अध्यक्ष प्रभात पुरानिया ने कहा की आमजन की उक्त मांगो को लेकर शिवसेना आमजन के साथ लड़ाई जारी रखेगी।

अगर जिम्मेदार कार्यवाही नहीं करेंगे तो शिवसेना सड़को पर उतरेगी और उग्र आंदोलन करने की चेतावनी उपस्थित अधिकारी कर्मचारी के सामने माइक के माध्यम से दी। साथ ही श्री पुरानिया ने कहा की हमारे नगर पालिका अध्यक्ष की आम जन के प्रति व नगर विकास के प्रति उदासीनता से हमारे नगर का विकास गर्त में जा रहा है और पिछड़ता जा रहा है। जिम्मेदार अध्यक्ष दूसरे दिन भी आम जन के बीच नहीं पहुंचे, ये उनकी निष्क्रियता को दर्शाता है। बाद पुरानिया ने उपस्थित अधिकारी गणों व आमजन को साधुवाद व सहयोग हेतु आभार व्यक्त कर आंदोलन समाप्त किया। नगर पालिका अध्यक्ष की गैर मौजूदगी से लोगो में अभी भी आक्रोश व्याप्त है। उक्त जानकारी नगर प्रमुख संतोष बगैरवाल ने दी।

आज नगर में कुशवाहा परिवार की ऐतिहासिक माता पूजन यात्रा

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया आज नगर पंचायत क्षेत्र अकोदिया के पूर्व अध्यक्ष श्री रामनारायण कुशवाहा के छोटे अनुज भारत कुशवाहा के पुत्र एवं विजय कुशवाहा के भाई का विशाल एवं ऐतिहासिक शादी समारोह से पूर्व आज माता पूजन का आयोजन आयोजित किया गया था माता पूजन की एक झलक देखकर लोग सोचने पर मजबूर हो गए ऐतिहासिक माता पूजन का चल समारोह कुशवाहा निवास जटपुरा से प्रारंभ हुआ था जो की शिव हरि धाम मंदिर एवं शीतला माता मंदिर में पूजा अर्चना के बाद माता पूजन का चल समारोह नगर के प्रमुख मार्ग दुर्गा मंदिर के सामने से टप्पा चौराहे हनुमान मंदिर मार्ग से होकर शिवाजी मार्केट से जाट पुरा मार्ग के लिए प्रारंभ हुआ था नगर अकोदिया के लोकप्रिय भाजपा नेता एवं अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अमिर उल्लाह खान पिंटू जैन एवं बंटी शर्मा के प्रतिष्ठान पर माता पूजन में शामिल दूल्हे राजा सहित माता पूजन में शामिल 500 से अधिक नगर वासियों का पुष्प वर्षा कर एवं ठंडा पिलाकर स्वागत किया नगर में आज के ऐतिहासिक माता पूजन के इस ऐतिहासिक चल समारोह के बाद नगर में दिनभर इसकी चर्चा रही माता पूजन में शामिल सभी लोग अपने सिर पर पगड़ी बांधकर चल रहे थे नगर के हर एक नागरिक दूल्हे राजा को शुभकामनाएं बधाई दे रहे थे जब 20 तारीख के दिन आष्टा बारात जाएगी 21 तारीख के दिन अकोदिया में आशीर्वाद समारोह का आयोजन आयोजित किया जाएगा।

श्री हनुमान चालीसा एवं श्रीराम रक्षास्तोत्र के 12वें संस्करण का भव्य लोकार्पण

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के मध्य श्री हनुमान चालीसा एवं श्रीराम रक्षास्तोत्र के 12वें संस्करण का भव्य लोकार्पण श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर, हजारीबाग में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में आध्यात्मिक गरिमा और भक्तिमय वातावरण का अद्भुत समन्वय देखने को मिला।इस पावन अवसर पर भागवताचार्य पं. बालकृष्ण शास्त्री एवं भागवताचार्य मनीष भाई (श्री दुर्गा धाम परिवार, बदनावर) के करकमलों से पुस्तक का विधिवत विमोचन राम नाम बैंक संचालक एवं पुस्तक प्रकाशक श्री ओमप्रकाश गेहलोत की उपस्थिति में किया गया।लोकार्पण समारोह के दौरान गुरुजनों द्वारा विधिवत पूजन-अर्चन एवं हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया, जिससे संपूर्ण मंदिर परिसर भक्तिरस में सराबोर हो उठा। अपने उद्बोधन में भागवताचार्य पं. बालकृष्ण शास्त्री ने कहा कि हनुमान चालीसा का नियमित एवं श्रद्धापूर्वक पठन व्यक्ति के जीवन में आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है तथा समाज में धर्मभाव को सुदृढ़ बनाता है। वहीं श्री दुर्गा धाम परिवार के मनीष भाई ने पुस्तक के सुंदर एवं आकर्षक प्रकाशन हेतु प्रकाशक को बधाई देते हुए सुझाव दिया कि आगामी संस्करणों में दैनिक जीवन में उपयोगी मंत्रों को भी स्थान प्रदान किया जाए। इस सुझाव को श्री गेहलोत ने सहर्ष स्वीकार करते हुए इसे भविष्य में सम्मिलित करने की सहमति दी। कार्यक्रम में हरिकिशन मेलवाणी, कैलाश पाटीदार, भेरूलाल शर्मा, जे.पी. यादव (सर), प्रेमनारायण खीची, राजकुमार माथुर, अरुण शर्मा, सुभाष पंड्या, भैरूलाल शर्मा, भरतलाल शर्मा, सुभाष गुप्ते, पंकज भावसार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह के अंत में उपस्थित भक्तों ने इस आध्यात्मिक पहल की सराहना करते हुए इसे समाज में धर्म एवं संस्कारों के संवर्धन की दिशा में एक सराहनीय प्रयास बताया।

ऑल-न्यू ग्रेवाइट की लॉन्चिंग के साथ निसान ने बोल्ड इंडिया रीसर्जेंस की झलक दिखाई

निसान मोटर इंडिया के प्रोडक्ट ऑफेंसिव का पहला प्रोडक्ट, भारत में ब्रांड के रीसर्जेंस (पुनरुत्थान) के सफर का निर्णायक कदम

- आधुनिक भारतीय परिवारों को ध्यान में रखकर तैयार, 1.4 अरब भारतीयों और उनकी बदलती मोबिलिटी की जरूरतों से प्रेरित प्रोडक्ट
- खास पहचान के लिए निसान के सिग्नेचर 'ष्ट' डिजाइन लैंग्वेज के साथ बोल्ड और पर्पजफुल स्टांस
- 2 से लेकर 7 सीटिंग तक के कॉन्फिगरेशन की फ्लेक्सिबिलिटी के साथ बेहतरीन मॉड्युलैरिटी और लगेज स्टोरेज के मामले में बेस्ट-इन-क्लास वर्सटैलिटी
- 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, ट्रैक्शन कंट्रोल, हिल स्टार्ट असिस्ट और ब्रेक असिस्ट समेत 30 से ज्यादा स्टैंडर्ड सेफ्टी फीचर्स
- कुल 5 कलर ऑप्शन - फॉरेस्ट ग्रीन, ओनिक्स ब्लैक, ब्लेड सिल्वर, स्टॉर्म व्हाइट और मेटलिक ग्रे में उपलब्ध होगा ऑल-न्यू निसान ग्रेवाइट
- लिमिटेड लॉन्च एडिशन, जिसमें ज्यादा सुविधा एवं सहूलियत के लिए मिलेगी प्रीमियम टेक्नोलॉजी
- चेन्नई में लोकल मैन्यूफैक्चरिंग, जिससे भारत को लेकर लंबी अवधि में निसान की प्रतिबद्धता को मजबूती मिली है
- निसान डीलर नेटवर्क का विस्तार भी प्रगति पर, पहुंच बढ़ाने और ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए टियर 1 और टियर 2 शहरों में नेटवर्क विस्तार

उदयपुर, = निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने आज ढ्ढह्र5.65 लाख रुपये की आकर्षक शुरुआती कीमत में ऑल-न्यू निसान ग्रेवाइट को लॉन्च करने का एलान किया। बोल्ड और गेम चेंजिंग 7-सीटर एमपीवी ग्रेवाइट भारत में निसान के सफर के नए अध्याय की शुरुआत है।

भारत से प्रेरित मेड इन इंडिया, मेड फॉर इंडिया ग्रेवाइट भारत में निसान मोटर इंडिया के नवीनतम प्रोडक्ट ऑफेंसिव का पहला प्रोडक्ट है। यह भारत में कंपनी की मजबूत प्रतिबद्धता और मौजूदगी को दर्शाता है।

इस मॉडल का नाम 'ग्रेवाइट' भारत के 1.4 अरब लोगों और राष्ट्र की विविधता को आकार देने वाली 19,000 भाषाओं एवं रीति-रिवाजों से प्रेरित है। ग्रेवाइट को भारतीय परिवारों की बदलती महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। इसमें रोड पर शानदार मौजूदगी के साथ स्पेस, वर्सटैलिटी, कम्फर्ट और रोजाना की व्यावहारिक जरूरतों को ध्यान में रखा गया है।

निसान एंड इनफिनिटी के डिवीजनल वाइस प्रेसिडेंट एवं मिडिल ईस्ट, केएसए, सीआईएस एवं भारत के प्रेसिडेंट थियरी सबाग ने कहा, 'भारत निसान की वैश्विक महत्वाकांक्षाओं के केंद्र में है। पिछले साल परिचालन को मजबूत करने, नेटवर्क को विस्तार देने और प्रोडक्ट ऑफेंसिव की दिशा में हमारे प्रयास इस बाजार को लेकर लंबी अवधि में कंपनी की प्रतिबद्धता को दिखाते हैं। ऑल-न्यू निसान ग्रेवाइट सिर्फ एक प्रोडक्ट की लॉन्चिंग नहीं है, बल्कि यह भारत में निसान के सतत विकास के नए चरण की शुरुआत है। चेन्नई में हमारे अलायंस पार्टनर के साथ हमारी लोकल मैन्यूफैक्चरिंग और फ्यूचर रेडी प्रोडक्ट रोडमैप के साथ हम यहां प्रतिस्पर्धा करने, विकास करने और महत्वपूर्ण सेगमेंट में नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं।'

निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा, 'ऑल-न्यू निसान ग्रेवाइट भारतीय परिवारों की विविधता, व्यापकता एवं महत्वाकांक्षाओं से प्रेरित है। इसकी मॉड्यूलर सीटिंग से लेकर इसके कमांडिंग स्टांस तक, हर खूबी दिखाती है कि कैसे भारतीय ग्राहक रहते हैं, यात्रा करते हैं और साथ मिलकर आगे बढ़ते हैं। हमारे लिए ग्रेवाइट सिर्फ एक प्रोडक्ट की पेशकश नहीं है। यह एक वादा है कि निसान ऐसे वाहन को डिजाइन करना, मैन्यूफैक्चर करना और उनमें निवेश करना जारी रखेगी, जो सच्चे अर्थों में भारत की मोबिलिटी की महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप हों।'

नीमच जिला सेन समाज की बैठक संपन्न, सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों ने पकड़ा जोर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय स्थित प्रसिद्ध नारायणी धाम मंदिर प्रांगण में मंगलवार, 17 फरवरी 2026 को नीमच जिला सेन समाज संगठन के तत्वावधान में एक अति-महत्वपूर्ण जिला स्तरीय बैठक का सफल आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज की एकता को नई ऊर्जा देना, संगठन का विस्तार करना और सबसे प्रतीक्षित आगामी सामूहिक विवाह सम्मेलन की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करना था।

यह बैठक जिला अध्यक्ष श्री सुखलाल जी सेन (तारापुर) और युवा जिलाध्यक्ष श्री चमनजी सेन के कुशल मार्गदर्शन और नेतृत्व में संपन्न हुई। बैठक में जिले के कोने-कोने से आए समाज के वरिष्ठ प्रबुद्धजनों, मातृशक्ति और उत्साही युवाओं ने बड़ी संख्या में शिरकत की। बैठक के दौरान समाज के उत्थान, कुरीतियों के उन्मूलन और आगामी सम्मेलन को भव्य रूप देने के लिए कई क्रांतिकारी निर्णय लिए गए।

संगठन का विस्तार और महत्वपूर्ण नियुक्तियाँ- बैठक की शुरुआत में संगठन की मजबूती पर विशेष बल दिया गया। समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए संगठन की नई कमान सौंपी। इसके अंतर्गत चंद्रेश जी सेन (चिंटू भैया) को आगामी 'सेन जयंती' के सफल और भव्य आयोजन हेतु सर्वसम्मति से अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उनकी नियुक्ति की घोषणा होते ही समूचे परिसर में हर्ष की लहर दौड़ गई। समाजजनों का मानना है कि उनके ऊर्जावान नेतृत्व में इस वर्ष की जयंती ऐतिहासिक रूप से मनाई जाएगी।

इसी कड़ी में, महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी संगठन ने एक मील का पत्थर स्थापित किया है। श्रीमती प्रेमलता रामप्रसाद जी गेहलोत (मनासा-तलाऊ वाले) को महिला जिला अध्यक्ष के महत्वपूर्ण पद पर मनोनीत किया गया। उनकी इस नियुक्ति का मुख्य उद्देश्य समाज की महिलाओं को संगठित करना, उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और समाज के आगामी सामूहिक विवाह सम्मेलन जैसे आयोजनों में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है।

सेन समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन भादवामाता की पावन धरा पर होगा आयोजन- बैठक का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र बिंदु विश्व प्रसिद्ध आरोग्य तीर्थ भादवामाता में आयोजित होने वाला आगामी सामूहिक विवाह सम्मेलन रहा। वर्तमान समय में बढ़ती महंगाई और शादियों में होने वाली अनावश्यक फिजूलखर्ची को रोकने के लिए समाज ने इस सम्मेलन को एक आदर्श आयोजन बनाने का संकल्प लिया है।

कार्यकारिणी के महत्वपूर्ण निर्णय- पंजीयन शुल्क का निर्धारण- कार्यकारिणी ने समाज के हर वर्ग की आर्थिक स्थिति का ध्यान रखते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि इस विवाह सम्मेलन के लिए पंजीयन राशि को यथावत 31,111 ? ही रखा जाएगा। यह निर्णय इसलिए लिया गया ताकि गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर कोई अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े और वे सम्मानपूर्वक अपने बच्चों का विवाह कर सकें।

पंजीयन प्रक्रिया का शुभारंभ- इस भव्य सम्मेलन के लिए वर-वधु के पंजीयन का कार्य आधिकारिक रूप से शुरू कर दिया गया है। समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि कई परिवारों ने बैठक के दौरान ही अपनी रुचि दिखाई है।

संपर्क एवं सहायता- इच्छुक परिवार और अभिभावक जो इस सम्मेलन में अपने बच्चों का विवाह संपन्न कराना चाहते हैं, वे पंजीयन के लिए श्री हरि प्रसाद जी गेहलोद (मोबाइल नंबर- 9406675723) से तत्काल संपर्क कर सकते हैं।

सामाजिक समरसता और एकजुटता का संदेश- सम्मेलन अध्यक्ष भगवतीप्रसाद देवड़ा (जवासा) ने बैठक के समापन सत्र को संबोधित करते हुए भावुक अपील की। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह केवल एक सामाजिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज के आपसी भाईचारे और एकजुटता का प्रतीक है। उन्होंने नीमच, मंदसौर और आसपास के जिलों से आए समाजजनों से आग्रह किया कि वे इस सम्मेलन को सफल बनाने के लिए तन-मन-धन से सहयोग करें ताकि यह आयोजन समूचे मध्य प्रदेश में एक मिसाल बन सके।

युवाओं और पदाधिकारियों की सक्रियता- बैठक के दौरान जिला व तहसील स्तर के पदाधिकारियों ने भी अपने विचार रखे। युवाओं ने तकनीक और सोशल मीडिया के माध्यम से इस सम्मेलन का व्यापक प्रचार-प्रसार करने की जिम्मेदारी ली है। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने समाज हित में काम करने की सामूहिक शपथ ली और यह सुनिश्चित किया कि आगामी सम्मेलन में आने वाले अतिथियों और वर-वधु पक्ष को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

अंत में, सभी उपस्थित समाजजनों का आभार व्यक्त किया गया और सामूहिक जलपान के साथ बैठक का समापन हुआ। इस बैठक ने यह स्पष्ट कर दिया है कि नीमच जिला सेन समाज अब एक नई दिशा और ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है, जहाँ सम्मेलन जैसे आयोजन समाज को एक सूत्र में पिरोने का काम करेंगे।

कलेक्टर द्वारा अवैध उत्खनन के एक प्रकरण में 58 हजार से अधिक की शास्ति आरोपित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमाशु चंद्रा द्वारा अवैध खनिज उत्खनन के एक प्रकरण में कुल 58 हजार 500 की शास्ति अधिआरोपित की गई हैं। कलेक्टर श्री चंद्रा ने म.प्र. खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत अनावेदक अवैध उत्खननकर्ता वाहन मालिक बद्रीलाल पिता नानुराम नायक निवासी सुवाखेडा द्वारा मुरूम का अवैध उत्खनन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 29250 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 29250 हजार रूपये इस प्रकार कुल 58500 रूपए की शास्ति अधिरोपित की हैं। खनिज विभाग द्वारा खनिज का अवैध उत्खनन पाए जाने पर, प्रकरण पंजीबद्ध कर, कलेक्टर न्यायालय नीमच में प्रस्तुत किया गया था।

पी.एम.श्रमयोगी मानधन योजना तहत नीमच में शिविर 20 व 21 फरवरी को

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना (पी.एम.एस.वाय.एम.) असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को वृद्धावस्था में सामाजिक सुरक्षा देती हैं। 18 से 40 आयु के ऐसे श्रमिक जिनकी मासिक आय 15 हजार रूपये तक है और जो ईपीएफ एनपीएस या ईएसआईसी का लाभ नहीं ले रहे, वे पात्र हैं।

Name Change Information

This is to inform that I, Vishal Pawaiya, seek correction in my Class 10 mark sheet. Mother's surname change from Manju Pawaiya to Manju Asaiya due to earlier submission error.

भादवामाता लोक अधूरा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरूण बाहेती ने विधायक से मांगा जवाब

भादवामाता की बदहाली अब बर्दाश्त से बाहर, आस्था के नाम पर छलावा आखिर कब तक?

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवा की वैष्णोदेवी के नाम से प्रसिद्ध आरोग्य स्थल भादवामाता लोक आज भी अधूरा पड़ा है। राशि के अभाव में निर्माण कार्य ठप पड़े हुए हैं। ऐसे में मध्य प्रदेश का बजट पेश होने से ठीक पहले सवाल यह उठता है कि क्या इस बार बजट में भादवामाता लोक को नई वित्तीय राशि मिलेगी या फिर आश्वासनों का सिलसिला ही दोहराया जाएगा।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने भादवामाता जी में कई समय से बंद पड़े निर्माण कार्यों पर सवाल उठाते हुए कहा कि भादवामाता जन-जन की आस्था का केंद्र है और इस विषय को राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए, लेकिन जब 10 करोड़ रुपए खर्च होने के बाद भी निर्माण अधूरा रह जाए तो जवाबदेही तय होना जरूरी है, जबकि शासन से मिले 10 करोड़ रूपए के बजट के अलावा भादवामाता मंदिर व गेट का निर्माण कराने नीमच शहर के समाजसेवियों ने करोड़ों रूपए का जनसहयोग भी दिया था। उन्होंने ने बताया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भादवामाता लोक निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपए की घोषणा की थी। यह राशि स्वीकृत होकर खर्च भी हो चुकी है। प्रारंभिक चरण में प्रवेश द्वार, परिसर विकास और अन्य आधारभूत कार्यों में तेजी दिखी, लेकिन अब निर्माण कार्य की रफ्तार थम गई है। उन्होंने मांग की कि शासन स्पष्ट करे कि उक्त 10 करोड़ रुपए से कौन-कौन से कार्य पूर्ण हुए और शेष कार्यों की वर्तमान स्थिति क्या है।

कब पूरा होगा भादवामाता लोक का निर्माण- श्री बाहेती ने कहा कि 10 करोड रुपए पूरे हो जाने के बाद जिला प्रशासन ने मध्य प्रदेश शासन से नये सिरे से पुनः 10 करोड रुपए की मांग करी हैं। वर्तमान में प्रदेश में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार है। ऐसे में विधायक दिलीपसिंह परिहार और सांसद सुधीर गुप्ता को आगे आकर मांगी गई राशि स्वीकृत कराने का प्रयास करना चाहिए। पिछले एक वर्ष से मांगी जा रही इस राशि को पिछ्ले अनुपूरक बजट में राशि दिलाने का आश्वासन दिया गया था जो विधायक सांसद नहीं दिलवा पाए लेकिन अब तो मुख्य बजट में उसका स्पष्ट प्रावधान होना चाहिए। जनता यह जानना चाहती है कि भादवामाता लोक का कार्य कब तक पूर्ण होगा और उसकी समयसीमा क्या है। उन्होंने कहा कि भादवामाता केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि जिले की पहचान है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु, विशेषकर लकवा पीड़ित रोगी, आस्था और उपचार की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं। ऐसे स्थल पर निर्माण का अधूरा रहना और सुविधाओं का अभाव प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाता है।

करोड़ों का जनसहयोग भी क्यों थम गए प्रस्तावित कार्य- जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी कहा कि भादवामाता मंदिर निर्माण और गेट सहित अन्य कार्यों में शहर के समाजसेवियों और श्रद्धालुओं ने करोड़ों रुपए का जनसहयोग दिया है। जनता के इस योगदान के बावजूद निर्माण कार्य का थम जाना गंभीर विषय है। प्रशासन को यह सार्वजनिक करना चाहिए कि समाजसेवियों का कुल योगदान कितना रहा और आगे की कार्ययोजना क्या है। उन्होंने परिसर में व्याप्त अव्यवस्थाओं पर भी चिंता जताई। उनके अनुसार पेयजल व्यवस्था कई बार बाधित रहती है, स्नानघर में स्वच्छता की कमी रहती है और परिसर में मौजूद सुलभ शौचालय रात में बंद हो जाता है, जिससे श्रद्धालुओं को परेशानी होती है। श्री बाहेती ने मांग की कि भादवामाता परिसर में तत्काल एक सरकारी स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किया जाए, ताकि बीमार और लकवा पीड़ित मरीजों को प्राथमिक उपचार मिल सके।

जनता अब घोषणाओं से आगे बढ़कर ठोस निर्णयता चाहती है- श्री बाहेती ने कहा कि आस्था स्थल की गरिमा बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है। बजट के इस अवसर पर भादवामाता लोक के लिए पर्याप्त अतिरिक्त राशि स्वीकृत कर निर्माण पूर्ण करने की समयसीमा घोषित की जानी चाहिए। श्री बाहेती ने कहा कि जिले की जनता अब घोषणाओं से आगे बढ़कर ठोस निर्णय और पारदर्शिता चाहती है। बजट में भादवामाता लोक को क्या स्थान मिलता है, इस पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

आखिर जनता कब तक धैर्य रखें - बाहेती जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने कहा की भादवामाता जी में पहले ज्यादा अच्छी व्यवस्था थी लेकिन शासन के 10 करोड़ एवं समाजसेवियों की बड़ी राशि खर्च होने के बाद भी आखिर व्यवस्था बिगड़ क्यों गई। बाहेती ने विधायक परिहार से कहा हैं की क्षेत्र की आरोग्य की देवी भादवामाता जी जन-जन की आस्था का केंद्र हैं और इस आरोग्य तीर्थ की इतनी खराब स्थिति करना बिल्कुल उचित नहीं हैं। हमारे गौरव स्थल की दुर्दशा पर आखिर जनता कब तक धैर्य रखें। लम्बे समय से फैली अव्यवस्थाएं अब बर्दाश्त से बाहर हैं। भादवामाता जी बड़ा तीर्थ बने और यहाँ उच्चस्तरीय व्यवस्था हो यह समूचे क्षेत्र और अंचल की उम्मीद है। बाहेती ने कहा की भादवामाता जी में जल्दी बेहतर व्यवस्था करना अब सत्ता में बैठे नेताओं की कार्यक्षमता की असली परीक्षा है।

सदस्यता अभियांन की करी शुरुआत, काठेड एव चपलोत ने दी शुभकामनाए

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जैन सोश्यल ग्रुप नागदा द्वारा वर्ष 2026 की सदस्यता अभियान उत्साह एव उमंग के साथ बुधवार रात्री सात बजे बस स्टैण्ड स्थित मंणशापूर्ण श्री गणेश मंदिर पर पुजा अर्चना करके सदस्या अभियान की शुरुवात की उपस्थित ग्रुप अध्यक्ष धर्मेन्द्र बम, पूर्व ग्रुप अध्यक्ष मनीष चपलोत, अमित बम, दिपक गांग, रवि संधवी, मनोज गांग,राजेश सकलेचा आदि सदस्यो ने मंदिर के पुजारी जी से आर्शीवाद लेकर ग्रुप की पहली रशीद ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष राजेन्द्र काठेड को दी इस अवसर पर काठेड एव चपलोत ने शुभकामनाए दी।

भगोरिया पर्व को दृष्टिगत रखते हुए स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशन में आगामी भगोरिया पर्व को दृष्टिगत रखते हुए विकासखंड राणापुर एवं कल्याणपुरा में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने तथा मेले के दौरान स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाने के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार प्रत्येक भगोरिया मेले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा अनिवार्य रूप से एक स्वास्थ्य स्टॉल लगाया जाए, जहां एएनसी पंजीयन, टीकाकरण, स्वास्थ्य परीक्षण एवं जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएं। साथ ही अटीकाकृत बच्चों एवं माताओं का चिन्हांकन कर उनका शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने का लक्ष्य निर्धारित किया जाए। बैठक में निर्देश दिए गए कि आगामी 7 दिवस के भीतर सर्वे कर शत-प्रतिशत एएनसी पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं का प्रथम त्रैमास में प्राथमिकता के आधार पर पंजीयन किया जाए। हाई-रिस्क गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन कर उनका समय पर उपचार सुनिश्चित करने, प्रत्येक गर्भवती का 4 एएनसी चेकअप कराने तथा नवजात शिशुओं की गृह भेंट नियमित रूप से किए जाने के निर्देश दिए गए। साथ ही गर्भवती महिलाओं की ई-केवाईसी एवं डीबीटी की समीक्षा, एनसीडी स्क्रीनिंग एवं उपचार तथा राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम की भी समीक्षा की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत लाड़ली लक्ष्मी योजना, मातृत्व वंदन योजना, चिन्हित SAM, MAM एवं SUW बच्चों का एमएमबास्क एप के माध्यम से शत-प्रतिशत पंजीयन कर उपचार एवं पोषण प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कुपोषित बच्चों को एनआरसी में भर्ती कर उपचार कराने की स्थिति की भी समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. बघेल, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग श्री आर.एस. बघेल, डीपीएम श्री आर.आर. खन्ना , बीएमओ , सीडीपीओ, स्वास्थ्य विभाग के सेक्टर सुपरवाइजर, सीएचओ, एएनएम, आशा सहयोगिनी एवं महिला बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

23 तारीख़ को बड़वानी में होगा निःशुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। डीडीपीएम अनिल राठोड़ ने बताया कि सी. एम. एच. ओ.डॉ सुरेखा जमरे और सिविल सर्जन डॉ मनोज खन्ना के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय बड़वानी में लायंस क्लब बड़वानी के सहयोग से 23 फरवरी सोमवार को एक निःशुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन जिला अस्पताल बड़वानी में किया जा रहा है। उक्त शिविर में चयनित मरीजों का निःशुल्क लैंस प्रत्यारोपण चोईथराम नेत्र चिकित्सालय इंदौर में किए जायेंगे। शिविर में चयनित नेत्र मरीजों को बस द्वारा इंदौर भेजा जाएगा। केम्प कोऑर्डिनेटर रविन्द्र टेकाम ने बताया कि मरीज के साथ एक परिजन होने पर ही ऑपरेशन किए जाएंगे। नेत्र मरीज़ अपनी पुरानी शुगर और ब्लड प्रेशर की दवाई ले रहे हो तो साथ में लेकर आवे। महिला मरीज विशेष रूप से अपने सिर के बाल धोकर आवे। शिविर का समय प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक ही रहेगा। यह शिविर केवल मोतियाबिंद के मरीजों हेतु आयोजित किया गया है। नेत्र अस्पताल द्वारा लैंस,चश्मे, दवाइयां इत्यादि निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे। लायन राम जाट,लायन अनिल जोशी,लायन कमलेश शर्मा,लायन सचिन शर्मा,लायन दिपेश पाण्डेय ने नेत्र मरीजों से अपील की है कि अधिक से अधिक लोग इस निःशुल्क मोतियाबिंद शिविर का लाभ उठावें।लायंस क्लब बड़वानी द्वारा शिविर वाले दिन निःशुल्क भोजन भी कराया जाएगा।

अनुपयोगी एवं खुले नलकूप/बोरवेल को मजबूत ढक्कनों से बंद करने संबंधी प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। झाबुआ जिले में खुले एवं अनुपयोगी बोरवेल/ट्यूबवेल के कारण संभावित दुर्घटनाओं की आशंका को दृष्टिगत रखते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों एवं विभिन्न संचार माध्यमों से प्राप्त तथ्यों के आधार पर यह पाया गया है कि निजी अथवा शासकीय भूमि पर स्थित कई बोरवेल/ट्यूबवेल अनुपयोगी होने के बावजूद खुले छोड़ दिए जाते हैं। इस प्रकार की गंभीर लापरवाही से बच्चों एवं पशुओं के बोर में गिरने की घटनाओं की संभावना बनी रहती है।

उक्त परिस्थितियों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नेहा मीना के अनुमोदन पर अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दण्डाधिकारी श्री चंदरसिंह सोलंकी द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए झाबुआ जिले की राजस्व सीमा में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है।

आदेशानुसार बोर खनन के दौरान भूमि स्वामी एवं बोर खननकर्ता किसी भी स्थिति में बोर का मुख खुला नहीं छोड़ेंगे। जिन बोरवेल में पानी उपलब्ध नहीं है अथवा जिनका उपयोग नहीं किया जा रहा है, उन्हें भूमि स्वामी, मकान मालिक अथवा संस्था प्रमुख द्वारा खुला नहीं रखा जाएगा। साथ ही समस्त बोरवेल को लोहे की प्लेट, सीमेंट स्लैब अथवा मजबूत ढक्कन (कैप) से सुरक्षित रूप से बंद करना अनिवार्य होगा।

चूंकि यह आदेश जनसाधारण की सुरक्षा हेतु तत्काल प्रभाव से लागू किया जाना आवश्यक है, अतः पर्याप्त समय उपलब्ध न होने के कारण इसे भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163(2) के अंतर्गत एकपक्षीय रूप से पारित किया गया है। आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध धारा 223 के अंतर्गत विधि सम्मत कार्यवाही की जाएगी।

यदि किसी नागरिक को खुले बोरवेल संबंधी जानकारी प्राप्त होती है, तो वह तत्काल संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी, कार्यपालिक दण्डाधिकारी अथवा थाना प्रभारी को सूचित करें अथवा व्हाट्सएप के माध्यम से खुले बोर के फोटोग्राफ एवं स्थान विवरण सहित मोबाइल नंबर 9926557806 पर सूचना प्रेषित करें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। यह आदेश 18 फरवरी 2026 से 18 अप्रैल 2026 तक प्रभावशील रहेगा।

द्वितीय चरण के अंतर्गत क्लस्टर स्तरीय शिविर आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में 16 फरवरी से 16 मार्च 2026 तक संचालित संकल्प से समाधान अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशन में विभिन्न जनपद पंचायतों एवं नगरीय निकायों में क्लस्टर स्तरीय शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

क्लस्टर करवड़, जनपद पंचायत पेटलावद में आयोजित शिविर का निरीक्षण मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेंद्र सिंह चौहान द्वारा किया गया। इस क्लस्टर में कुल 1797 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 1286 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। शेष हितग्राहियों के आवेदनों के शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

क्लस्टर काकनवानी, जनपद पंचायत थांदला में आयोजित शिविर का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थांदला श्री महेश मण्डलोई द्वारा किया गया। इस क्लस्टर में कुल 1820 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 1270 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। शेष लंबित आवेदनों के त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को शिविर स्थल पर ही आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

इसी प्रकार नगर पालिका झाबुआ में क्लस्टरवार शिविर आयोजित किए गए, जिनमें नगरवासियों को शासन की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्राप्त आवेदनों पर प्राथमिकता के आधार पर त्वरित समाधान की कार्यवाही की जा रही है। इसके अतिरिक्त क्लस्टर ढोल्यावाड़, जनपद पंचायत राणापुर में भी शिविर आयोजित किया गया, जहां ग्रामवासियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुए प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण की प्रक्रिया जारी है।

कलेक्टर नेहा मीना ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शिविरों में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सके और प्रशासन के प्रति विश्वास सुदृढ़ हो।

सेंधवा की 34 पंचायतों में 20 फरवरी को आयोजित किया जाएगा कलस्टर अनुश्रवण शिविर

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर जयति सिंह के निर्देशन एवं संकल्प से समाधान अभियान के तहत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुँचाने और ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु 20 फरवरी 2026 सेंधवा जनपद पंचायत की 34 पंचायत में क्लस्टर अनुशान शिविर ष्ट्स्नञ्ज का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत प्रथम चरण में सुबह 9 बजे से दोपहर 4 बजे तक संबंधित ग्राम पंचायतों में शिविर के माध्यम से जनसमस्याओं / शिकायतों को ग्राम पंचायत के पास उपलब्ध पंजी में दर्ज कर मौके पर निराकृत होने वाली शिकायतों को तत्काल निराकृत किया जाएगा तथा शेष समस्याओं को निर्धारित समय सीमा में निराकृत करने का प्रयास किए जाएंगे। इसके पश्चात् शिविर के दूसरे चरण में ग्राम बापदड़ के हाई स्कूल परिसर में कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की अध्यक्षता में प्रथम चरण में किए गए कार्यों को मूल्यांकन एवं निरीक्षण किया जाएगा।

जिला स्तरीय कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व की बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ने सीएसआर के माध्यम से सहयोग प्रदान करने हेतु गेल (द्दन्नढ्ढरु) झाबुआ की सराहना की। उन्होंने अन्य औद्योगिक इकाइयों को भी शिक्षा, स्वास्थ्य, मातृ स्वास्थ्य तथा सामाजिक न्याय जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में ठोस एवं प्रभावी परियोजनाएं तैयार कर क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। विभागीय अधिकारियों को आवश्यकतानुसार सीएसआर प्रोजेक्ट प्रस्ताव तैयार कर उद्योगों से समन्वय स्थापित करने को कहा गया।

बैठक में कलेक्टर ने शासन के निर्देशानुसार बंद औद्योगिक इकाइयों के निरीक्षण हेतु गठित संयुक्त दल की जानकारी दी। उन्होंने निर्देश दिए कि निरीक्षण के दौरान संबंधित कंपनी प्रबंधन का प्रतिनिधि तथा एमपीआईडीसी (स्वक्कढ्ढष्ठष्ट) का प्रतिनिधि अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे, जिससे निरीक्षण कार्य पारदर्शी एवं प्रभावी रूप से संपन्न हो सके।

स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना एवं राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। औद्योगिक इकाइयों को आईटीआई ट्रेड से संबंधित आवश्यकताओं से अवगत कराया गया तथा स्थानीय युवाओं को जिले में ही रोजगार उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक ट्रेड के संबंध में सुझाव आमंत्रित किए गए।

औद्योगिक क्षेत्र मेघनगर में स्थापित इकाइयों की स्थिति एवं पर्यावरणीय समस्याओं के निराकरण हेतु कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ष्ट.श्च.ञ्ज.क्क) की स्थापना एवं संचालन के संबंध में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि द्वारा जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि आवश्यकतानुसार नोटिस की कार्यवाही की जा चुकी है तथा सभी इकाइयों को जनरल एडवाइजरी भी जारी की गई है। औद्योगिक इकाइयों से पर्यावरणीय मानकों के पालन में सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की गई।

पायलट प्रोजेक्ट के तहत झाबुआ जिले में प्रवासी श्रमिक पंजीयन हेतु प्रशिक्षण प्रारंभ

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। झाबुआ जिले को राजभवन के जनजातीय प्रकोष्ठ द्वारा प्रवासी श्रमिकों का समग्र डाटाबेस तैयार किए जाने के उद्देश्य से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चयनित किया गया है। इस संबंध में प्रवासी श्रमिकों के पोर्टल पंजीयन से जुड़ी समस्त कार्यवाहियों के सुव्यवस्थित एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु प्रशिक्षण आयोजित कराने के निर्देश प्रदान किए गए हैं।

कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशन में जिले की विभिन्न जनपद पंचायतों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि पंजीयन कार्य को जमीनी स्तर पर सशक्त रूप से संचालित किया जा सके।

इसी क्रम में जनपद पंचायत थांदला के सभा कक्ष में ग्राम पंचायत सचिवों, रोजगार सहायकों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रवासी श्रमिक पंजीयन संबंधी विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी श्री कपिल कुमावत तथा सहायक श्रम पदाधिकारी श्री निलेश डामोर द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान पंजीयन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, पोर्टल पर डेटा प्रविष्टि, समय-सीमा तथा पात्र हितग्राहियों की पहचान के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

इसी प्रकार जनपद पंचायत मेघनगर में पंचायत सचिवों एवं रोजगार सहायकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अधिकारियों द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी पात्र प्रवासी श्रमिकों का समयबद्ध पंजीयन सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी पात्र व्यक्ति को शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित न रखा जाए।

इसके अतिरिक्त जनपद पंचायत झाबुआ में भी प्रशिक्षण आयोजित कर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पोर्टल संचालन, डाटा प्रबंधन एवं फील्ड स्तर पर समन्वय के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

कार्यालय उज्जैन नगर पालिक निगम, उज्जैन

छत्रपति शिवाजी भवन आगर रोड उज्जैन

-: (online) निविदा आमंत्रण सूचना :-

विज्ञप्ति क्रं/318 /Workshop/E-tender/2026 उज्जैन दिनांक :- 15/02/26

निम्नांकित कार्य के लिए (Online) - निविदा क्रमांक 2026_UAD_482453_1 आमंत्रित की जाती हैं, तथा टेन्डर फार्म राशि 12,500/- रहेगा।

निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय करने की अंतिम दिनांक 14.03.2026 समय 18:00 ऑनलाईन एवं समस्त दस्तावेज Submission करने की अंतिम दिनांक 14.03.2026 समय 18:00 रहेगी।

विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती हैं। यदी उपरोक्त निविदा में किसी प्रकार का संशोधन होता है तो इसकी सूचना ऑन लाईन दी जावेगी। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकशित नहीं की जावेगी।

क्रं.	टेडंर फार्म का मूल्य	कार्य का नाम	अनुमानित लगत	अर्नेस्टमनी रू.	समय अवधि
1	2	3	4	6	7
1	12,500/-	Supply and Commissioning of 03 No. Innova Hycross ZX (O)	1,20,00,000/-	60,000/-	30 दिवस

कार्यपालन यंत्री, वर्कशॉप
नगर पालिक निगम उज्जैन
उज्जैन दिनांक :- 15/02/26

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

महाकाल मंदिर में 2 मार्च को होलिका दहन, 3 मार्च को भस्म आरती में खेले जाएंगे रंग

4 मार्च से बदलेगी भगवान महाकाल की दिनचर्या, ठंडे जल से होगा स्नान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर मंदिर में इस वर्ष 2 मार्च को होली पर्व की शुरुआत पारंपरिक विधि-विधान से होगी। फाल्गुन पूर्णिमा पर प्रदोष काल में मंदिर परिसर स्थित श्री ओंकारेश्वर मंदिर के सामने होलिका सजाई जाएगी। शाम को पुजारी परिवार की महिलाएं विधि-विधान से होलिका पूजन करेंगी, जिसके बाद संध्या आरती उपरांत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ होलिका दहन किया जाएगा।

इस वर्ष धुलेंडी 3 मार्च को आ रही है। इस दिन तड़के 4 बजे होने वाली भस्म आरती विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। इस दौरान राजाधिराज महाकाल भक्तों के साथ प्राकृतिक अबीर-गुलाल से होली खेलेंगे। इस अलौकिक दृश्य के साक्षी बनने देशभर से श्रद्धालु उज्जैन पहुंचते हैं।

4 मार्च से बदलेगी दिनचर्या - चैत्र कृष्ण प्रतिपदा यानी 4 मार्च से भगवान महाकाल की दिनचर्या ग्रीष्मकालीन हो जाएगी। अब तक शीतकाल में गर्म जल से स्नान हो रहा था, लेकिन अब शीतल जल अर्पित किया जाएगा।

महाकालेश्वर मंदिर परंपरा के अनुसार, कार्तिक कृष्ण प्रतिपदा से फाल्गुन पूर्णिमा तक शीतकालीन व्यवस्था रहती है, जबकि होली के अगले दिन से शरद पूर्णिमा तक ग्रीष्मकालीन दिनचर्या प्रभावी रहती है।

बदले हुए आरती समय (4 मार्च से)- बालभोग आरती- सुबह 7 से 7-45 बजे (30 मिनट पहले)

भोग आरती- सुबह 10 से 10-45 बजे (30 मिनट पहले)

संध्या आरती- शाम 7 से 7-45 बजे (30 मिनट देरी से)

नोट- भस्म आरती (सुबह 4 बजे) और शयन आरती (रात 10-30 बजे) के समय में कोई बदलाव नहीं होगा।

8 मार्च को रंगपंचमी - 8 मार्च को रंगपंचमी पर भस्म आरती में भगवान महाकाल टेसू (पलाश) के फूलों से बने प्राकृतिक केसरिया रंग से होली खेलेंगे। पूर्व में जहां कई क्विंटल फूलों से रंग तैयार होता था, वहीं अब सुरक्षा की दृष्टि से प्रतीकात्मक रूप से केसरिया रंग का एक लोटा अर्पित किया जाएगा।

शीघ्र दर्शन टिकट से दो दिन में 62.50 लाख की आय

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाशिवरात्रि पर्व पर महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। 15 और 16 फरवरी को 250 रुपये के शीघ्र दर्शन टिकट के माध्यम से कुल 25 हजार श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

रविवार को 20,700 और सोमवार को 4,300 श्रद्धालुओं ने शीघ्र दर्शन सुविधा का लाभ उठाया। इन टिकटों की बिक्री से मंदिर प्रबंध समिति को कुल 62 लाख 50 हजार रुपये की आय प्राप्त हुई।

मंदिर प्रशासन के अनुसार, दान पात्रों में प्राप्त राशि की गणना अभी शेष है, जिससे कुल आय का आंकड़ा और बढ़ने की संभावना है।

शिव नवरात्रि में 410 क्विंटल लड्डू प्रसाद बिका, 1.95 करोड़ की बिक्री

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शिव नवरात्रि पर्व के दौरान महाकालेश्वर मंदिर में लड्डू प्रसाद की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गई। 6 फरवरी से शुरू हुए पर्व के समापन तक कुल 410.6 क्विंटल लड्डू प्रसाद श्रद्धालुओं द्वारा खरीदा गया। मंदिर प्रबंध समिति ने इस बार रागी और बेसन से बने विशेष लड्डुओं की व्यवस्था की थी। 16 फरवरी तक हुई बिक्री से मंदिर को कुल 1 करोड़ 95 लाख रुपये की आय प्राप्त हुई। श्रद्धालुओं की भारी संख्या और आस्था के चलते इस वर्ष प्रसाद वितरण व्यवस्था को भी सुव्यवस्थित किया गया था, जिससे लंबी कतारों के बावजूद भक्तों को आसानी से प्रसाद उपलब्ध हो सका।

घायल कोचिंग संचालक के समर्थन में कंट्रोलरूम पर प्रदर्शन

एसपी को ज्ञापन सौंपा हमलावरों के अवैध कब्जे हटाने की मांग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। केशव नगर में कोचिंग संचालक पर हुए हमले में शामिल आरोपियों के अवैध कब्जे हटाने और सख्त कार्रवाई करने को लेकर बुधवार को कोचिंग क्लास एसोसिएशन के साथ क्षेत्र वासियों ने पुलिस कंट्रोल रूम पर प्रदर्शन किया और सपा को ज्ञापन सौंपा।

नीलगंगा थाना क्षेत्र के केशव नगर में मंगलवार को कोचिंग संचालक अजय जागरी पर क्षेत्र के ही रहने वाले दो मुस्लिम युवकों ने हफ्ता नहीं देने पर हमला कर दिया था। कोचिंग संचालक गंभीर रूप से घायल हुआ था जिसके बाद क्षेत्र में स्थिति तनाव पूर्ण हो गई थी। पुलिस ने घायल कोचिंग संचालक की पत्नी की शिकायत पर आरिफ और इमरान के साथ अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। बुधवार को कोचिंग संचालक एसोसिएशन और दर्जनों की संख्या में क्षेत्रवासियों ने पुलिस कंट्रोल रूम पर प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की और एसपी प्रदीप शर्मा को ज्ञापन सौंपा। जिसमें बताया गया कि हमलावरों द्वारा अवैध कब्जे कर रखे हैं नल कनेक्शन भी अवैध है बिजली भी अवैध उपयोग की जा रही है। उन्हें क्षेत्र से हटाया जाए। एसपी प्रदीप शर्मा ने नगर निगम के माध्यम से अवैध कब्जों की जानकारी जुटा कर कार्रवाई का आश्वासन दिया।

आरोपियों की ऑटो की गई जप्त- केशव नगर में मंगलवार से ही पुलिस बल की तैनाती है। बुधवार को पुलिस ने क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया और आरोपियों की ऑटो जप्त की। फ्लैग मार्च में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुरु प्रसाद पाराशर, सीएसपी दीपिका शिंदे सहित नीलगंगा, नानाखेड़ा, देवास गेट, नागझरी और पुलिस लाइन का बल शामिल रहा। इस दौरान आरोपियों के घर की तस्दीक की गई और ऑटो जप्त किया गया।

शहर की ट्रैफिक व्यवस्था सुधार के लिए अमला बढ़ाने की आवश्यकता

अभी 80 जवान संभाल रहे हैं उज्जैन की ट्रैफिक जवाबदारी - 200 की आवश्यकता

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन शहर की यातायात व्यवस्था 80 यातायात पुलिसकर्मियों के भरोसे ही चल रही हैं। जबकि शहर में लगातार बढ़ते ट्रैफिक के मान से करीब 200 से 250 यातायात बल की शहर में जरूरत हैं। विभाग के अधिकारी भी इस बात को स्वीकार रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि शहर के कई ऐसे चौराहे हैं जहाँ अतिरिक्त पुलिस बल तैनाती की आवश्यकता महसूस की जा रही है। कई जगह तो ऐसे हैं जहाँ काफी ट्रैफिक है, लेकिन वहाँ पुलिस बल की तैनाती ही नहीं है। इससे सुबह कार्यालय व शाम को बाजार में खरीददारी के समय घंटों जाम लगता है। पुराने शहर के कई ऐसे स्थान हैं जहाँ पुलिस बल तैनात किये जाने से यातायात व्यवस्था को सुचारु किया जा सकता है, लेकिन पुलिस बल की कमी से लागों को सुबह व शाम में जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। मामले में यातायात पुलिस के अधिकारिक सूत्रों का कहना है कि शहर में पुलिस बल की जरूरत हैं।

शहर में कई स्थानों पर पुलिस बल व पदाधिकारी बढ़ाये जाने की आवश्यकता है। यातायात व्यवस्था में पुलिस बल की कमी से हो रहे परेशानी से मुख्यालय को अवगत कराते हुए पुलिस बल की माँग की है। शहर के ट्रैफिक व्यवस्था को संतुलित करने के लिए कम से कम 200 यातायात पुलिस बल के जवानों की आवश्यकता है। पुराने शहर के गोपाल मन्दिर और सराफा सहित कंठाल, तेलीवाड़ा, नईसडक़, फव्वारा चौक, तोपखाना, इंदौर गेट आदि क्षेत्रों में जाम लगना अब आम बात हो गई है। कभी कभार तो यह जाम घंटों तक नहीं खुलता। ऐसे में यहाँ पर ट्रैफिक पुलिस बल की ड्यूटी जरूरी है, लेकिन बल की संख्या बढ़ाये बगैर यहाँ का ट्रैफिक कंट्रोल नहीं किया जा सकता है।

पुत्र की शादी से पहले पिता की सड़क दुर्घटना में मौत

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुत्र की शादी से 10 दिन पहले सड़क दुर्घटना में मंगलवार बुधवार रात पिता की मौत हो गई। घटनाक्रम की जानकारी परिवार को मिलते ही शादियों की खुशियां मातम में बदल गई। पिता शादी की पत्रिका बांट कर वापस लौट रहे थे, रास्ते में अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। बुधवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है।

नरवर के ग्राम करछली में रहने वाले कालूराम पिता आत्माराम बाघेला 52 साल के पुत्र अभिषेक का 28 फरवरी को विवाह होना है। 22 फरवरी को माता पूजन था। कालूराम पत्रिका बांटने के लिए बड़नगर गया हुआ था। रात में वापस लौटते समय रत्नाखेड़ी और मंगरोला के बीच अज्ञात चार पहिया वाहन ने कालूराम की बाइक को टक्कर मारी और कुचल दिया। मौके पर ही कालूराम की मौत हो गई। पुलिस सूचना मिलने पर दुर्घटना स्थल पहुंची, शव चरक अस्पताल पहुंचाया गया। कालूराम के पास मिले मोबाइल और पत्रिका के आधार पर परिजनों को सूचना दी गई। रात में ही परिवार अस्पताल पहुंच गया था। सुबह पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया। शादी की खुशियों के बीच परिवार के मुखिया की हुई दुर्घटना में मौत से मातम छा गया था। परिवार बिलखता दिखाई दिया। गांव में भी माहौल गमगीन हो गया था। पुलिस ने दुर्घटना के बाद मौके से फरार हुए वाहन की तलाश शुरू की है।

पत्नी के प्रेम प्रसंग से प्रताडित होकर पति ने लगाई थी फांसी

जांच के बाद पुलिस ने पत्नी को किया गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। फांसी लगाकर आत्महत्या करने वाले युवक के मामले में मंगलवार को पुलिस ने उसकी पत्नी को गिरफ्तार किया है। युवक ने पत्नी के अवैध प्रेम प्रसंग से प्रताडित होकर मौत को गले लगाया था।

बड़नगर थाना क्षेत्र की नागेश्वर धाम कालोनी में रहने वाले राजेश पिता भगवान राठौर 35 साल ने 6 फरवरी को घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने मृतक का शव भाई शिवनारायण की सूचना पर बरामद कर मर्ग कायम किया था। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के बयान दर्ज किये गये। इस दौरान सामने आया कि मृतक राजेश की पत्नी सोनिया की वजह से उसने फांसी लगाई है। सोनिया ने उसे आत्महत्या के लिये उकसाया था। परिजनों के बयान दर्ज करने के बाद जांच शुरू की गई। जिसमें सामने आया कि सोनिया का अन्य व्यक्ति के साथ अवैध प्रेम प्रसंग चल रहा था। वह लगातार मोबाइल पर उससे बात करती थी। राजेश ने पत्नी को बातचीत करते पकड़ लिया था।

जिसके बाद से दोनों के बीच विवाद होने लगे थे। राजेश मानसिक रूप से प्रताड़ित हो चुका था। थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने बताया कि जांच और तथ्यों के आधार पर पति को आत्महत्या के लिये उकसाने वाली पत्नी के खिलाफ धारा 108 बीएनएस का प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया और कोर्ट में पेश किया गया। जहां से न्यायिक हिरासत में भेजने के आदेश जारी होने पर जेल भेजा गया है। मामले की जांच और परिजनों के बयान दर्ज करने में एसआई सुरेन्द्रसिंह गरवाल, एएसआई गोवर्धनदास बैरागी, प्रधान आरक्षक हेमराज खरे, राहुलसिंह राठौर, आरक्षक महेश मार्य, महिला आरक्षक ज्योति हाड़ा का सहयोग रहा।

फजर में गूंजेगी अजान... आज से शुरू होंगे रमजान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में मंगलवार से बोहरा समाज का पवित्र रमजान माह शुरू हो गया। रमजान के पहले दिन सुबह से ही समाज के लोग मजारे नजमी पर एकत्रित हुए और विशेष दुआओं के साथ इबादत की। वहीं आज से मुस्लिम समाज के रमजान शुरु हो रहे हैं।

इस्लाम धर्म में रमजान सबसे पवित्र महीना माना जाता है। इस पूरे माह में रोज़ा रखा जाता है, पांचों वक्त की नमाज अदा की जाती है और कुरआन शरीफ की तिलावत की जाती है।

रमजान पर्व का बोहरा और मुस्लिम समाज में विशेष महत्व होता है। समाजजन सुबह सहरी के बाद रोज़ा शुरू करते हैं और सूर्यास्त के समय इफ्तार कर रोज़ा खोलते हैं। मजारे नजमी पर पहले दिन मंगलवार को विशेष आयोजन हुआ, जहां समाज के वरिष्ठजन और युवा एक साथ उपस्थित रहे। बच्चों और महिलाओं में भी खास उत्साह देखने को मिला। इधर मुस्लिम समाज द्वारा चांद दिखने पर कल से रमजान माह की शुरुआत मानी जाएगी। इस दौरान पूरे महीने मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में रौनक रहेगी और मस्जिदों पर रोशनी की जाएगी।

यह है रमजान माह का धार्मिक महत्व - रमजान को आत्मसंयम, इबादत और खुद को बेहतर बनाने का महीना माना जाता है। रोजा रखने का मकसद सिर्फ भूखा रहना नहीं, बल्कि अपने अंदर तकवा, यानी खुदा का डर और उसकी याद को मजबूत करना है। इस दौरान लोग ज्यादा नमाज पढ़ते हैं, कुरआन की तिलावत करते हैं, दुआ करते हैं और गरीबों की मदद पर खास ध्यान देते हैं। यह महीना दूसरों की तकलीफ समझने और इंसानियत को मजबूत करने का भी संदेश देता है।

माह-ए-रमजान इस्लाम का सबसे पवित्र महीना है। सऊदी अरब हो, पाकिस्तान हो, भारत हो या फिर अन्य मुस्लिम देश नया चांद नजर आने पर ही रमजान की शुरुआत होती है। इसलिए रमजान में रोजा की शुरुआत करने से पहले चांद का सभी को बेसब्री से इंतजार रहता है। चांद दिखने की अगली सुबह से ही रोजा रखने की शुरुआत हो जाती है। आज से मुस्लिम समाज के रमजान शुरू हो जाएंगे।

श्रीपुरम कॉलोनी में सूने मकान में चोरी की वारदात

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में चोरी की वारदात लगातार सामने आ रही है मंगलवार बुधवार रात श्रीपुरम कॉलोनी में बदमाशों ने सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी को अंजाम दिया। वारदात के समय परिवार अस्पताल गया हुआ था।

चिमनगंज थाना क्षेत्र के एमआर 5 मार्ग बनी श्रीपुरम कॉलोनी में राजीव त्रिवेदी का मकान बना हुआ है। उनकी मां का स्वास्थ्य ठीक नहीं होने पर परिवार निजी अस्पताल गया हुआ था। मकान पर ताला लगा हुआ था इसी बात का रात में बदमाशों ने फायदा उठाया और ताला तोड़कर सोने चांदी के आभूषणों के साथ हजारों रुपए की नगदी चोरी कर ली। सुबह राजीव घर पहुंचे तो ताले टूटे मिले। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट टीम को बुलाया।

कॉलोनी में कैमरे लगे नहीं होने पर बदमाशों का कुछ पता नहीं चल पाया है। कुछ दिन पहले ही चिमनगंज थाना क्षेत्र की अतिरिक्त विश्व बैंक का कॉलोनी में रेस्टोरेंट संचालक के यहां चोरी की वारदात हुई थी।

इससे पहले बदमाश महानंदा नगर और बसंत विहार में भी बड़ी चोरी को अंजाम दे चुके थे। सूने मकान के साथ बदमाश दुकानों को भी निशाना बना रहे हैं। तीन दिन पहले रॉयल मेडिकल में चोरी को अंजाम देने के साथ बदमाशों ने बाफना नमकीन में भी चोरी का प्रयास किया था।

दो रातों में 4 डिग्री से ज्यादा उछला तापमान, पहली बार 17 डिग्री के ऊपर पहुंचा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में दिन के बाद अब रात के तापमान में भी तेजी आने लगी है। कल की रात इस सीजन की सबसे गर्म रात रही और सीजन में पहली बार पारा 17.2 डिग्री तक जा पहुंचा। खास बात यह है कि दो ही रातों में तापमान में 4 डिग्री से ज्यादा का उछाल आया है। इसके कारण ठंड का एहसास लगभग खत्म हो गया। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और तेजी देखने को मिलेगी।

वेधशाला अधीक्षक डॉ. आरपी गुप्त ने बताया कि मंगलवार को दिन का अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री रहा, जो सामान्य से 2 डिग्री और परसों की अपेक्षा 0.4 डिग्री ज्यादा था। वही रात से सुबह के बीच न्यूनतम तापमान बुधवार सुबह 17.2 डिग्री रहा जो सामान्य से 5 डिग्री और कल की अपेक्षा 4.2 डिग्री ज्यादा था। वही परसों दर्ज 13.4 डिग्री से तुलना करें तो यह 4.2 डिग्री ज्यादा था। यानी दो ही रातों में तापमान में 4 डिग्री से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई है। इसके कारण रात से सुबह के बीच जो हल्की ठंड का एहसास हो रहा था, वह भी गायब रहा और रात को भी गर्मी ने सताया।

हवाओं का रुख बदलने से बढ़ा तापमान - डॉ गुप्त ने बताया कि कल हवाओं की दिशा दक्षिण पूर्वी रही और अधिकतम रफ़्तार 10 किलोमीटर प्रतिघंटे तक पहुंची। इससे पहले हवाएं उत्तरी और उत्तर-पूर्वी दिशा से बह रही थी, जिसके कारण उत्तर भारत से ठंडक यहां आ रही थी। लेकिन कल हवाओं की दिशा बदलते ही तापमान में बड़ी तेजी आई है। संभावना है कि आज भी ऐसी ही हवाएं चलने से तापमान में और तेजी आ सकती है। वहीं कल से एक बार फिर उत्तर-पूर्वी हवाएं चलने से तापमान में एक-दो दिन कमी देखने को मिल सकती है।

पिछली 10 रातों का तापमान

तारीख	तापमान
9	11.8
10	11.7
11	13.6
12	15.1
13	14.2
14	13.6
15	13.5
16	13.4
17	16.2
18	17.2

(जानकारी वेधशाला के अनुसार, आंकड़े डिग्री सेल्सियस में)

उज्जैन में बच्चा चोरी की अफवाह से दहशत... अब तक नहीं आया कोई मामला

निर्माणाधीन ब्रिज में बलि देने की बात फैली, स्कूलों ने जारी की एडवाइजरी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में पिछले दो दिनों से बच्चा चोरी की अफवाहों ने लोगों के बीच डर का माहौल बना दिया है। सोशल मीडिया और आपसी चर्चाओं में यह बात तेजी से फैलाई जा रही है कि शहर और आसपास बन रहे निर्माणाधीन ब्रिजों में कथित तौर पर बलि देने के लिए बच्चों को चुराया जा रहा है। यहां तक कहा जा रहा है कि इसके लिए महिला और पुरुषों की गैंग सक्रिय है।

इस मामले में हालांकि पुलिस रिकॉर्ड में अब तक ऐसी कोई घटना दर्ज नहीं हुई है और न ही किसी बच्चे के अपहरण की पुष्टि हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह महज अफवाह प्रतीत होती है। फिर भी अफवाहों के चलते शहर में सतर्कता बढ़ गई है।

स्कूलों तक पहुंची दहशत, बच्चों की सुरक्षा पर जोर- अफवाहों का असर अब स्कूलों तक भी पहुंच गया है। कुछ निजी स्कूलों ने एहतियात के तौर पर अभिभावकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें साफ कहा गया है कि बच्चों को अकेला न छोड़ा जाए। यदि बच्चा स्कूल बस से जाता है तो अभिभावक उसे बस स्टॉप तक छोड़ने और लेने अवश्य आएं। बाजार, मेले या सार्वजनिक स्थानों पर बच्चों का हाथ थामे रखें। अनजान लोगों से बातचीत या उनके साथ जाने से बच्चों को सख्ती से मना करें। स्कूल प्रबंधन का कहना है कि यह कदम केवल बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर उठाया गया है।

वन मेले में भी हुआ था अनाउंसमेंट- पिछले दिनों दशहरा मैदान पर लगे हर्बल वन मेले में भी आयोजकों की ओर से बच्चों की सुरक्षा को लेकर अनाउंसमेंट किया गया था। मेले में आने वाले शहरवासियों से अपील की गई थी कि वे अपने बच्चों पर विशेष नजर रखें और उन्हें अकेला न छोड़ें। सोशल मीडिया पर भी इस तरह की खबरें वायरल हो रही हैं। कुछ लोगों द्वारा थाने में आवेदन देने की चर्चा जरूर सामने आई है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

पुलिस की अपील, अफवाहों से बचें - पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी अपुष्ट जानकारी को साझा न करें। यदि किसी को कोई संदिग्ध गतिविधि नजर आए तो तत्काल पुलिस को सूचना दें, लेकिन बिना पुष्टि के अफवाह फैलाने से बचें। फिलहाल शहर में शांति है और किसी भी बच्चे के अपहरण की घटना सामने नहीं आई है। प्रशासन लोगों से संयम और जागरूकता बनाए रखने की अपील कर रहा है।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में आज होगा ऊर्जा-सेतु व्याख्यान श्रृंखला में आप इसे संभव बना सकते हैं विषय पर होगा पहला विशिष्ट व्याख्यान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय एल्यूमनाई एसोसिएशन के माध्यम से ज्ञान की नई परम्परा शुरू की जा रही है, जिसके अंतर्गतऊर्जा-सेतु व्याख्यान श्रृंखला प्रारम्भ की जा रही हैं, You Can Make It Happen – आप इसे संभव बना सकते हैं विषय पर पहला विशिष्ट व्याख्यान भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पूर्व सचिव और नई शिक्षा नीति क्रियान्वयन के प्रभारी रहे सेवानिवृत्त आईएएस श्री अनिल स्वरूप 19 फरवरी को प्रस्तुत करेंगे।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि उज्जैन की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा और आधुनिक शैक्षणिक नवाचारों के समन्वय में 19 फरवरी को गौरवशाली अध्याय जुड़ने जा रहा है। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों के संगठन विक्रम विश्वविद्यालय एल्यूमनाई एसोसिएशन द्वारा ऊर्जा-सेतु व्याख्यान श्रृंखला का शुभारंभ किया जा रहा है। यह आयोजन विक्रमोत्सव-2026 (विक्रम संवत 2082) के तहत विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में दिनांक 19 फरवरी 2026 को दोपहर 12-00 बजे आयोजित होगा।

डॉ. शर्मा ने बताया कि यह आयोजन ऊर्जा-सेतु व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत शामिल हैं, जिसे भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के बीच एक वैचारिक पुल के रूप में देखा जा रहा है। इस श्रृंखला के प्रथम मुख्य वक्ता के रूप में भारत सरकार के पूर्व सचिव (शिक्षा एवं कोयला मंत्रालय) और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी श्री अनिल स्वरूप रहेंगे। श्री स्वरूप अपनी प्रखर दृष्टि और अनुभव के आधार पर केवल प्रशासनिक कार्यों पर ही नहीं, बल्कि भविष्य की ऊर्जा नीति निर्धारण और वर्तमान परिदृश्य को केंद्र में रखकर शिक्षकों , विद्यार्थियों और विशेषज्ञों के समक्ष व्यापक रूपरेखा प्रस्तुत करेंगे।

आप इसे संभव बना सकते हैं रखा गया है, जिसे विशेष रूप से विद्यार्थियो को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। श्री अनिल स्वरूप, जिन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कोयला मंत्रालय और शिक्षा नीति जैसे संवेदनशील विभागों में बुनियादी और क्रांतिकारी परिवर्तन लाने में सफलता प्राप्त की है, वे सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में ऊर्जा सुरक्षा और भविष्य की नीतियों के निर्धारण पर अपना सूक्ष्म विश्लेषण सामने रखेंगे।